THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 207 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.2, 2079 मंगलवार, 11 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुरक्षाबलों ने लश्कर के 2 आतंकियों को मार गिराया

जम्मू/श्रीनगर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। यहां तंगपावा इलाके में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है। पुलिस और सुरक्षाबलों का जॉइंट ऑपरेशन अभी भी जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, अभी भी कुछ आतंकियों के छिपे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के बाद रविवार शाम तंगपावा की तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान घेरा सख्त होने पर छिपे आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई से मुठभेड़ शुरू हो गई। एडीजीपी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए आतंकी लश्कर से जुड़े थे।

आज सैफई में मुलायम का अंतिम संस्कार

पीएम मोदी ने गुजरात जनसभा में 7 मिनट याद किया कहा उनका आशीर्वाद अमानत की तरह साथ

लखनऊ/नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। 82 साल के मुलायम यूरिन इन्फेक्शन के चलते 26 सितंबर से मेदांता अस्पताल में भर्ती थे। अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडल पर मुलायम के निधन की जानकारी दी। मुलायम की पार्थिव देह सैफई ले जाई जा रही है, जहां मंगलवार को दोपहर 3 बजे उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। यूपी में 3 दिन का राजकीय शोक रहेगा।

मुलायम को 2 अक्टूबर को ऑक्सीजन लेवल कम होने के बाद आईसीयू में शिफ्ट किया गया था। उन्हें यूरिन में इन्फेक्शन के साथ ही ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ गई थी। बाद में उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया था।

मोदी ने कहा, उनके विचार जानने को हमेशा तत्पर रहता था

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं। लिखा, जब मैं मुख्यमंत्री था, तब मेरी कई बार मुलायम सिंह यादव जी से बातचीत हुई। हमारा करीबी जुड़ाव चलता रहा और मैं हमेशा ही उनके विचार जानने के लिए तत्पर रहता था। मुलायमजी के निधन से मुझे दुख है। उनके परिवार और लाखों समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाए हैं।

गुजरात की जनसभा में पीएम मोदी ने सबसे पहले मुलायम को याद किया

नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के भरुच में जनसभा कर रहे थे। यहां भी उन्होंने सबसे पहले मुलायम सिंह यादव को याद किया। कहा, मुलायमजी का जाना देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मेरा मुलायमजी के साथ नाता विशेष प्रकार का रहा। हम दोनों मुख्यमंत्री के तौर पर मिला करते थे, वे भी और मैं भी दोनों के प्रति एक अपनत्व का भाव अनुभव करते थे। 2014 में जब भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री पद के लिए चुना तो मैंने विपक्ष में अपने परिचित लोगों को फोन करके आशीर्वाद लिया था। उस दिन मुलायमजी का वह आशीर्वाद, सलाह के दो शब्द आज भी मेरी अमानत हैं।

जेपी और लोहिया के आदर्शों के लिए मुलायम ने किया जीवन समर्पित : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सपा संस्थापक और संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक जताते हुए उन्हें आपातकाल के दौरान लोकतंत्र का प्रमुख सैनिक बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके निधन को अपने लिए पीड़ादायक बताते हुए उनके परिवार और लाखों समर्थकों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

उन्होंने विभिन्न अवसरों पर मुलायम सिंह यादव के साथ ली गई अपनी कई तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए सिलसिलेवार कई ट्वीट किए। नेता जी के नाम से मशहूर मुलायम सिंह यादव के साथ अपनी कई तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, मुलायम सिंह यादव एक विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे। उन्हें एक विनम्र और जमीन से जुड़े नेता के रूप में व्यापक रूप से सराहा गया, जो लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील थे। उन्होंने लगन से लोगों की सेवा की और लोकनायक जयप्रकाश और डॉ. लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

'शहरी नक्सलियों' को युवाओं का जीवन बर्बाद करने नहीं देंगे : पीएम

अहमदाबाद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अपनी तीन दिवसीय गुजरात यात्रा पर चल रहे पीएम मोदी का आज दूसरा दिन है। पीएम मोदी आज भरूच जिले के आमोद में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया।

उन्होंने इसके तहत देश के पहले बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी। इसके बाद उन्होंने अपना संबोधन दिया। संबोधन में सबसे पहले पीएम मोदी ने दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव को याद किया। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव का जाना देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। मुलायम जी के साथ मेरा नाता विशेष प्रकार का रहा है। इसके अलावा पीएम मोदी ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गुजरात 'शहरी नक्सलियों' को राज्य के युवाओं का जीवन बर्बाद नहीं करने देगा। पीएम मोदी ने गुजरात में नक्सलियों को न घुसने देने के लिए आदिवासियों की भी तारीफ की। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि किस तरह कई राज्यों में नक्सलियों ने युवाओं को हथियार थमाकर उनका भविष्य बर्बाद किया। पीएम ने कहा कि अर्बन नक्सलियों के पीछे विदेशी ताकतें हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने जब 2014 में देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था, उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में 10वें स्थान पर थी और अब यह पांचवें स्थान पर पहुंच गई है।

अब भरूच, बड़ौदा या सूरत के एयरपोर्ट पर निर्भर नहीं रह सकता, अब भरूच का अपना एयरपोर्ट होना चाहिए, इसलिए अंकलेश्वर में नया एयरपोर्ट बनाने का आज शिलान्यास हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से इतना व्यापार-कारोबार होने के बाद अब जब एयरपोर्ट मिल रहा है, तो विकास को एक नई गति और एक नई उड़ान मिलने वाली है।

पीएमएलए कोर्ट से अनिल देशमुख को राहत, निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति मिली

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को एक अस्पताल में इलाज की अनुमति मिल गई है। देशमुख ने पीएमएलए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी कि उन्हें एक निजी अस्पताल में इलाज की अनुमति दी जाए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल देशमुख को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था। तब से वह मुंबई की ऑर्थर रोड जेल में हैं। उन्हें नवंबर, 2021 में देशमुख को गिरफ्तार कर लिया गया था जिसके बाद से वे न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने अनिल देशमुख पर उगाही के आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था।

गलत तरीके से धन अर्जित करने का आरोप :

ईडी के अनुसार देशमुख ने मुंबई के विभिन्न बार और रेस्तरां से करीब 4.7 करोड़ रुपये एकत्र किए। इसके साथ ही आरोप है कि देशमुख ने गलत तरीके से अर्जित धन को नागपुर स्थित श्री साईं शिक्षण संस्थान को मुहैया कराया, जो उनके परिवार के जरिए नियंत्रित एक शैक्षिक ट्रस्ट है। उनपर पिछले साल मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने मार्च में आरोप लगाया था कि देशमुख (जो उस समय राज्य के गृह मंत्री थे) ने पुलिस अधिकारियों को शहर के रेस्तरां और बार से प्रति माह 100 करोड़ रुपये लेने का लक्ष्य दिया था।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस एस के कौल और जस्टिस अभय की पीठ ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए पूछा कि क्या ये कोर्ट का काम है। ऐसी याचिकाएं क्यों दायर करते हैं, जिन पर हम जुर्माना लगाने के लिए मजबूर हो जाते हैं। आप अदालत आ गए हैं तो, क्या कानून को अनदेखा किया जाए। किसका मौलिक अधिकार प्रभावित हुआ है, जो आपने अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर की है। आप लोग ऐसी याचिकाएं क्यों दायर करते हैं। सुप्रीम कोर्ट में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग वाली याचिका एनजीओ गोवंश सेवा सदन ने दायर की थी।

'ममता सरकार सरेंडर कर चुकी बंगाल में सेंट्रल फोर्स भेजिए'

कोलकाता, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल एलए गणेशन को पत्र लिखकर मोमिनपुर में हिंसा और एकबालपुर थाने में तोड़फोड़ के बाद वहां केंद्रीय बलों की तत्काल तैनाती की मांग की है। दरअसल कोलकाता के मोमिनपुर में दो समुदायों के बीच ईद मिलादुन्नबी के दिन विवाद हो गया था। विवाद के बाद एक समूह के लोगों ने हिंसा के विरोध में रविवार को एकबालपुर पुलिस स्टेशन का घेराव कर तोड़-फोड़ की थी।

चिट्ठी में सुवेंदु ने क्या लिखा :

अधिकारी ने लिखा है कि लक्ष्मी पूजा की पूर्व संध्या पर कोलकाता के खिदिरपुर मोमिनपुर इलाके में हिंदू समुदाय पर हमले हुए हैं। हिंसा में गुंडों और असामाजिक तत्वों ने हिंदुओं की कई दुकानों और बाइकों में तोड़फोड़ की। अधिकारी ने लिखा, ये हमले उसी तरह हैं जैसे जून में हावड़ा जिले के उलुबेरिया इलाके में हुए थे। उस समय हिंसा पूरे पश्चिम बंगाल में फैल गई थी, खासकर नादिया और मुर्शिदाबाद जिलों में।

ममता सरकार पर निशाना साधते हुए अधिकारी ने कहा, सरकार ने हिंसा में शामिल लोगों के सामने नम्रतापूर्वक आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ बदमाशों ने एकबालपुर थाने पर कब्जा कर लिया। मुझे आशंका है कि, पश्चिम बंगाल सरकार इस बार भी अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगी क्योंकि वे एक खास समुदाय से हैं। इस बार भी यह हिंसा पूरे राज्य में फैल सकती है।

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT Attapur Mob: +91 9311340914, RENAULT AS Rao Nagar Mob: +91 9289208861, RENAULT Banjara Hills Mob: +91 7428892716, RENAULT Begumpet Mob: +91 9311733972, RENAULT Himayatnagar Mob: +91 8527234238, RENAULT Hitech City Mob: +91 9311733970, RENAULT Kompally Mob: +91 9667945858, RENAULT Kukatpally Mob: +91 7067322620, RENAULT LB Nagar Mob: +91 9311700671, RENAULT Malakpet Mob: +91 9667949393. ADILABAD: RENAULT Adilabad Mob: +91 9311733981. GADWAL: RENAULT Gadwal Mob: +91 9311700674. KAMAREDDY: RENAULT Kamareddy Mob: +91 9311399673. KARIMNAGAR: RENAULT Karimnagar Mob: +91 9582305983. KHAMMAM: RENAULT Khammam Mob: +91 8527234093. KOTHAGUDEM: RENAULT Kothagudem Mob: +91 7428439271. MAHABUBABAD: RENAULT Mahabubabad Mob: +91 9311341235. MAHBUBNAGAR: RENAULT Mahbubnagar Mob: +91 7799766431. MANCHERIAL: RENAULT Mancherial Mob: +91 9582571953. METPALLY: RENAULT Metpally Mob: +91 9289125188. MIRYALGUDA: RENAULT Miryalguda Mob: +91 7428439406. NALGONDA: RENAULT Nalgonda Mob: +91 7428439437. NIZAMABAD: RENAULT Nizamabad Mob: +91 9311700672. SATHUPALLY: RENAULT Sathupally Mob: +91 8130499615. SHADNAGAR: RENAULT Shadnagar Mob: +91 9311700675. SIDDIPET: RENAULT Siddipet Mob: +91 8527235114. SURYAPET: RENAULT Suryapet Mob: +91 8130311149. VIKARABAD: RENAULT Vikarabad Mob: +91 9311733961. WANAPARTHY: RENAULT Wanaparthy Mob: +91 9311700676. WARANGAL: RENAULT Warangal Mob: +91 9311700673. ZAHIRABAD: RENAULT Zahirabad Mob: +91 9311733977.

शिमला पहुंची सोनिया गांधी, बेटी प्रियंका के साथ छराबड़ा में बनाएंगी रणनीति

शिमला, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रियंका गांधी के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सोनिया गांधी भी अपनी बेटी के घर छराबड़ा पहुंच गई हैं। सोनिया गांधी सुबह चंडीगढ़ से सड़क मार्ग होते हुए शिमला पहुंची हैं। प्रियंका गांधी चार अक्टूबर से शिमला में अपने घर पर छुट्टियां मना रही हैं। पहले 10 अक्तूबर को सोलन में प्रियंका गांधी की रैली रखी गई थी लेकिन खराब मौसम के चलते इसको बदलकर अब 14 अक्तूबर को रखा गया है। इसी बीच सोनिया गांधी भी शिमला में बेटी के साथ रहने आई हैं। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है।

यूपी से अलग राज्य 'उत्तराखंड' नहीं चाहते थे मुलायम

मुजफ्फरनगर गोली कांड का दर्द नहीं भूले राज्य आंदोलनकारी

देहरादून, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव का आज सोमवार को निधन हो गया। यूपी से अलग होकर नए राज्य की स्थापना के पक्ष में मुलायम शुरू से नहीं रहे थे। उत्तराखंड के राज्य आंदोलनकारियों के दिलों में यह दर्द हमेशा ही रहेगा कि मुख्यमंत्री रहते मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान 02 अक्टूबर 1994 को मुजफ्फरनगर गोली कांड जैसे वीभत्स घटना हुई थी। इस गोलीकांड में उतराखंड की मांग करने वाले कई राज्य आंदोलनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं गईं थी, और इस गोलीकांड में कई आंदोलनकारियों की मौत भी हुई थी। पुलिस की लाठचार्ज के बाद कई आंदोलनकारियों की गंभीर चोटें भी आईं थीं। आंदोलनकारियों का कहना है कि लोहिया आंदोलन में संघर्ष करने वाले मुलायम सिंह ने कभी भी मुजफ्फरनगर की घटना के लिए प्रायश्चित नहीं किया और ना ही कभी उन दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही की पहल की।

हैरानी थी बात थी कि कई साल गुजरने के बाद भी मुलायम की ओर से इस गोलीकांड के लिए माफी भी नहीं मांगी गई। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के सपा नेता मुलायम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त कर उनके आत्मा की शांति की प्रार्थना की। जिलाध्यक्ष प्रदीप कुकरेती ने कहा ये उनके जीवन का कड़वा अध्याय था। मुलायम सिंह ने रक्षामंत्री होते हुए वेतन वृद्धि कर सेना के दिल में जगह बनाई थी।

वहीं, पृथक उत्तराखंड राज्य की मांग को लेकर उन्होंने कौशिक समिति का गठन कर गैरसैंण को स्थापित करने बात कर एक बेहतरीन पहल भी की थी। दूसरी ओर, मुजफ्फरनगर कांड की घटना इसके ठीक उलट कार्य उनके शासनकाल में हुआ। यही कारण था कि आज तक समाजवादी पार्टी देवभूमि में कभी भी अपना वजूद नहीं बना पाई। प्रदीप कुकरेती ने कहा कि व्यक्ति के जाने के बाद कड़वे और मीठे अनुभव को जनमानस याद रखता है।

आर्मी भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल कर रहे थे 28 मुन्नाभाई, गिरफ्तार

चेन्नई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। चेन्नई के नंदमबक्कम इलाके में भारतीय सेना में भर्ती के लिए आयोजित की गई परीक्षा में 28 मुन्नाभाईयों को पकड़ा गया है। ये सभी ब्लूटूथ का इस्तेमाल कर परीक्षा में धांधली कर रहे थे। आपको बता दें कि नंदमबक्कम के एक स्कूल में आर्मी की ग्रुप सी श्रेणि की परीक्षा में एक हजार उम्मीदवारों ने भाग लिया। परीक्षा पर्यवेक्षकों को कुछ ऐसे लोगों पर शक हुआ जो असहज लग रहे थे। पर्यवक्षों ने शक के आधार पर इन परीक्षार्थियों की गहन जांच की। जांच के दौरान उन्होंने पाया कि वे परीक्षा में नकल करने के लिए ब्लूटूथ तकनीक का इस्तेमाल कर रहे थे। पर्यवेक्षकों ने 28 लोगों को धोखाधड़ी करते हुए पकड़ा। उन्हें नंदमबक्कम पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला

दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर सुनवाई को तैयार हुआ एससी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गया है। ये याचिका मनी लॉन्ड्रिंग मामले को दूसरे जज के पास ट्रांसफर करने से जुड़ी हुई है। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को इस याचिका पर सुनवाई करेगा। जैन ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को दी है चुनौती। दरअसल दिल्ली हाई कोर्ट ने 1 अक्टूबर को दिल्ली सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन की उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

पीठ ने कहा था कि सवाल उस न्यायाधीश की ईमानदारी नहीं है, जिसके पास से मामला स्थानांतरित किया गया था, बल्कि विरोधी पक्ष (प्रवर्तन निदेशालय) के मन में आशंका का है। पीठ ने कहा कि तथ्यों से पता चलता है कि ईडी ने न केवल पूर्वाग्रह की आशंका को बरकरार रखा है, ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि उसकी आशंका कमजोर या तर्कसंगत है।

28 सितंबर को हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान जैन ने अदलात में कहा था कि ईडी देश पर राज कर रही है और ऐसे में न्यायपालिका को एक न्यायाधीश की रक्षा के लिए खड़ा होना पड़ता है। ईडी के अनुरोध मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में जैन की जमानत याचिका समेत अन्य कार्यवाही को किसी अन्य अदालत में स्थानांतरण करने की मांग को सत्र न्यायाधीश ने स्वीकार कर लिया था। प्रमुथ जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनय कुमार गुप्ता ने जैन के मामले को विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल की अदालत से विशेष न्यायाधीश विकास ढुल की अदालत में स्थानांतरित कर दिया था।

दिल्ली फिर शर्मसार, 3 साल की मासूम से किशोर ने किया दुष्कर्म

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के करोल बाग इलाके में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज कर 13 साल के नाबालिग को पकड़ लिया है। घटना बीते गुरुवार की है। जानकारी के अनुसार, रजनी (परिवर्तित नाम) पति एवं दो बच्चों के साथ करोल बाग इलाके में रहती है। गुरुवार शाम को रजनी आठ साल के बेटे और तीन साल की बच्ची को घर में छोड़कर बाजार गई थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला किशोर उनके घर में आया। उसने बेटे को दूसरे कमरे में भेज दिया और बच्ची से दुष्कर्म किया। जब रजनी घर लौटी तो उसने बच्ची के कपड़ों में खून देखकर बेटे से पूछा तो उसने पूरी बात बता दी। फिर रजनी ने पति को घटना की सूचना दी। इसके बात पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

पिता पर अश्लीलता करने का आरोप

वहीं, दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में नाबालिग लड़की ने अपने पिता के खिलाफ केस दर्ज कराया है। नाबालिग ने बताया कि उसका पिता उनकी मां के घर से जाते ही उससे छेड़छाड़ करता है। पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित बच्ची ने बताया कि उसकी मां काम करती है, जबकि पिता अक्सर घर पर ही रहता है। मां के जाते ही उसका पिता अपने कपड़े उतार लेता है और अश्लील हरकतें करता है और उसके साथ मारपीट करता है। पिता घर में बिना कपड़ों के सोता है, उसकी मां विरोध करती है तो उसकी भी पिटाई करता है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंगाल सरकार को बदलना पड़ा बांग्ला मातृ योजना का नाम

कोलकाता, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आखिरकार बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ममता ममता बनर्जी सरकार ने केंद्रीय फंड पाने के लिए बांग्ला मातृ योजना के नाम को बदलने का फैसला लेना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को आश्वासन दिया है कि बांग्ला मातृ प्रकल्प का नाम बदलकर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना किया जाएगा। इसके बाद राज्य सरकार को इसके एवज में मिलने वाली केंद्रीय राशि भी मिल गई है। जानकारी के अनुसार, केंद्र ने राज्य सरकार को इस योजना के तहत 160 करोड़ रुपये जारी किया है।

ममता ने बदला था नाम

गर्भवती महिलाओं को वित्तीय मदद प्रदान करने के लिए केंद्र की योजना प्रधानमंत्री मातृ वंदना का नाम ममता सरकार ने बदल कर बांग्ला मातृ प्रकल्प कर दिया था। इसके चलते केंद्र सरकार ने इस योजना की फंडिंग रोक दी थी। इसके बाद राज्य की गर्भवती महिलाओं को केंद्र की ओर से मिलने वाली वित्तीय मदद मिलनी बंद हो गई थी। इस बीच, राज्य की महिला और शिशु कल्याण विभाग की ओर से केंद्र को पत्र लिखकर बताया गया है कि बंगाल में यह योजना अब प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के नाम से ही चलाई जाएगी। इसके बाद केंद्र ने फिर से इस योजना के लिए वित्तीय आवंटन शुरू कर दिया है। बीते शुक्रवार को 160 करोड़ रुपये की किस्त राज्य को मिली है।

शुभेंदु कर चुके हैं शिकायत

इससे पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी राज्य सरकार पर विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के नाम बदलने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कई बार शिकायत कर चुके हैं।

उत्तम नगर में बदमाशों ने कपड़ा कारोबारी को मारी गोली, मौके पर मौत

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उत्तम नगर में बेखौफ बदमाशों ने आधी रात को कपड़ा व्यापारी को गोली मार दी। दिल्ली साड़ी हाउस शोरूम के मालिक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 32 साल के मोहित अरोड़ा के तौर पर हुई है। वे आधी रात को 12.30 बजे अपने भाई के साथ स्कूटी पर दुकान से लौट रहे थे। इस दौरान विपरीत दिशा से आए दो बाइक सवार ने उन्हें रोका। फिर एक ने उनपर गोली चला दी। बिंदापुर पुलिस स्टेशन को फायरिंग की सूचना दी गई। इस घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें आरोपी बाइक पर जाते हुए दिख रहे हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद एक आरोपी पैदल भागते हुए दिख रहा है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम

दो जजों ने सर्कुलेशन से जजों के चयन की प्रक्रिया का किया विरोध

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कहा है कि कॉलेजियम के दो सदस्यों ने जजों के चयन और नियुक्ति की सर्कुलेशन प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश यू।यू। ललित, जो कॉलेजियम के प्रमुख हैं, ने इस महीने की शुरूआत में अपने चार सदस्यों - जस्टिस डी।वाई। चंद्रचूड़, एस।के। कौल, एस। अब्दुल नजीर और के।एम जोसेफ को पत्र लिख कर इस बात पर सहमति मांगी थी कि पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रविशंकर झा, पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय करोल, मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पी वी संजय कुमार और वरिष्ठ अधिवक्ता के वी विश्वनाथन को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति हो।

दो जजों ने जताई आपत्ति

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर 9 अक्टूबर को अपलोड किए गए एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि सीजेआई द्वारा शुरू किए गए प्रस्ताव में जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस के।एम। जोसेफ की सहमति थी। जस्टिस डी। वाई। चंद्रचूड़ और जस्टिस एस। अब्दुल नजीर ने सकुर्लेशन द्वारा जजों के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया पर आपत्ति जताई। इसलिए, मामले पर कॉलेजियम बनाने वाले न्यायाधीशों के बीच चर्चा की जानी थी।

30 सितंबर को होने वाली बैठक को कर दिया गया था निरस्त

7 अक्टूबर, 2022 को केंद्रीय कानून मंत्री से एक पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें सीजेआई से अपने उत्तराधिकारी को 9 नवंबर से पहले नामित करने का अनुरोध किया गया था। कॉलेजियम के सभी सदस्यों द्वारा जारी बयान में कहा गया है, ऐसी स्थिति में आगे कोई कदम उठाने की जरूरत नहीं है। 30 सितंबर, 2022 को बुलाई गई बैठक में अधूरे काम को बिना किसी विचार-विमर्श के बंद कर दिया गया और बैठक को निरस्त कर दिया गया। कॉलेजियम ने कहा कि 26 सितंबर को हुई बैठक में पहली बार संभावित उम्मीदवारों के निर्णयों को प्रसारित करने और उनकी योग्यता का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। उस बैठक में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता के नाम को भी मंजूरी दी गई थी। कॉलेजियम के कुछ सदस्यों ने मांग की थी कि वे अन्य उम्मीदवारों के बारे में निर्णय लें। इसलिए, बैठक को 30 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ बैठक में नहीं हुए थे शामिल

कॉलेजियम की बैठक 30 सितंबर को शाम 4 बजे बुलाई गई। चूंकि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ बैठक में शामिल नहीं हुए, इसलिए सीजेआई ने उन्हें एक प्रस्ताव भेजा। उन्होंने कहा, प्रस्ताव को न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति के।एम। जोसेफ ने 1 अक्टूबर और 7 अक्टूबर को उनके संबंधित पत्रों के माध्यम से अनुमोदन प्राप्त किया। 1 अक्टूबर को अलग-अलग पत्रों द्वारा जस्टिस डी।वाई। चंद्रचूड़ और जस्टिस एस। अब्दुल नजीर ने 30 सितंबर के पत्र में अपनाए गए तरीके पर अन्य बातों के साथ-साथ आपत्ति जताई। इसमें आगे कहा गया है कि जस्टिस चंद्रचूड़ और नजीर के पत्रों में इनमें से किसी भी उम्मीदवार के खिलाफ किसी भी विचार का खुलासा नहीं किया गया था।

मां पर लगा था नवजात की हत्या का आरोप कोर्ट ने किया बरी; पुलिस नहीं दे सकी सबूत

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाणे जिले की एक अदालत ने अपनी नवजात बच्ची की हत्या की आरोपी 34 वर्षीय महिला को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। कल्याण की एक अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शौकत एस गोरवडे ने चार अक्टूबर के अपने आदेश में कहा कि अभियोजन भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत महिला के खिलाफ आरोप साबित करने में नाकाम रहा। यह आदेश सोमवार को उपलब्ध हुआ है। अतिरिक्त लोक अभियोजक एस आर कुलकर्णी ने अदालत से कहा कि महिला ने 15 अप्रैल 2018 को एक बच्ची को जन्म दिया था तथा उसे 17 अप्रैल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। उसकी पहले से दो बेटियां हैं। उन्होंने बताया कि 21 अप्रैल 2018 को कल्याण शहर के उंबर्डे गांव की रहने वाली महिला अपने पति तथा नवजात बच्ची के साथ सिविल अस्पताल गई, जहां चिकित्सकों ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्ची की मौत होने की पुष्टि की। खड़कपाडा पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोप लगाया कि महिला ने तीसरी लड़की होने पर बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने महिला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन यह साबित नहीं कर पाया कि मृतक बच्ची के गर्दन पर मिले नाखून के निशान आरोपी महिला के थे। उन्होंने कहा, "ऐसा कोई गवाह नहीं मिला जो यह साबित कर सके कि आरोपी ने बच्ची का मुंह और गला दबाया तथा उसकी हत्या की।" अदालत ने कहा कि सबूतों के अभाव में महिला को बरी किया जाता है।

पात्रा चॉल स्कैम

संजय राउत को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने 17 अक्टूबर तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पात्रा चॉल स्कैम मामले में शिवसेना नेता संजय राउत को राहत नहीं मिली है। अब उन्हें 17 अक्टूबर तक जेल में ही रहना होगा। उनकी न्यायिक हिरासत 17 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। इसी दिन उनकी जमानत याचिका पर भी सुनवाई होगी। इससे पहले कोर्ट ने 10 अक्टूबर तक उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा था। बता दें कि 1 अगस्त को ईडी ने उन्हें वित्तीय अनियमितता के आरोप में गिरफ्तार किया था। 31 जुलाई को ईडी अधिकारियों ने शिवसेना नेता के कई ठिकानों पर छापा मारा था और उनके साथ ही परिवार से भी पूछताछ की थी। इससे पहले 28 जून को एजेंसी ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए समन किया था। आरोप है कि पात्रा चॉल मामले में 1034 करोड़ रुपये का घोटाला किया गया है। संजय राउत की पत्नीका भी नाम इस घोटाले से जुड़ा हुआ है। ईडी ने उन्हें भी पूछताछ के लिए समन भेजा था। राउत महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निकटतम सहयोगी माने जाते है। सूत्रों ने बताया था कि छापे के दौरान ईडी ने उनके घर से 11।50 लाख रुपये कैश जब्त किए थे। पिछले साल अप्रैल में ईडी ने संजय राउत की पत्नी की 11।15 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर ली थी जिसमें दादर का एक फ्लैट भी था। इसके अलावा स्वप्ना पाटकर के साथ साझेदारी में उनकी कुछ जमीनें भी थीं। ईडी का कहना हैकि संजय राउत की पत्नी वर्षा को आरोपी प्रवीण राउत की पत्नी माधवी ने पैसे भेजे थे। दोनों के बीच 1 करोड़ 6 लाख रुपये का लेनदेन हुआ था।

महाराष्ट्र में 'भारत जोड़ो यात्रा' का स्वागत कर सकते हैं शरद पवार: कांग्रेस सूत्र

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के महाराष्ट्र में प्रवेश करने पर इसका स्वागत कर सकते हैं। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी है। यह यात्रा नौ नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी सूत्रों ने बताया, ''शरद पवार और उनकी सांसद पुत्री सुप्रिया सुले ने इच्छा जताई है कि वे इस यात्रा का महाराष्ट्र में स्वागत करना चाहते हैं। ऐसे में संभव है कि वे इस यात्रा का स्वागत करें।'' राहुल गांधी और पार्टी कार्यकर्ताओं ने गत सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत की थी। इन दिनों यात्रा कर्नाटक में है। यात्रा का समापन अगले साल की शुरुआत में कश्मीर में होगा। इस यात्रा में कुल 3570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी।

कश्मीर तक होगी यात्रा

पार्टी ने राहुल समेत उन 119 नेताओं को भारत यात्री नाम दिया है, जो पदयात्रा करते हुए कश्मीर तक जाएंगे। कांग्रेस का मानना है कि यह यात्रा उसके लिए संजीवनी का काम करेगी। यात्रा के आरंभ होने से पहले कांग्रेस ने सभी समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों और संगठनों का आह्वान किया था कि वे इस यात्रा का हिस्सा बनें। इस यात्रा की शुरुआत के मौके पर कन्याकुमारी में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक नेता एमके स्टालिन मौजूद थे।

केरल में यात्रा के दौरान अन्य पार्टी के नेता भी हुए शामिल

केरल में इस यात्रा में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के नेता शामिल हुए थे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि कर्नाटक में इस यात्रा में जनता दल (सेक्युलर) के कुछ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

खंडवा में विवादित नारे लगे गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बोले- सीडी और रिकॉर्ड की जांच जारी

भोपाल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। खंडवा में ईदमिलानुद्दबी के जुलूस में विवादित नारे लगने का मामला सामने आया है। इस दावे की पुष्टि के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि इस मामले में एफआईआर दर्ज हो गई है। जुलूस की सीडी और रिकॉर्ड मंगाए गए हैं। इनकी जांच के बाद ही तय होगा कि आगे की कार्रवाई क्या की जानी है।

हिसार में जन्म देते ही नहर में फेंकी बच्ची

सिर और चेहरा गला-सड़ा, हड्डी निकली; डायपर पहना था, 7 दिन बाद तैरता मिला

हिसार, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिटी हरियाणा के हिसार में नहर में नवजात बच्ची का शव मिला। शव सिवानी नहर परियोजना के पंप में फंसा था। यहां नहर में लगे जाल की सफाई करते समय कर्मचारी की नजर शव पर पड़ी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी। स्याहडवा गांव में सिवानी नहर परियोजना पम्प पर मैकेनिकल हेल्पर के पद पर तैनात कर्मचारी प्रतीक ने पुलिस को बताया कि नहर की सफाई करते एक अज्ञात शिशु का शव पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया, जिसको बाहर निकालकर चेक किया तो वह लड़की का था, जो जन्म होने के बाद ही फेंक दिया गया था। शव 6 से 7 दिन पुराना लग रहा था। जिस कारण सिर व चेहरा गला सड़ा हुआ और हड्डी निकली हुई थी डायपर पहना हुआ था। प्रतीक ने बताया कि किसी ने नवजात को जन्म के बाद ही नहर में फेंक दिया। ताकि उसकी की मौत हो जाए और किसी को इसके जन्म का पता ना चले। प्रतीक के बयान पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 315 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुंबई चुनाव प्रचार करने पहुंचे शशि थरूर

खड़गे कैम्प पर लगाया कई गंभीर आरोप, गांधी परिवार को लेकर कही ये बात

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर मैदान में हैं। दोनों अपने पक्ष में मतदान करने के लिए जोर-शोर से प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इसी सिलसिले में शशि थरूर मुंबई में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान इंडिया टीवी से बातचित में शशि थरूर ने खड़गे कैम्प पर कई गंभीर आरोप लगाया। थरूर ने कहा कि- "मेरे नॉमिनेशन पेपर पर सिग्नेचर करने वाले 5-10 लोगों पर दबाव डाला गया। मुझे सोशल मीडिया पर समर्थन करने वालों को दबाया जा रहा है। कांग्रेस में कुछ नेता जो अच्छी पोजिशन में हैं वो बदलाव नहीं चाहते हैं। मुझे चुनाव प्रचार में काफी कठिनाई हो रही है और दूसरा उम्मीदवार आसानी से प्रायवेट जेट में घूमकर लोगों से मिल रहे हैं। अध्यक्ष कोई भी बने उसे गांधी परिवार को साथ रखना होगा।"

गांधी परिवार सभी को आशीर्वाद देता है: थरूर

थरूर ने कहा कि- "मुझे चुनौती पसंद है। हमें जो लिस्ट मिली उसमें कमियां हैं। गांधी परिवार सभी को आर्शिवाद देता है। वो चाहते हैं पार्टी ताकतवर बने। डेलिगेट्स मुझसे मिलकर उत्साहित हैं, मैं बदलाव के लिए खड़ा हूं। कोई भी अध्यक्ष बने अगर वो गांधी परिवार को दूर रखता है तो सही नहीं होगा। राहूल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा को बहुत समर्थन मिल रहा है।"

मैंने लोन लेकर पढ़ाई की: थरूर एलिट उम्मीदवार और आम आदमी का उम्मीदवार मामले को लेकर जब सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- "लोन लेकर मैंने पढ़ाई की। विदेश जाने के लिए प्लेन का टिकट लेने को पैसे भी नहीं थे। अपनी कड़ी मेहनत से मैने जीवन में सबकुछ हासिल किया।" आगे उन्होंने कहा- "कई साल बाद फ्री एंड फेयर चुनाव हो रहे हैं। खड़गे बड़े नेता हैं, वो मेरे दोस्त भी हैं। उनके अंडर में मैंने काम किया है, उनकी जाति मैं क्यों देखूं?"

थरूर के प्रचार में समर्थकों की संख्या कम

बता दें, कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव के उम्मीदवार शशि थरूर मुंबई में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। एमपीसीसी के 560 और एमआरसीसी (मुंबई रिजन कांग्रेस कमीटि) के 230 डेलिगेट्स है जो महाराष्ट्र में मतदान करेंगे, लेकिन प्रचार के दौरान महज 20 डेलिगेट्स भी सार्वजनिक रूप से थरूर से नहीं मिले। तमिलनाडू में भी करीब 700 पीसीसी डेलिगेट्स हैं लेकिन वहां भी 20 से कम डेलिगेट्स प्रचार के दौरान थरूर से मिले थे।

सुविचार: जिसे निज गौरव का भान रहता है, वह किसी चीज को मुफ्त पा जाने की अपेक्षा उसे अपने पौरुष से प्राप्त करता है।

तेलंगाना में 700 करोड़ की लागत से एनिमल वैक्सीन इकाई की स्थापना जल्द : केटीआर

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि, आईआईएल द्वारा तेलंगाना में 700 करोड़ की लागत से एनिमल वैक्सीन इकाई की स्थापना जल्द की जा रही है। इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद मंत्री कार्यालय में इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) एमडी आनंद कुमार ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ उद्योग मंत्री केटीआर से मुलाकात की तथा इस प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री केटीआर को बताया कि तेलंगाना के जिनोम वैली में 700 करोड़ की लागत से एक और नई एनिमल वैक्सीन इकाई की स्थापना के लिए निवेश किया जायेगा। इसके चलते मंत्री ने कहा कि, राज्य में जल्द ही प्रमुख कंपनी आयआयएल द्वारा एनिमल वैक्सीन इकाई के स्थापत्य के रूप में एक और बड़ा निवेश किया जा रहा है, जोकि सचमुच ही हर्ष का विषय है।

इस मामले में इस प्रतिनिधि मंडल ने हैदराबाद में उक्त स्थापत्य से संबंधित भारी निवेश के प्रस्तावों के चलते यह भी बताया कि, गच्चीबौली में आयआयएल कंपनी से जुडा पहला एनिमल वैक्सीनेशन प्लांट स्थापित है। इस संयंत्र द्वारा हर साल 300 मिलियन वैक्सीन की उत्पत्ति होती है, पर जिनोम वैली में जल्द ही स्थापित की जानेवाली एक और एनिमल वैक्सीन ईकाइ द्वारा भी हर साल 300 मिलियन वैक्सीन की उत्पत्ति होगी।

साथ ही मंत्री केटीआर ने आगे यह भी बताया कि 700 करोड़ रुपये के भारी निवेश से जिनोम वैली में स्थापित होने वाली इस इकाई से 750 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। यही नहीं ग्रेटर हैदराबाद जोकि पहले से ही विश्व में वैक्सीन उत्पत्ति में अग्रणी राजधानी के रूप में जाना जाता है। पर जल्द ही इससे जुडी एक और ईकाइ की स्थापना से वैक्सीन उत्पादन क्षेत्र में निसंदेह ही राज्य के विकास में चार चांद लग जायेंगे।

पान चबाना पड़ा भारी, आदमी की गई जान

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के गांधीनगर में एक व्यक्ति को पान चबाने की आदत भारी पड़ गई है। पान चबाने से एक व्यक्ति की जान चली गई है। चिंतला आनंद कुमार (42) एक दिहाड़ी मजदूर अपने परिवार के साथ गांधीनगर पुलिस थाने की सीमा के 2बीएचके बंडामैसम्मा नगर में रहता था।

शनिवार की रात करीब ढाई बजे पान खाने के आदी आनंद ने एक स्थानीय दुकान से पान का क्विड खरीदा और उसे चबा रहा था।

वह बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित अपने घर की बालकनी में खड़ा था। पुलिस के मुताबिक आनंद ने बालकनी से जमीन पर थूकने की कोशिश की, लेकिन संतुलन खो बैठा और तीसरी मंजिल से गिर गया। उन्हें सिर में चोट लगी और उन्हें गांधी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और पूछताछ के बाद मामला दर्ज किया। जांच चल रही है।

ऐतिहासिक मीर आलम मंडी का होगा जीर्णोद्धार

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का सबसे पुराना और सबसे विशाल बाजार, पुराने शहर में मीर आलम मंडी अपनी आभा को बरकरार रखते हुए विकास का स्पर्श पाने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऐतिहासिक बाजार को बहाल करने की पहल कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण (क्यूक्यूएसयूडीए) द्वारा 10.50 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से की जाएगी। लगभग 200 साल पुराने बाजार की बहाली के लिए बोलियां पहले ही आमंत्रित की जा चुकी हैं और काम के लिए एजेंसी के चयन के बाद 18 महीने के भीतर काम पूरा होने की उम्मीद है। नगर प्रशासन और शहरी विकास के एक अधिकारी ने कहा कि निज़ाम-युग के बाजार को उसकी मूल भव्यता में बहाल करने और इसके ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करने के प्रयास जारी थे। परियोजना के एक भाग के रूप में, प्राधिकरण पहले बाजार की संरचनात्मक स्थिरता से संबंधित कार्य करेंगे और अभ्यास के एक भाग के रूप में, यातायात और जनसंख्या घनत्व को ध्यान में रखते हुए मीर आलम मंडी आर्क / कमान को भी मजबूत किया जाएगा।

फाइल फोटो

वर्तमान में, ऐतिहासिक मेहराब अपनी मूल बनावट खो चुका है और एक फीका रूप धारण कर रहा है और कुछ स्थानों पर इसे काट भी दिया गया है। मीर आलम मंडी की खोई हुई महिमा को वापस लाने के लिए, जो कभी एक संपन्न व्यापारिक केंद्र था, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) बाजार और उसके आसपास के विभिन्न स्थानों पर कैच पिट की मरम्मत भी करेगा। सब्जी मंडी में बरसाती पानी के नाले को फिर से तैयार करना, एलईडी से पूरे स्थान को रोशन करना, सड़कों को बहाल करना, और निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए एक ट्रांसफार्मर स्थापित करना अन्य कार्य हैं जो किए जाएंगे।

बाजार में स्वच्छता को भी प्राथमिकता दी जाएगी और कई जगहों पर डिब्बे लगाए जाएंगे। जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा, हम वेंडरों को उन सर्वोत्तम स्वच्छता प्रथाओं के बारे में भी जागरूक करेंगे, जिनमें उनके व्यवसाय को बढ़ावा देने की क्षमता है।

एमए एंड यूडी के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की उपस्थिति में स्टाल मालिकों के साथ बहाली योजना और डिजाइन अवधारणाओं को अंतिम रूप दिया गया है।

मुनुगोडु में भाजपा को वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं : भाकपा

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव ने आज कहा कि उनकी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा को मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में आगामी उपचुनाव में वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तेलंगाना राज्य से पूरी नफरत है, उन्होंने मोदी की टिप्पणियों को याद करते हुए कहा कि संसद के दरवाज़े बंद करने के बाद अलग तेलंगाना राज्य का गठन किया गया था।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के खिलाफ मोदी की टिप्पणी राज्य के प्रति उनकी नफरत को दर्शाती है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राज्य के प्रति अपनी मजबूत नफरत के कारण एपी पुनर्गठन अधिनियम में किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। उन्होंने राज्य के भाजपा नेताओं से पूछा कि वे बयाराम स्टील फैक्ट्री, काजीपेटा रेल फैक्ट्री को राज्य को नकारने के बाद उपचुनाव में वोट कैसे मांगते हैं?

इलाज के लिए पहुंची महिला माओवादी नेता पुलिस के घेरे में

अन्य पांच माओवादी भी गिरफ्तार, भारी मात्रा में जिलेटिन स्टिक व डेटोनेटर बरामद

वारंगल, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्कफोर्स पुलिस आयुक्त ने हनमकोंडा पुलिस के साथ रविवार को यहां पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ राज्य के तीन समर्थकों के साथ प्रतिबंधित भाकपा माओवादी पार्टी के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से 50 जिलेटिन स्टिक, 50 डेटोनेटर, 74,000 रुपये नकद, एक कार (बोलेरो), सेल फोन और क्रांतिकारी साहित्य भी बरामद किया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान माओवादी पार्टी के दंडकारण्य साउथ सब-जोन के डॉक्टर टीम कमांडर मदकम उनगी उर्फ कमला (30) के रूप में हुई है, जो छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर जिले के पामेदु तालुक के मुंतमड्डुगु गांव के रहने वाले हैं। असम सोहेन (35), राष्ट्रीय क्षेत्र के दलम सदस्य, भोपालपटमन तालुक के कांडलपार्थी गांव से, मीच अनीता (21), क्रांतिकारी आदिवासी महिला संघ, माओवादियों की एक संबद्ध संस्था, सोहेन, गोड्डी गोपाल, क्रांति पीपुल्स कमेटी (आरपीसी) के एक ही गांव के बीजापुर जिले के वरदल्ली गांव के अध्यक्ष और भोपालपट्टनम तालुक के नल्लमपल्ली गांव के कंडागुर्ला सत्यम शामिल हैं। सोमवार को यहां एक प्रेस नोट में, वारंगल मध्य क्षेत्र के डीसीपी अशोक कुमार ने कहा कि पुलिस मुलुगु-वारंगल रोड पर अजारा अस्पताल के पास वाहनों की जांच कर रही है, क्योंकि उन्हें माओवादियों की आवाजाही पर विशेष जानकारी मिली है। हमारी पुलिस टीम ने एक वाहन को रोका और कार में विस्फोटक पाया। कार सवार लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। पूछताछ के दौरान, उनकी पहचान माओवादी पार्टी के सदस्यों और सहानुभूति रखने वालों के रूप में की गई।

डीसीपी ने कहा कि मदकाम उनगी इलाज के लिए वारंगल पहुंचे और उन्हें यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच असम सोहेन ने हनमकोंडा में एक अज्ञात व्यक्ति से विस्फोटक सामग्री खरीदी। जब वे छत्तीसगढ़ लौट रहे थे, तब हमने उन्हें पकड़ लिया। अधिकारियों ने कहा कि उंगी महज 15 साल की उम्र में माओवादी पार्टी में शामिल हो गई थीं और उन्हें चिकित्सा सेवा में 15 दिन का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया था। वह घायल माओवादियों का इलाज करती थी। वह 2017 में चिंतागुफा पीएस सीमा के तहत एक पुलिस दल पर हमले सहित कई मुठभेड़ मामलों में आरोपी थी, जिसमें 25 पुलिसकर्मी मारे गए थे। उस पर 2018 में मिनापा वन क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ में भाग लेने का भी आरोप लगाया गया था जिसमें दो पुलिसकर्मी मारे गए थे और छह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूत्रों ने बताया कि उनगी ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं।

डीसीपी ने कहा कि वह मार्च 2020 में चिंतागुफा पीएस सीमा के तहत कसल्लापाडु गांव में पुलिस पर हमले में भी शामिल थी, जिसमें 17 पुलिस की मौत हो गई थी। उसने छत्तीसगढ़ राज्य में कई अन्य मुठभेड़ों में भी भाग लिया।

ग्राम राजस्व सहायकों ने राज्यव्यापी किया विरोध प्रदर्शन

सरकार से उनकी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के ग्राम राजस्व सहायकों (वीआरए) ने आज राज्यव्यापी आंदोलन किया और मांग की कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के पिछले महीने 12 सितंबर को सदन के पटल पर दिए गए बयान के अनुपालन में उनकी मांगों को पूरा करे। उन्होंने तहसीलदार कार्यालयों के सामने धरना प्रदर्शन किया।

वीआरए ने पटनचेरु तहसीलदार कार्यालय के अधिकारियों को कार्यालय के ताले खोलने की अनुमति नहीं दी और अधिकारियों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाने से रोक दिया। सिद्दीपेट शहरी मंडल के वीआरए ने अपने विरोध के तहत तहसीलदार कार्यालय के दरवाजे बंद कर दिए।

उन्होंने वर्धन्नापेट तहसीलदार कार्यालय के कार्यालय का घेराव किया। वीआरए ने घोषणा की कि उनका विरोध 72 घंटे तक जारी रहेगा।

मदनूर में तहसील कार्यालय को ताला लगाया गया

उधर, मदनूर में स्थानिक ग्राम राजस्व सहायकों ने सोमवार के दिन तहसील कार्यालय को ताला लगाते हुए मदनूर मंडल वीआरए अध्यक्ष सुधाकर ने बताया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री कुछ माह पहले विधानसभा में वीआरए को पे स्केल देने का आश्वाशन देकर हमारे साथ खिलवाड़ किया है। अभी तक मुख्यमंत्री ने पे स्केल लागू नहीं करने से हम लोग 78 दिनों से तहसील कार्यालय के सामने आंदोलन कर रहे हैं, फिर भी हमारी मागों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सोमवार के दिन तहसील कार्यालय को ताला लगाकर आंदोलन तेज कर रहे हैं। इस समय उप अध्यक्ष श्रीनिवास, सचिव हनमंलू के साथ शेरखान, मारुती, गोवर्धन, आजिम, स्वरूपा, भारती, अनुषा बाई उपस्थित थे।

भाजयुमो अध्यक्ष की दुर्घटना में मौत

मंचेरियल, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के मंचेरियल इकाई के अध्यक्ष 35 वर्षीय राचकोंडा सत्यनारायण राव की रविवार रात मनचेरियल के बाहरी इलाके में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि रात करीब 11 बजे अंडलम्मा कॉलोनी में कार के पलटने से नासपुर के मूल निवासी सत्यनारायण राव की मौके पर ही मौत हो गई। मंचेरियल कस्बे के रहने वाले राव, मंचेरियल नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष राचकोंडा कृष्ण राव के पुत्र थे, जिनकी कुछ साल पहले एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। सत्यनारायण राव अपने दोस्तों द्वारा थिम्मापुर गांव में आयोजित एक पार्टी में शामिल होने के बाद मंचेरियल लौट रहे थे। उनके साथ उनके दोस्त भी थे, जो बिना किसी चोट के बच गए।

5जी सिम कार्ड को लेकर पुलिस ने सतर्क किया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 5जी सिम सेवा शुरू होते ही साइबर अपराधी सक्रिय हो गए हैं। साइबर अपराधी लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए आए दिन नया नया तरीका ढूंढ रहे हैं। पुलिस ने सभी नागरिकों से कहा है कि मोबाइल सिम कार्ड 5 जी सेवा शुरू हो गई है। यह कुछ ऐसा है जो आप पहले से ही जानते हैं। कुछ साइबर अपराधी आपके मोबाइल पर कॉल करेंगे और आपको अपने सिम कार्ड को 4 जी से 5 जी में अपडेट करने के लिए कहेंगे।

नगर में सोमवार को हुई भारी बारिश से जलमग्न सड़क से गुजरते हुए वाहन चालक। गौरतलब है कि इस वर्ष नगर में हुई भारी बारिश तथा अन्य विभिन्न कारणों से सड़कें इतनी खराब हो गई हैं तथा सड़कों पर ऐसे गड्ढे हो गये हैं, जो राहगीरों के साथ-साथ वाहन चालकों की जान के लिए खतरे साबित हो रहे हैं।

कवि सम्मेलन में कवियों की कविताओं ने ख़ूब रंग जमाया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में गीत चाँदनी की 40वीं वर्षगाँठ के अवसर पर शारदोत्सव कवि सम्मेलन का आयोजन श्री श्याम मंदिर में संपन्न हुआ। कवि सम्मेलन में प्रसिद्ध समाजसेवी व मंदिर के महामंत्री इंद्रकरण अग्रवाल ने कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की और गीत चाँदनी के सह-कार्यदर्शी कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया और गीत चाँदनी की बहुआयामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष वेद प्रकाश अग्रवाल ने मंदिर की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस दौरान कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थितियों पर गीत, ग़ज़ल, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं का पाठ कर समाँ बाँध दिया और श्रोताओं को जहाँ मंत्रमुग्ध किया। वहीं हँसने पर मजबूर किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री सदानंद लाल गोगीकार, सत्यनारायण काकड़ा, संतोष रज़ा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गोविंद अक्षय, चंपालाल बैद, सुहास भटनागर, अनिल कुमार गुप्ता, सुधा ठाकुर, आर. दुर्गाराज पटून, रत्नकला मिश्र आदि के नाम सम्मिलित हैं। कवि दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, हरीश काकड़ा, शोभा श्रीनिवास देश पांडेय, संध्या वर्मा, मीरा गुप्ता, के. बी. लाल, विभा भारती, ठाकुर प्रभात सिंह, बंसीलाल, सविता सोनी, श्रुतिकांत भारती आदि ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया।

श्रीरामचंद्रजी मठ संगम मंदिर में शरद पूर्णिमा महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीरामचंद्रजी मठ संगम मंदिर, लंगर हाउस में शरद पूर्णिमा के अवसर पर जागरण का आयोजन किया गया। मंदिर के पीठाधिकारी श्री श्री राहुलदासजी महाराज के सानिध्य में आयोजित महोत्सव में प्रसिद्ध भजन गायक मुरारी दाहिमा ने भजन प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मंदिर कमेटी द्वारा सभी पधारे मेहमानों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी गोपाल बल्दवा, समाजसेवी भगवान दास सांकला, जाट एकता मंच के प्रदेशाध्यक्ष धर्माराम ढाका तेलंगाना जाट एकता मंच का विशेष सम्मान किया गया। रातभर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम का लाभ लिया तथा प्रसाद सेवन किया।

तेलंगाना सीआईडी महानिदेशक की पत्नी की सड़क दुर्घटना में मौत

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के महानिदेशक गोविंद सिंह की पत्नी की मौत हो गई, जबकि गोविंद सिंह सहित तीन अन्य सोमवार को राजस्थान के जैसलमेर में एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। सीआईडी के वरिष्ठ अधिकारी अपनी पत्नी और दो अन्य लोगों के साथ दोपहर करीब 2.25 बजे सोमवार को तनोट माता मंदिर के दर्शन कर रामगढ़ जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वाहन तनोट माता मंदिर और रामगढ़ के बीच में पलट गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वाहन ने घायलों को मौके से निकाला और उन्हें रामगढ़ के नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल (सीएचसी) में स्थानांतरित कर दिया। जांच करने पर डॉक्टरों ने गोविंद सिंह की पत्नी को मृत घोषित कर दिया। डीजी (सीआईडी) की हालत स्थिर है, जबकि दुर्घटना में उनका चालक विजेंद्र भी एक अन्य व्यक्ति के साथ घायल हो गया। कार में कुल चार लोग सवार थे। वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

सीपी ने मोनिका रेड्डी को पदक जीतने पर सम्मानित किया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को सीपी महेश भागवत ने राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट, नेरेडमेट में ए.आर. डब्ल्यूपीसी, ए. मोनिका रेड्डी को सातवीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर चैंपियनशिप-2022 में फेंसिंग स्पोर्ट में कांस्य पदक जीतने के लिए सम्मानित किया। 19 से 24 सितंबर तक इंदिरा गांधी स्टेडियम, नई दिल्ली ए. मौनिका रेड्डी ने चैंपियनशिप में भाग लिया है जिसमें 4 सीनियर नेशनल, 2 अंडर -23 नेशनल और 4 यूनिवर्सिटी नेशनल शामिल हैं। इससे पहले राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप में 1 गोल्ड मेडल भी हासिल किया था। सीपी ने उनके प्रयासों और समर्पण की सराहना की और भविष्य में और अधिक पदक हासिल करने के लिए प्रेरित किया। अतिरिक्त डीसीपी एडमिन नर्मदा, अतिरिक्त डीसीपी शमीर कार अंबरपेट ने भी खेल पदक के लिए उनकी सराहना की।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

शरण्या

माता : ममता

पिता : रमेश

CLASSIFIEDS

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, Virender Singh Tanwar S/o Ajit Singh Tanwar, R/o. H.No.1-3-603, Kavadiguda, Sec'bad. Changed my Date of Birth from 29.04.1993 to 29.041994 in the School Records for Educational purpose.

(Ro.No.6144122)

CHANGE OF NAME

I, FULWADIYA SACHIN KHEMCHAND, R/o.PLOT NO.36, DURGA NAGAR, ZIAGUDA, ASIFNAGAR, HYD, T.S. Changed My Name As SACHIN FULWARIYA S/o.KHEMCHAND FULWARIYA.

I, SYEDA NAILA, R/o.H.No.8-1-523/98, Brindavan Cly, Tolichowki, Hyd, T.S. changed my Name as SYEDA NAILA MASOOD D/o.SYEDA ZAKULLAH MASOOD.

I, Krishna Murti Gandikota S/o. Gandikota Narsimham, R/o.30-1615/72/101, Suryanagar Enclave, Safilguda, Krupa Complex, changed my Name as "Krishna Murthy Gandikota"

(Ro.No.2745341)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीट्र @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओ की जानकारी हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

PUB/0883/22

प्रपत्र 10-1 सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि, दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के आंध्र प्रदेश राज्य के कृष्णा जिले के जयंतीपुरम पर ट्रैक्शन मास्ट लोकेशनः एमसीएस/42ए(केएम/सीएच.01/652.45) से एमसीएस/1057(किमी/सीएच02-948.45) (टीकेएम-2.210), रामको सीमेंट्स से संबंधित मोटमरी-माटमपल्ली सेक्शन, पोस्ट लोडिंग तथा इंजिन एस्केप लाइन्स जोकि 25 केवी, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को दि.15-10-2022 को या इसके बाद उर्जावान(एनर्जाइज) किया जायेगा। निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शनः सिकंदराबाद डिवीजन, जयंतीपुरम पर रामको सिमेंट्स साइडिंग से संबंधित मोटमरी- माटामपल्ली सेक्शन, पोस्ट लोडिंग एंड इंजिन एस्केप लाइन्स । ओएचइ मास्ट लोकेशनः एमसीएस/42ए(किमी/सीएच.01/652.45) से एमसीएस/105%(किमी/सीएच 02/948.45), गेज 1676 एमएम, कुल टीकेएमः 2.210 किमी।

A1188 वरिष्ठ मंडलीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

नरेंद्र मोदी चाय बेचकर पीएम बन गए

युवा एमबीए करके चाय बेच रहे हैं तेजस्वी का बीजेपी पर तीखा हमला

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने एक बार फिर से भाजपा पर जमकर हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा कि देश में बेरोजगारी की हालत ऐसी हो गई है कि नरेंद्र मोदी चाय बेचकर प्रधानमंत्री बन गए और जो देश के युवा एमबीए कर बैठे हैं उन्हें चाय बेचना पड़ रहा है। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में राजद की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान तेजस्वी ने ये बातें कहीं।

इससे पहले राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा कि कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल एक साथ आयें। अगर जो दल साथ नहीं आयेंगे, उन्हें देश की जनता माफ नहीं करेगी। इसके साथ ही तेजस्वी के भाषण को लेकर भी लालू ने कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्होंने साथियों को सही कहा है कि सभी संगठित रहिए। एकता में ही ताकत है इसलिए हमें एकजुट रहना है। लालू ने कहा कि पार्टी के नेताओं से मिलकर फैसला लिया है कि किसी भी मुद्दे पर मीडिया को बयान अब तेजस्वी यादव ही देंगे।

बता दें कि रविवार को तेजस्वी यादव ने कहा था कि हम देश के विपक्षी साथियों को संदेश देने दिल्ली आए हैं कि घबराने और हौसला खोने की जरूरत नहीं है। इस लड़ाई में हमें ही जीत मिलेगी। लालू प्रसाद और शरद यादव बीमार होने के बावजूद राष्ट्रीय परिषद की बैठक में शामिल हो रहे हैं, उन्हें भी अच्छी तरह से पता है कि हमें किस खतरे से पंगा लेना है। अगर हमारे मन में किसी तरह का लालच होता तो सिर झुका देते और भाजपा की गुलामी कर रहे होते।

तमंचे की नोक पर अपराधियों ने वारदात को दिया अंजाम

गल्ला व्यापारी के मुंशी को गोली मारकर 12 लाख की लूट

वैशाली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के ठाकुरबाड़ी रोड पर अपराधियों ने दिन दहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया। तमंचे से गोली मारकर अपराधियों ने गल्ला दुकानदार के मुंशी से 12 लाख रूपये छीन लिए। चश्मदीदों ने बताया कि गल्ला व्यापारी का मुंशी बैंक से पैसे लेकर लौट रहा था। अपराधियों ने पहले तमंचा दिखाकर पैसे मांगे। पैसे न देने पर अपराधियों ने मुंशी को गोली मार दी और लगभग 12 लाख रूपये लूटकर फरार हो गए।

घटना में 50 वर्षीय सुनील कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीयों ने बताया कि सुनील कुमार लंबे समय से बाजार में स्थित गल्ला व्यापारी के यहां मुंशी के तौर पर काम कर रहे हैं। सुनील कुमार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उनका बयान दर्ज कर लिया है। अपराधियों ने थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर वारदात को अंजाम दिया है।

शराबियों को मिल रहा वीआईपी ट्रीटमेंट, एसी-सोफा से लैस है स्पेशल सेल

समस्तीपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी के बीच समस्तीपुर जिले से शराबियों को वीआईपी ट्रीटमेंट देने की खबर सामने आई है। आबकारी विभाग ने बिहार के समस्तीपुर जिले में सार्वजनिक रूप से शराब के नशे में पकड़े गए वीआईपी लोगों के लिए वीआईपी सेल की व्यवस्था की है। वीआईपी सेल एसी, सिंगल बेड, सोफा सेट और अन्य सुविधाओं से लैस है। समस्तीपुर आबकारी विभाग में वीआईपी लोगों को 24 घंटे रखने के लिए वीआईपी सेल बनाए गए हैं। आबकारी अधीक्षक एसके चौधरी ने बताया कि वीआईपी लोगों को 24 घंटे रखने के लिए वीआईपी सेल का निर्माण किया गया है। मुख्यालय के आदेश पर यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए वीआईपी लोगों को जेल जाने से 24 घंटे पहले तक यह सुविधा दी जाएगी।

पटना, वैशाली समेत बिहार के कई जिलों में झमाझम बारिश

अगले 48 घंटे ऐसा ही रहेगा मौसम, 12 अक्टूबर के बाद ठंड दे सकती है दस्तक

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार पर जाते-जाते मानसून मेहरबान है। पटना, वैशाली, समस्तीपुर और अरवल समेत बिहार के कई जिलों में सोमवार को झमाझम बारिश हो रही है। बिहार के 19 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। अगले 48 घंटे में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इधर, नेपाल में हो रही लगातार बारिश के चलते गंडक नदी उफान पर चल रही है। गंडक से सटे गोपालगंज, मोतिहारी में गंडक खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बिहार में मानसून विदाई से पहले एक बार फिर से जमकर बरस रहा है। मौसम विभाग ने सोमवार को उत्तर पश्चिम और दक्षिण पश्चिम में अच्छी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। पिछले कुछ दिनों से नेपाल के तराई वाले इलाकों में हुई बारिश की वजह से गंडक नदी के जलस्तर में जबरदस्त बढ़ोतरी

देखी जा रही थी। दूसरी तरफ वाल्मीकि नगर बैराज के 36 गेट खोल दिए गए थे। इधर मौसम विभाग ने प्रदेश के 19 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसमें पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सारण, सिवान, वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज शामिल हैं। बता दें कि प्रदेश भर में अगले 2 से 4 दिनों तक बारिश होने की संभावना मौसम विभाग के द्वारा जताई जा रही है। इसके बाद मानसून की विदाई संभव है। वहीं मौसम विभाग ने यह भी संभावना जताई है कि प्रदेश भर में 12 या फिर 13 अक्टूबर से ठंड का मौसम शुरू होने लगेगा। यानी अगले हफ्ते से तापमान में तेजी से गिरावट आएगी। बता दें कि गंडक बैराज से शुक्रवार की सुबह 4 लाख 45 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इसके बाद निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। बाढ़ का पानी नए नए इलाकों में फैले लगा है। गोपालगंज में नदी खतरे के निशान के पार होने के बाद वैशाली और मुजफ्फरपुर में भी लाल निशान पार करने की संभावना जताई जा रही है। जल संसाधन विभाग द्वारा अगले 48 घंटे तक हाई अलर्ट जारी किया गया है। गोपालगंज पश्चिमी और पूर्वी चंपारण के बड़े इलाकों में बाढ़ का पानी फैलने से वहां पर रहने वाले लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग वहां से पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ गंडक नदी में उफान के कारण गंगा नदी के जल स्तर में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

बीजेपी ने गोपालगंज में कुसुम देवी पर ही क्यों खेला दांव?

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में दो सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। मोकामा और गोपालगंज सीट पर भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बीजेपी ने दोनों सीटों पर महिला प्रत्याशी पर ही दांव खेला है। गोपालगंज से भाजपा ने कुसुम देवी को टिकट थमाया है। इस सीट पर भाजपा का वर्चस्व रहा है। पिछले कुछ चुनाव परिणामों पर नजर डालें तो ये समझना बेहद आसान होगा कि आखिर भाजपा ने इस सीट के लिए कुसुम देवी को ही उचित पात्र क्यों समझा।

भाजपा विधायक सुभाष सिंह के निधन के बाद सीट खाली

गोपालगंज सीट से भाजपा के उम्मीदवार सुभाष सिंह ने विधानसभा चुनाव 2020 में जीत दर्ज की थी। सूबे की एनडीए सरकार में उन्हें सहकारिता मंत्री बनाया गया। लेकिन हाल में ही

अचानक उनका निधन हो गया। जिसके बाद ये सीट खाली हुई और यहां अब उपचुनाव कराया जा रहा है।

सुभाष सिंह की पत्नी कुसुम देवी उम्मीदवार

गोपालगंज की बात करें तो ये राजद सुप्रीमो लालू यादव का गृह जिला है। लेकिन गोपालगंज विधानसभा की बात करें तो पिछले 4 चुनाव में बीजेपी की टिकट पर सुभाष सिंह ने ही जीत दर्ज की थी। भाजपा ने अब इस उपचुनाव में सुभाष सिंह की पत्नी कुसुम देवी को ही उम्मीदवार बनाया है। दिवंगत नेता सुभाष सिंह लगातार चार बार गोपालगंज सीट से जीतकर विधानसभा गए। इस क्षेत्र को उनका गढ़ माना जाता है। सुभाष सिंह यहां जनता के बीच बेहद लोकप्रिय रहे हैं। पिछले चुनाव 2020 की बात करें तो भाजपा की ओर से मैदान में उतरे सुभाष सिंह ने लालू यादव के साले व बसपा उम्मीदवार अनिरुद्ध प्रसाद यादव उर्फ साधु यादव को हराया था। कांग्रेस के आसिफ गफूर तीसरे नंबर पर रहे थे। सुभाष सिंह यहां बेहद लोकप्रिय नेता रहे। अब भाजपा ने उनकी पत्नी को जब मैदान में उतारा है। सियासी पंडितों का कहना है कि इन्हें टिकट देने के पीछे अन्य वजहों में एक सहानुभूति वोट भी हो सकती है जो भाजपा को जीत की ओर ले जाने में मददगार साबित हो सकती है।

गोपालगंज सीट पर दिलचस्प हुआ मुकाबला

भाजपा-राजद के बीच तेजस्वी की मामी ने भी मारी एंट्री

पटना,10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की गोपालगंज विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। पहले इस सीट पर भाजपा और राजद के बीच टक्कर मानी जा रही थी, लेकिन अब इस चुनावी दंगल में तेजस्वी यादव की मामी इंदिरा यादव ने भी ताल ठोंक दी है। बहुजन समाजवादी पार्टी ने इंदिरा यादव को गोपालगंज विधानसभा सीट पर उम्मीदवार घोषित किया है। इंदिरा यादव राबड़ी देवी के भाई व गोपालगंज के पूर्व सांसद साधु यादव की पत्नी हैं। इस विधानसभा सीट से दूसरी बार चुनाव लड़ रही हैं, इससे पहले 2005 में निर्दलीय चुनाव लड़ चुकी हैं।

गोपालगंज विधानसभा सीट के भाजपा विधायक सुभाष सिंह के निधन के बाद उपचुनाव हो रहे हैं। सुभाष सिंह ने इस सीट पर 77791 वोट हासिल किए थे, उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बसपा प्रत्याशी साधु यादव को

तेजस्वी यादव

इंदिरा यादव

हराया था। महागठबंधन से कांग्रेस उम्मीदवार आसिफ गफूर तीसरे नंबर पर रहे थे। भाजपा ने उपचुनाव में दिवंगत भाजपा विधायक सुभाष सिंह की पत्नी कुसुम देवी को खड़ा किया है, तो वहीं बसपा ने साधु यादव की पत्नी इंदिरा यादव पर दांव खेला है। महागठबंधन से राजद ने इस सीट पर लड़ने का फैसला किया है, लेकिन पार्टी ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

चर्चा है कि गोपालगंज के बड़े व्यवसायी मोहन प्रसाद गुप्ता राजद उम्मीदवार हो सकते हैं। इस सीट पर तीन नंबवर को मतदान होगा वहीं छह नंबर को मतगणना की जाएगी।

बाघ की लाश पर टूटी थी भीड़ 1000 पर एफआईआर

लाठियों से पीटने दौड़े थे ग्रामीण, पशु क्रूरता समेत 13 धाराओं में केस

बगहा,10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बगहा के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के आदमखोर बाघ को बलुआ में शनिवार मार गिराया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने बाघ के शव के साथ अमानवीयता की थी। कुछ उसके बाल नोंच रहे थे तो कुछ लाठियां लेकर उसे मारने के लिए दौड़े थे। पुलिस वालों के साथ भी धक्कामुक्की की गई थी। गाड़ियों में भी तोड़फोड़ हुई। अब इस मामले में 150 नामजद समेत 1000 लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता समेत 13 धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

जब पुलिस और वन विभाग की टीम लाश लेकर जाने लगी तो कुछ ग्रामीणों को इस बात का विश्वास नहीं हो रहा था कि वाकई बाघ की मौत हो चुकी है। कुछ ग्रामीण अंधविश्वास के चक्कर में बाघ के बाल नोंचते नजर आए थे। तो कई लाठियां लेकर बाघ की लाश को मारने के लिए दौड़ रए। अब इस पर प्रशासन ने एक्शन लेते हुए बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में 125 नामजद के साथ

एक हजार अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया गया है। इन लोगों पर अब पुलिस इस मामले में पशु क्रूरता अधिनियम समेत सरकारी वाहन के तोड़फोड़ समेत सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में ग्रामीणों पर प्राथमिकी दर्ज की है। एसपी किरण कुमार गोरख जाधव ने बताया है कि प्रदर्शनकारियों को वीडियो फुटेज के माध्यम से चिन्हित कर गोवर्धना थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमें 13 सुसंगत धाराओं में पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। यह एफआईआर गोवर्धना के थानेदार राकेश रंजन के बयान पर दर्ज हुआ है।

बता दें कि बाघ ने डेढ़ माह के भीतर 9 लोगों को मार डाला था जिसके बाद बिहार के इतिहास में यह पहली बार ऐसा हुआ जब किसी बाघ या वन्य जीव को शूट एंड साइट यानी देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया। इसका ऑर्डर चीफ वार्डन प्रभात गुप्ता द्वारा दिया गया था। दरअसल ग्रामीणों को यह आशंका थी कि बाघ को ट्रेंकुलाइज कर सिर्फ बेहोश किया गया है।

जब गन्ना के खेत से वनकर्मी मृत बाघ को लेकर निकले और ट्रैक्टर पर उसे रख कर ले जाने लगे तब ग्रामीणों का हुजूम बाघ को ले जाने से रोकने लगा और पदाधिकारियों से उसे दिखाने की मांग करने लगे। ग्रामीण आश्वस्त होना चाहते थे कि नरभक्षी बाघ को सच में मार दिया गया है। ऐसे में ग्रामीणों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया और मारपीट पर उतारू हो गए। इस ट्रैक्टर पर बाघ का शव रखा था उस ट्रैक्टर को ग्रामीण तोड़ने पर आमादा थे। ग्रामीणों को शांत कराने में पुलिस बल समेत अधिकारियों को काफी मशक्कत करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने एसपी के साथ भी बदसलूकी करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा काफी मान-मनौव्वल के बाद ग्रामीणों ने गाड़ी को गोवर्धना वन रेंज के कार्यालय में जाने दिया।

जनता दरबार में चिल्लाने लगा फरियादी

खिलखिलाकर हंस पड़े सीएम नीतीश कुमार, बोले- एक से एक लोग हैं

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्र के उपरांत सोमवार को आयोजित हुए जनता दरबार में उस वक्त सभी चौंक गये जब एक फरियादी अचानक चिल्लाने लगा। दरबार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक एक कर फरियादी की बात सुन रहे थे। सीएम नीतीश के पास अलग-अलग विभाग से जुड़े फरियादी पहुंच रहे हैं। इसी दौरान अचानक पीछे से एक शख्स चिल्लाने लगा।

नीतीश कुमार खिलखिलाकर हंस पड़े

'नीतीश भैया जिंदाबाद, देश का प्रधानमंत्री कैसा हो, नीतीश कुमार जैसा हो।' के नारों से सभागार गूंजने लगा। अधिकारी इधर उधर दौड़ने लगे। इन नारों को सुनकर नीतीश कुमार खिलखिलाकर हंस पड़े। नीतीश कुमार ने कहा कि एक से एक लोग हैं यहां। फरियादी ने ऐसे नारे लगाये कि सीएम नीतीश काफी देर तक हंसते ही रहे। इसी दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना हाथ उठा लिया और कहा कि एक से एक लोग हैं यहां।

दिव्यांग बेटे को लेकर आया जदयू कार्यकर्ता

इससे पूर्व समस्तीपुर से एक फरियादी अपने सात साल के दिव्यांग बेटे के साथ पहुंचा। फरियादी ने कहा कि मेरा नाम सुरेंद्र ठाकुर है। घर समस्तीपुर में है। हम जदयू के अति पिछड़ा के जिला सचिव भी रह चुके हैं। भैया आज में बहुत कष्ट में हूं। आप रामचंद्र हैं और मैं आपका हनुमान हूं। मेरा बेटा सात साल चार महीने का हो गया है लेकिन चल नहीं पाता है। भैया हमारी मदद कीजिए। सीएम ने मामला

स्वास्थ्य विभाग के पास भेज दिया।

सुनी इन विभागों की शिकायतें

मुख्यमंत्री आज स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, वित्त विभाग, श्रम संसाधन विभाग, समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कला संस्कृति एवं युवा विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई की।

जगदानंद सिंह के इस्तीफे की अटकलें

श्याम रजक की हो सकती है पार्टी से छुट्टी!

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। जदयू के साथ सरकार बनाने के साथ ही राजद के लिए मुसीबतों का दौर जारी है। पहले सरकार में मंत्री रहे कार्तिकेय सिंह व सुधाकर सिंह के इस्तीफे से पार्टी को झटका लगा तो अब प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह का इस्तीफा भी चर्चा में है। इतना ही नहीं दिल्ली में रविवार को हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तेज प्रताप और श्याम रजक प्रकरण भी पार्टी के लिए गले की फांस बन गया है।

दिल्ली में आज पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक होनी है। इस बैठक में लालू यादव के बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष दोबारा ताजपोशी होगी और इसी के साथ पूरे बिहार की निगाहें जगदानंद और श्याम रजक प्रकरण में लालू के फैसले पर होंगी।

चर्चा है कि राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद पार्टी से नाराज चल रहे हैं। वह कल राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। अब खबरें हैं कि उन्होंने अपना इस्तीफा लालू यादव को भेज दिया है। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि 80 वर्षीय जगदानंद स्वास्थ्य कारणों से बतौर अध्यक्ष पार्टी में नहीं बने रहना चाहते हैं। हालांकि, जगदानंद प्रकरण आखिरी फैसला आज लालू यादव को ही लेना है, लेकिन चर्चा है कि पूरा राजद कुनबा जगदानंद सिंह को मनाने में जुट गया है।

राजद की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में आज पूर्व मंत्री श्याम रजक की पार्टी से छुट्टी हो सकती है। दरअसल, एक दिन पहले पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में श्याम रजक का लालू यादव के बेटे तेज प्रताप यादव से विवाद हो गया था। इसके बाद तेज प्रताप ने आरोप लगाया कि श्याम रजक ने उनको गाली दी, इसका ऑडियो भी उनके पास है। माना जा रहा है कि लालू यादव इस प्रकरण के बाद लालू यादव पर कड़ा फैसला ले सकते हैं।

तीन हत्याओं से हड़कंप

आगरा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा के देहात क्षेत्र में सोमवार सुबह-सुबह तीन हत्याओं से हड़कंप मच गया। खंदौली में मां बेटी की हत्या कर दी गई। घटना के बाद से महिला का पति फरार है। वहीं अछनेरा में पुजारी की हत्या कर दी गई। दोनों घटना की जानकारी पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश के लिए टीमें लगी हैं।

अछनेरा के स्टेशन रोड स्थित रमती मन्दिर में पुजारी भगवान दास एक साल से पुजारी का कार्य कर रहे थे। वह 75 साल के थे। शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में मंदिर में रात्रि डेढ़ बजे तक खीर का प्रसाद वितरण हुआ था। उसके बाद सभी अपने अपने घर चले गए। सोमवार सुबह जब महिलाएं मन्दिर में पूजा करने पहुंचीं तो पुजारी बीच आंगन में पड़े हुए थे। खून वह रहा देख महिलाओं की चीख निकल गयी। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने नमूने लिए। घटना की सूचना पर सीओ अछनेरा मौके पर पहुंचे। वहीं खंदौली थाना क्षेत्र के गांव पैंतखेड़ा में युवक ने अपनी पत्नी और डेढ़ वर्षीय बेटी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी।

रेप के बाद लड़की की 3 गोली मारकर हत्या

भोजपुर में हाई-वे किनारे मिली लाश, अर्धनग्न हालत में था शव

आरा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुर में एक युवती की रेप के बाद गोली मार कर हत्या कर दी गई। जिले के सकड्डी-नासरीगंज हाई-वे किनारे अर्धनग्न हालत में उसकी लाश मिली। युवती को काफी करीब से तीन गोली मारी गई है। जिसमें दो गोली उसके दाहिने कंधे पर और एक गोली दाहिने जांघ पर मारी गई है। 25 वर्षीय युवती की पहचान अभी नहीं हो सकी है। मामला सहार थाना क्षेत्र का है। युवती का शव सड़क से करीब 20 मीटर की दूरी पर अर्धनग्न अवस्था में मिला। युवती के बाएं हाथ पर गोलू दुबे नाम वाला टैटू बना हुआ है। बाएं हाथ में ही मेंहदी से हथेली पर शिवानी नाम लिखा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही भोजपुर एसपी संजय कुमार सिंह, पीरो डीएसपी राहुल कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

भोजपुर एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवती को कल रात 9 बजे के आसपास कुछ लोगों ने देखा गया था। उनके अनुसार सुबह जब बॉडी को देखा गया तो उसका कंडीशन वैसा नहीं था जैसा रात में देखा गया था। दूसरे स्पॉट से 3 खोखा मिला है। पुलिस ने घटनास्थल से चार खोखा, युवती के शरीर से उतरे कपड़े और उसके चप्पल को भी बरामद किया है। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से तीन खोखे, युवती के कपड़े, चप्पल एवं कान में पहने टूटे ईयर-रिंग के साथ कई महत्वपूर्ण सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए जब्त किए हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने शव 9 बजे रात में देखा था। उनके अनुसार सुबह जब बॉडी को देखा गया तो उसका कंडीशन वैसा नहीं था जैसा रात में देखा गया था।

पारिवारिक कलह में 6 बच्चों समेत 8 की मौत

कैमूर में 3 बच्चों संग कुएं में कूदी मां, बेतिया में नदी में लगाई छलांग

कैमूर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में पारिवारिक कलह में दो परिवार तबाह हो गए। 6 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई। दो जिलों में दो अलग-अलग घटनाओं में महिला ने अपने बच्चों के साथ खुदकुशी कर ली। कैमूर में पति से झगड़े के बाद एक महिला ने अपने 3 बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी। इसमें चारों की मौत हो गई। इधर बेतिया में घरेलू विवाद के बाद महिला अपने 3 मासूम बच्चों के साथ नदी में कूद गई। महिला और उसकी बेटी की लाश मिली है। एसडीआरएफ की टीम उसके दो बेटों को तलाश रही है। बताया जा रहा है कि महिला का पति से विवाद हुआ था। इसके बाद वो तीनों बच्चों को लेकर घर से चली गई। कुछ देर बाद कुएं में लोगों ने लाशों को देखा। पुलिस की मदद से सभी के शवों को निकाला गया। घटना की जानकारी किसी को हो पाती और चारों का रेस्क्यू किया जाता, तब तक मां समेत उसके तीन बच्चों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कैमूर जिले की भगवानपुर थाना पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद चारों का शव कुंए से बाहर निकाला।

बेतिया के पकड़ी नोनियावा टोला गांव में पारिवारिक कलह के चलते 32 साल की महिला ने अपने 3 बच्चों के साथ नदी में छलांग लगा दी। गोताखोरों की मदद से 2 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। रविवार की रात शिकरहना नदी के खनुआ नाला में महिला ने अपने दो बेटे और एक बेटी के साथ कूदकर आत्महत्या कर ली। सोमवार को एसडीआरएफ की मदद से मां और बेटी का शव बरामद किया गया। दोनों बेटों की तलाश की जा रही है। मृतकों की पहचान लौरिया नगर पंचायत के वार्ड नंबर दो निवासी कमलेश चौधरी की 32 साल की पत्नी आरती देवी, 6 साल की बेटी आंचल कुमारी, 8 साल का बेटा आशीष कुमार और 4 साल का बेटा छोटकी कुमार के रूप में हुई है।

मामा से बकाया वसूलने गया था भांजा

पेट्रोल छिड़क कर जला दी माचिस

जहानाबाद,10 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक भांजे को मामा से अपना बकाया मांगना जानलेवा साबित हुआ। चंद पैसों के लिए एक मामा ने अपने भांजे को जिंदा जलाने का प्रयास किया। घटना जहानाबाद जिले के काको थाना क्षेत्र के पैगंबरपुर गांव की है। फिलहाल घायल युवक का इलाज कराने के लिए एवं उनका बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई में चल रही है। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार अपने चचेरे

मामा से चंद पैसों की वसूली करने गये भांजे को क्या पता था कि इस गुनाह की सजा ऐसी होगी। जब भांजे ने मामा से अपना पैसा मांगा तो मामा ने पैसे के बदले उसे मौत देने का प्रयास किया। लंबे समय से पैसे नहीं लौटाने के बाद तकादा लेकर पहुंचे भांजे को निबटा देने की मामा की साजिश का उसे कतई अंदाजा नहीं था। मामा ने पैसे वसूलने आये भांजे के ऊपर पेट्रोल छिड़का फिर उसमें आग लगा दी। बताया जाता है कि मामा ने भांजे की मोटरसाइकिल से ही पेट्रोल निकालकर उसे जलाकर मारने की कोशिश की। इस घटना के बाद आसपास के लोग जुटे और घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में लाया गया है।

कमलनाथ बोले- चुनाव तक सरकार नशे में रहेगी

मुलायम सिंह को याद कर भावुक हुए नाथ बोले- मुझे छिंदवाड़ा जाने के लिए वे विमान भेजा करते थे

भोपाल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मप्र में नशे के खिलाफ चल रही ताबड़तोड कार्रवाईयों के बाद हुक्का लाउंज को बंद करा दिया गया है। मप्र सरकार के नशे के खिलाफ चलाए गए अभियान पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने तंज कसा है। कमलनाथ ने कहा चुनाव के पहले उन्हें ये सब और नशा याद आता है। वे खुद नशे में हैं अब, जब चुनाव का समय आया है तो इनका नशा थोड़ा दूर हो रहा है।

लेकिन चुनाव तक अगले 11 महीने इसी नशे में रहेंगे। नाथ ने कहा हम नहीं चाहते कि आज की नई पीढ़ी शराब से जुडे। उसके लिए जो रणनीति मप्र के हित में क्या है इसके लिए मैं एक समिति बनाउंगा ताकि उसमें सब अपनी बात रख सकें।

मुलायम से सीखी संसदीय परंपरा

कमलनाथ ने यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर कहा उनसे मेरा पुराना संपर्क था। जब वे यूपी के सीएम थे। जब मैं उनसे कहता था कि मुझे छिंदवाड़ा जाना है तो वे मुझे अपना जहाज दे देते थे। बहुत पुराने निकट संबंध थे। मैं उन्हें केवल एक राजनीतिक व्यक्ति नहीं बल्कि समाजसेवक मानता हूं। उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैं जब संसदीय कार्यमंत्री था तो हर हफ्ते में तीन-चार बार शाम को उनके साथ बैठता था। आज वो हमारे बीच नहीं रहे सबका समय आता है कि लेकिन ये स्वीकार करना बहुत कठिन होता है।

विधायकों पर लगे आरोपों की जांच रिपोर्ट देंगे नेता प्रतिपक्ष

विधायकों के मामले पर जांच समिति गोविन्द सिंह की अध्यक्षता में बनाई है वो अपनी रिपोर्ट देंगे उसे अनुशासन समिति को भेजा जाएगा। सब दशहरे में लगे थे। मैं चाहता था कि वे तीन चार दिन में अपनी रिपोर्ट दे दें लेकिन सब त्योहारों में लगे हुए थे।

महाकाल कॉरिडोर के मामले पर बोले नाथ

उज्जैन महाकाल कॉरिडोर के कार्यक्रम को लेकर कमलनाथ ने कहा ये ईवेंट का सरकारी कार्यक्रम है। मैंने जो महाकाल के लिए किया था वो रिकॉर्ड पर है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। ये हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं। अब तक उन्होंने ये नहीं कहा कि जो कर्जा माफ हुआ वो हमने किया। जनता सब समझ रही है और इन्हें जवाब देगी। ये बौखलाए हुए हैं इसलिए कभी प्रधानमंत्री को बुलाओ, धार्मिक कार्यक्रम करो। इन सब भावनाओं से कुछ नहीं होता। जब मैं सीएम था तब मैंने श्री लंका के प्रतिनिधियों से मीटिंग कर मंदिर बनाने का स्थान तय किया था। इसी बात का मुझे दुख है कि जो हमने शुरुआत की थी उसे हम पूरा नहीं कर पाए।

राजनीति में भाषा की मर्यादा जरूरी

गुजरात में आम आदमी पार्टी के नेता द्वारा पीएम नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा के उपयोग पर कमलनाथ ने कहा इस प्रकार के शब्दों का उपयोग करने से राजनीति में गिरावट आती है। हमारे विरोधी हो सकते हैं लेकिन दुश्मन नहीं। मैं कभी इस प्रकार के शब्दों का उपयोग नहीं करता।

आज हर वर्ग परेशान

जिन चीजों की हमने शुरुआत की थी उनपर हम आगे बढेंगे। किसानों की कर्जमाफी का दूसरा चरण शुरु करेंगे। किसानों को मुआवजा मिले। नीमच, मंदसौर के किसान याद कर रहे हैं उन्हें सात दिन के अंदर मुआवजा मिल गया था। आज कोई पटवारी तहसीलदार नहीं पहुंच रहा है। किसानों की फसल ही नहीं उनका भविष्य खराब हो गया। कारम डैम में किसानों की फसल के साथ जमीन खराब हो गई। वह जमीन खेती के लायक नहीं बची। हर वर्ग परेशान है नौजवान, शिक्षक, डॉक्टर सभी परेशान हैं। सिर्फ बीजेपी के नेता और उनके कार्यकर्ता जो बटोरने में लगे हैं वे ही सुखी हैं। शिक्षकों नौजवानों पर लाठीचार्ज हो रहा है। ये चाहते हैं कि सबकी आवाज लाठी के दम पर दबा दी जाए। आज खालिस्तान के नारे लग रहे हैं पूरे दक्षिण में भाषा का विवाद हो रहा है। कौन से बीज हम बो रहे हैं।

कांग्रेस को मिले साढे 11 महीने में अफसरों को पटरी पर लाना बड़ी चुनौती थी

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के आरोपों पर कमलनाथ ने कहा कांग्रेस की सरकार में हमने भर्तियों की शुरुआत की थी। 15 महीने में हमें साढे. 11 महीने की सरकार थी ढ़ाई महीने लोकसभा चुनाव में चले गए थे।। मेरा प्रयास मप्र को पटरी पर लाने की कोशिश करनी थी। जो 15 साल पहले आईएएस, आईपीएस बना उसने सिर्फ बीजेपी देखी थी। सभी को पटरी पर लाना बहुत बड़ी चुनौती थी।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन की टीम ने दो शिकारियों को पकड़ा

उमरिया, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन की टीम ने दो आदतन शिकारियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। शिकारियों के पास से चीतल का मांस और खाल भी बरामद की गई हैं। जानकारी देते हुए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उमरिया बकेली गांव में दबिश देकर दो आदतन अपराधियों दादूराम बर्मन पिता जगत बर्मन व गोविंद बर्मन पिता छत्रधारी बर्मन को चीतल के मांस व चमड़े के साथ पकड़ा है। ये आरोपी पहले से ही वन्यजीव अपराधों में लिप्त रहे हैं। इन पर कई प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन होने से ये लम्बे समय से वन विभाग की राडार पर थे। मुखबिर की सूचना पर पतौर परिक्षेत्र की टीम ने ताला परिक्षेत्र व पनपथा बफर परिक्षेत्र की टीम के सहयोग से उमरिया बकेली गांव में आधी रात दबिश देकर कार्रवाई की व दो आरोपियों को चीतल के पके हुए मांस, कच्चे मांस व खाल के साथ गिरफ्तार करके न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय द्वारा दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। अपराध में शामिल अन्य तीन आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

छिंदवाड़ा में नायब तहसीलदार की पत्नी ने फांसी लगाकर जान दी

छिंदवाड़ा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में एक नायब तहसीलदार विक्रम ठाकुर की पत्नी ने रविवार को कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि शाम को दोनों के बीच मार्केट जाने को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसके बाद महिला ने फांसी लगा ली। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना देवरे कॉलोनी सिविल लाइन की है, जहां रहने वाले नायब तहसीलदार विक्रम ठाकुर की पत्नी ने रविवार रात फांसी लगा लगाकर आत्महत्या कर ली। बाद में नायब तहसीलदार उसे फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक महिला के परिजन डिंडोरी से छिंदवाड़ा पहुंचे। वहीं, सोमवार को सुबह महिला का पोस्टमॉर्टम होने के बाद शव सिवनी जिले के आदेगांव ले जाया गया है, जहां पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

दिल्ली, यूपी समेत कई राज्यों में खुली धूप के लिए अभी इंतजार

नई दिल्ली लखनऊ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर, पश्चिम और पूर्वी यूपी, हरियाणा समेत कई राज्यों में बीते कई दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है। दिल्ली बीते तीन दिनों से लगातार भीग रही है और आज भी दिल्ली, यूपी, हरियाणा और उत्तराखंड जैसे राज्यों में बारिश, बिजली गिरने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। यही नहीं दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में लोगों के लिए खुली धूप का इंतजार भी लंबा हो सकता है। मौसम विभाग की ओर से 16 अक्टूबर तक के लिए दिल्ली का जो अनुमान जाहिर किया गया है, उसके मुताबिक 10 और 11 अक्टूबर को रिमझिम बारिश बनी रहेगी। यही नहीं उसके बाद 16 तारीख तक बदली छाई रहेगी और मौसम में ठंडक एवं नमी बनी रहेगी। इसका अर्थ है कि खुली धूप के लिए दिल्ली वालों को इस पूरे सप्ताह इंतजार ही करना होगा। हालांकि 13 से 16 अक्टूबर के दौरान बारिश नहीं होगी, लेकिन बादल छाए रहेंगे। इसके चलते मौसम में ठंडक रहेगी। वहीं उत्तर प्रदेश की बात करें तो 12 अक्टूबर यानी बुधवार तक हल्की बारिश जारी रहेगी। इसके बाद 13 अक्टूबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और 14 अक्टूबर को बदली रहेगी। हालांकि इसके बाद मौसम साफ हो जाएगा यानी बेमौसम बारिश से लोगों को राहत मिल जाएगी। मौसम विभाग का कहना है कि आज दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, यूपी, पश्चिम मध्य प्रदेश में बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि कुछ इलाकों में बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। उत्तर भारत ही नहीं बल्कि तमिलनाडु, पुदुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में भी 12 अक्टूबर और कुछ इलाकों में 14 तारीख तक बारिश जारी रहेगी। विभाग के मुताबिक 10,11 और अक्टूबर को कर्नाटक और केरल में भी बारिश होगी। इसके अलावा महाराष्ट्र के भी अलग-अलग इलाकों में बारिश का मौसम बना रहेगा। दिल्ली-एनसीआर, यूपी समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में जारी बारिश की वजह भी मौसम विभाग ने बताई है। विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का असर पर्वतीय क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। राजस्थान और उसके आसपास के इलाकों में चक्रवात की स्थिति बनी हुई है।

तलाक-ए-बाइन और तलाक-ए-किनाया के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक-ए-बाइन और तलाक-ए-किनाया को असंवैधानिक घोषित करने की मांग वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत तलाक ए हसन और तलाक ए अहसन से जुड़ी याचिकाओं के साथ कल होगी सुनवाई। तलाक ए बाईन को कर्नाटक की एक महिला डॉक्टर सैयदा अमरीन ने चुनौती दी है। कहा है कि एक साथ तीन तलाक के गैरकानूनी हो जाने के बाद कट्टरपंथी नए रास्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

याचिकाकर्ता महिला ने सुनाया अपना दर्द

याचिकाकर्ता, कर्नाटक की पेशे से डॉक्टर, सैयदा अंबरीन ने कहा कि उसकी शादी 22 अक्तूबर, 2020 को मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार उसके पति से हुई थी और शादी के बाद, उसके पति और उसके परिवार के सदस्यों ने दहेज के लिए उसे शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। जब याचिकाकर्ता के पिता ने दहेज देने से इनकार कर दिया, तो उसके पति ने भी एक डॉक्टर ने उसे एक काजी और वकील के माध्यम से तलाक-ए-किनाया/तलाक-ए-बाइन दे दिया, जो पूरी तरह से अनुच्छेद 14, 15, 21 और 25 के खिलाफ है। जनवरी 2022 में, काजी कार्यालय से एक पत्र भेजा गया जिसमें उनके पति ने उन पर कुछ अस्पष्ट आरोप लगाए और कहा कि इन सभी शर्तों के कारण इस वैवाहिक संबंध को जारी रखना संभव नहीं है।

क्या है तलाक-ए-किनाया/ तलाक-ए-बाइन

किनाया शब्दों के द्वारा तलाक-ए-किनाया/ तलाक-ए-बाइन दिए जाते हैं। जिनका मतलब मैं तुम्हें आजाद करता हूं, अब तुम आजाद हो, यह रिश्ता अब हराम है, तुम मुझसे अब अलग हो सकते हो।

ऐसा क्या हुआ, जो 5 मिनट के लिए रुक गई कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा?

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' आज 5 मिनट के लिए रोककर उनको श्रद्धांजलि दी गई। आज दोपहर 1 बजे चित्रदुर्ग जिले में हिरियूर के पास मुलायम सिंह यादव के लिए 5 मिनट की शोक सभा की गई। मुलायम सिंह यादव का गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में आज निधन हो गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने मुलायम सिंह यादव के निधन पर तीन दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाल रहे राहुल गांधी ने कहा, 'मुलायम सिंह यादव का निधन एक बेहद दुःखद समाचार है। वो जमीनी राजनीति से जुड़े एक सच्चे योद्धा थे। मैं अखिलेश यादव समेत सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।' सांसद जयराम रमेश ने मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मुलायम सिंह यादव एक कट्टर लोहियावादी थे। लेकिन सभी राजनीतिक दलों में उनके प्रशंसक थे। यूपी के सीएम के रूप में उनके कार्यकाल में बहुत काम किया गया। उन्होंने 2 मौकों पर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने देवेगौड़ा और गुजराल सरकार में रक्षा मंत्री के रूप में अपनी भूमिका निभाई और 2002 में उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए एपीजे अब्दुल कलाम का प्रस्ताव रखा था। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव के निधन पर दुख जताया।

कर्नाटक हिजाब प्रतिबंध पर जल्द आ सकता है बड़ा फैसला

सुप्रीम कोर्ट इसी सप्ताह सुना सकता है आदेश

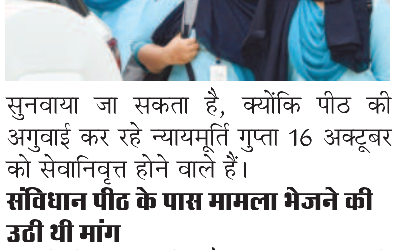

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता के सेवानिवृत्त होने से पहले कर्नाटक हिजाब विवाद पर बड़ा फैसला आ सकता है। जानकारी के मुताबिक, शीर्ष अदालत इसी सप्ताह इस चर्चित मामले पर अपना फैसला सुनाने की तैयारी में है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब प्रतिबंध को बरकरार रखा गया था। बता दें, हिजाब विवाद मामले में जस्टिस हेमंत गुप्ता और सुधांशु धूलिया की पीठ ने 10 दिन तक सुनवाई के बाद 22 सितंबर को याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। माना जा रहा है कि इन याचिकाओं पर इसी सप्ताह फैसला सुनवाया जा सकता है, क्योंकि पीठ की अगुवाई कर रहे न्यायमूर्ति गुप्ता 16 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

संविधान पीठ के पास मामला भेजने की उठी थी मांग

मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकीलों ने जोर देकर कहा था कि मुस्लिम लड़कियों को कक्षाओं में हिजाब पहनने से रोकने से उनकी पढ़ाई खतरे में पड़ जाएगी क्योंकि उन्हें कक्षाओं में जाने से रोका जा सकता है। वहीं कुछ वकीलों ने इस मामले को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेजने की भी गुजारिश की थी। वहीं, राज्य सरकार का तर्क था कि कर्नाटक सरकार का फैसला धार्मिक रूप से तटस्थ था।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने सुनाया था फैसला

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 15 मार्च को उडुपी में गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज की मुस्लिम छात्राओं द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कक्षाओं के भीतर हिजाब पहनने की अनुमति मांगी थी। वहीं, अदालत ने कहा था कि हिजाब इस्लाम में अनिवार्य धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है। इसके बाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में कई याचिकाएं दायर की गयीं थीं।

एमपी में कारगर नहीं मामा की बुलडोजर पॉलिटिक्स, एससी-एसटी वोटर्स को साधना बड़ी चुनौती

भोपाल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिए बुलडोजर भले ही चुनावी शब्दावली का हिस्सा बन गए हों, लेकिन मध्य प्रदेश में मामा का बुलडोजर चुनावी फायदा देने में सक्षम नहीं है। यह बात भाजपा के स्थानीय नेताओं ने हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी एल संतोष के साथ बैठक में की है। पार्टी की राज्य इकाई के सूत्रों ने कहा कि हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी एल संतोष ने एक बैठक ली थी। इस दौरान स्थानीय नेताओं ने कहा कि पार्टी का एससी और एसटी वर्ग के बीच जनाधार लगातार खिसकता जा रहा है। जबकि इन्हीं समुदाय के मतदाताओं ने साल 2003 से राज्य में भाजपा के 15 साल के निर्बाध शासन में मदद की। दरअसल, यूपी में सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बुलडोजर का उपयोग करने के लिए खूब प्रशंसा हुई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	में	कन्या..	04-33 बजे
चंद्र-	मेष	में	तुला-	06-37 बजे
मंगल	वृष	में	वृश्चिक	08-48 बजे
बुध-	कन्या	में	धनु---	11-01 बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	13-07 बजे
शुक्र-	कन्या	में	कुंभ-	15-57 बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	16-36 बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	18-32 बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	19-56 बजे
			मिथुन..	21-57 बजे
			कर्क...	00-09 बजे
			सिंह...	02-21 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,** हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद, दिशाशूल- उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया • **01-29** राततक उपरान्त, तृतीया
मास • कार्तिक कृष्ण पक्ष, मंगलवार, **11 Oct**
नक्षत्र • अश्विनी **-16 -16** • तक, उपरान्त भरणी
योग • हर्षण • **15 • 15** • तक उप- वज्र
करण- तैतिल • **13 • 29** • तक, उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार • सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
14:59 से
16:28 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:11 - 07:38	अशुभ	काल	17:56 - 19:28	अशुभ
उत्पात	07:38 - 09:06	अशुभ	लाभ	19:28 - 20:59	शुभ
चंचल	09:06 - 10:34	शुभ	उत्पात	20:59 - 22:31	अशुभ
लाभ	10:34 - 12:03	शुभ	शुभ.	22:31 - 00:03	शुभ
अमृत	12:03 - 13:31	शुभ	अमृत	00:03 - 01:34	शुभ
काल	13:31 - 14:59	अशुभ	चंचल	01:34 - 03:06	शुभ
शुभ	14:59 - 16:28	शुभ	रोग	03:06 - 04:38	अशुभ
रोग	16:28 - 17:53	अशुभ	काल	04:38 - 06:11	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है। आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं। आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है। आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है।लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें। हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है। अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे। आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी, उनके बारे में चिंता ना करें।आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी। आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है।आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं, दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं। कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे। कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें।काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें। आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं।आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी।आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे।समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्वास्थ्य का ध्यान जरूर रखें।आज गृहों की स्थिति आग से दुर्घटना की आशंका जता रही हैं।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं। वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है। आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें। बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें।जब तक आपको जवाब नही मिल जाते अपना नजरिया दृढ ही रखें।दूसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं। इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें।पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें। आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी। इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आज आप बदली हुई भूमिका में हैं, आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं। अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं।एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं।जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं, विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे। साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे। इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता।इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें।अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

'इन जातिवादी घटिया हरकतों को रोकिए नरेंद्र मोदी जी'

इस्तीफा दिए आप नेता ने पीएम से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता राजेंद्र पाल गौतम ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। धर्म परिवर्तन कार्यक्रम को लेकर विवाद के बाद उन्होंने यह फैसला लिया है। राजेंद्र पाल गौतम ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि वो देश के दलितों के खिलाफ हो रहे अपराध को रोकने में सफल नहीं रहे हैं। राजेंद्र पाल गौतम ने पीएम मोदी को एक 'कमजोर पीएम' कहा है। गौतम ने पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ से इस्तीफे की मांग की है। राजेंद्र पाल ने ट्वीट कर कहा है कि 'इन जातिवादी घटिया हरकतों को रोकिए नरेंद्र मोदी जी ! अन्यथा आप इस्तीफा दीजिए और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तो कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल हैं। मैं जनता हूँ कि आप इतने कमजोर प्रधानमंत्री हैं कि उनसे इस्तीफा भी नहीं ले सकते ! आप चिंता न करें मेरा बहुजन समाज जवाब देगा।' राजेंद्र पाल गौतम ने एक वीडियो को ट्वीट करते यह लिखा है। उस वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग मिलकर एक युवक की पिटाई कर रहे हैं। राजेंद्र पाल गौतम ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें देखा जा सकता है कि कुछ लोग एक युवक के साथ मारपीट कर रहे हैं और उसे गालियां दे रहे हैं। वीडियो अपलोड करने वाले ने लिखा है कि युवक को मारने वाले लोग सवर्ण हैं और युवक दलित समाज से आता है। इसी वीडियो को ट्वीट करते हुए राजेंद्र पाल ने पीएम मोदी और सीएम योगी से इस्तीफे की मांग की है। वीडियो उत्तर प्रदेश का बताया जा रहा है। राजेंद्र पाल गौतम ने रविवार को इस्तीफा दिया था। एक धार्मिक रूपांतरण कार्यक्रम में भाग लेने के बाद भड़के विवाद के चलते उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। उस कार्यक्रम में कथित रूप से हिंदू देवताओं को त्यागने की बात की गई थी। इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात में आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा था। भाजपा ने आप को 'हिंदू विरोधी' पार्टी बताया। मिली जानकारी के अनुसार, गौतम ने इसलिए इस्तीफा दे दिया जिससे कि गुजरात चुनाव में आम आदमी पार्टी को कोई नुकसान न हो। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि गौतम के इस्तीफे को अभी केजरीवाल ने स्वीकार नहीं किया है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2022

दिल्ली के मंत्री का इस्तीफा

वह नेता ही क्या जो भीड देख कर बहक न जाए। फिर वह यह भी भूल जाता है कि वह किस जिम्मेदार पद पर बैठा है और उसकी बात की अहमियत कितनी है। उसके मुंह से निकली हर बात दूर तलक जाएगी, यहां तक कि नेता के लिए मुसीबत भी बन जाएगी। मंच से जब नेता भीड के सामने संबोधित करते हैं तो उनका एकमात्र मकसद होता है कि वे अपने प्रदिद्वंदी पर कितना तीखा प्रहार कर सकते हैं। लेकिन जब कई बार ऐसे नेताओं के बयान उलटे भी पड जाते हैं। जिसका असर यह होता है कि कई बार सामाजिक ताने-बाने पर भी असर पडने लगता है। इसी तरह की एक बयानबाजी ने दिल्ली सरकार में केजरीवाल के मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम पर ही पलट कर आ पडा। नतीजतन उन्हें अपने मंत्री पद से हाथ धोना पड गया है। अब इसके आगे क्या होता है यह भी देखने वाली बात होगी। बता दें कि दिल्ली में हुए बौद्ध धर्म के कार्यक्रम का एक वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें कुछ लोग कथित रूप से शपथ लेते दिखाई देते हैं कि वे हिंदू देवी-देवताओं को नहीं मानेंगे, न उनकी पूजा करेंगे। हद तो तब हो गई जब उस कार्यक्रम के मंच से दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री भी यह शपथ लेते या दिलाते दिखाई दिए। इसे लेकर भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधना शुरू कर दिया। यहां तक कि गौतम के खिलाफ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई गई। जब यह मामला तूल पकड़ने लगा तो पहले गौतम ने सफाई दी कि वे भगवान बुद्ध के अनुयायी हैं और उनकी आस्था को संवैधानिक रूप से चुनौती नहीं दी जा सकती, लेकिन भाजपा इसे अनायास तूल दे रही है। जब बात और आगे बढ़ी तो उन्होंने कहा कि वे सभी देवी-देवताओं के प्रति सम्मान रखते हैं। दबाव बढ़ने पर आखिरकार उन्हें इस्तीफा देना ही पड़ा। गुजरात और हिमाचल में आसन्न चुनाव को देखते हुए इन दिनों आम आदमी पार्टी की सरकार और भाजपा के बीच तनातनी काफी तीखी हो चली है। दिल्ली सरकार की कथित अनियमितताओं के खिलाफ जांच पर जांच चल रही है और इस पर दोनों पार्टियां एक दूसरे पर हमला करने का एक भी मौका नहीं चूकती। ऐसे नाजुक दौर में गौतम के बयान ने भाजपा को बैठे-बिठाए हमले का एक आसान मौका दे दिया। भाजपा स्वभावतः धर्म से जुड़े हर विषय पर आक्रामक रुख अपनाती है और उसके जरिए जनाधार मजबूत बनाने का प्रयास करती रही है। गौतम के बयान ने मौका दिया तो वह भी राशन पानी लेकर मैदान में उतर गई है। जाहिर है इस मामले में आम आदमी पार्टी बैकफुट पर आ गई इसलिए उसको पलट कर हमला करते नहीं बन रहा था। जगजाहिर है कि इस समय पूरे देश में धर्म एक संवेदनशील मसला बना हुआ है। उस पर कोई भी रुख सोच-समझ कर लेना पड़ता है। मगर जोश में आए गौतम ने इस पर विचार नहीं किया कि उनके विवादास्पद विचारों पर भाजपा कैसे छक्का लगाने में माहिर है। गौतम की बयानबाजी से दिल्ली के मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल भी नाराज बताए जा रहे हैं। हैरानी की बात है कि उन्होंने अब तक न तो गौतम के खिलाफ कोई कार्रवाई की, न उन्हें कोई नसीहत दी और न ही भाजपा के हमलों पर बचाव किया है। जिम्मेदार पदों का निर्वाह कर रहे लोगों से स्वाभाविक अपेक्षा रहती है कि वे सार्वजनिक जीवन में संतुलित और मर्यादित आचरण करें। बेशक बौद्ध धर्म और भीमराव आंबेडकर के विचारों का पालन करने वाले लोग हिंदू देवी-देवताओं में विश्वास नहीं करते हों, पर यह उनकी निजी आस्था तो हो सकती है, इस आधार पर उन्हें सार्वजनिक रूप से किसी की आस्था को चोट पहुंचाने का अधिकार बिलकुल नहीं मिल जाता। हालांकि जिस कार्यक्रम का वीडियो वायरल हो रहा है, वह बौद्ध धर्म से जुड़े लोगों का कार्यक्रम था और उसमें बौद्ध धर्म ग्रहण करने वालों को शपथ दिलाई जा रही थी। इसलिए वे तर्क दे सकते हैं कि उनका इरादा दूसरे धर्म को आहत करने का नहीं था। लेकिन उस कार्यक्रम में गौतम एक मंत्री की हैसियत से उपस्थित थे, इसलिए उनसे संविधान की मर्यादा का पालन करने की अपेक्षा थी, जिसकी उन्होंने परवाह नहीं की और अपनी कुर्सी गंवा दी।

स्त्री के कर्तव्य तो अनेक लेकिन अधिकार शून्य क्यों

रेखा शाह

हम लोगों का भारतीय समाज आदिकाल से पुरुष सत्तात्मक समाज रहा है । पहले के बनिस्पत स्त्रियों की दुनिया का विस्तार जमीनी स्तर पर कुछ बेहतर हुआ है। अब वह चारदीवारी से निकलकर अपने लिए क्या सही है ! क्या गलत है ! समझ सकती हैं । लेकिन अभी भी उनके कर्तव्य असंख्य है और अधिकार लगभग नगण्य है.. दुनिया और समाज अभी भी अक्सर स्त्री के अधिकार और कर्तव्य को अपने सुविधा अनुसार परिभाषा तय करता है । जिसमें स्त्री के कर्तव्यों की व्यापकता है पर अधिकार सीमित है । आज के दौर में भी लोग स्त्री से उम्मीद करते हैं कि उनके आर्थिक कर्तव्यों में भागीदारी तो करें। पर प्रभुत्व सर्वत्र पुरुष का ही बना रहे । अगर स्त्री थोड़ा भी ऊंच-नीच करती है अपने घर और बाहर किसी भी कर्तव्य में थोड़ी भी कमी की गुंजाइश करती है तो उस पर हजार प्रश्न खड़े हो जाते हैं।

एक महिला के संपूर्ण जीवन की सार्थकता भारतीय समाज सामाजिक जीवन की उपलब्धियों से न करके उसके पारिवारिक दायित्व की पूर्ति के चश्मे से ही करता है। आज भी घर परिवार देखने और संभालने की जिम्मेदारी स्त्री की ही होती है। और आर्थिक जिम्मेदारी पुरुष की होती है लेकिन जिन घरों में स्त्री घरेलू के साथ आर्थिक दायित्व में भी अपना सहयोग करती है वहां भी घरेलू प्रबंधन स्त्री के जिम्मे और वित्तीय प्रबंधन पर पुरुष का अधिकार रहता है।जो एक तरह से स्त्री के अधिकारों का हनन ही है। दरअसल लोगों के मन में एक अवधारणा है कि स्त्री वित्तीय प्रबंधन को सही ढंग से नहीं कर सकती । जबकि अधिकांश परिवारों में देखा गया है ।

परिवार के आर्थिक संकट के समय स्त्री के बूंद बूंद बचत किए गए धन के द्वारा परिवार को विपत्ति से निकाल लिया जाता है। स्त्री वित्तीय प्रबंधन में भी कुशल होती है जितना घरेलू कार्यों के प्रबंधन में उसको यह अधिकार नहीं देने के पीछे दरअसल समाज की दोयम दर्जे के मानसिकता है ना कि स्त्री की अकुशलता है । अगर आप भारतीय समाज में तुलनात्मक रूप से देखे तो अक्सर एक लड़के को पारिवारिक सदस्यों के द्वारा जितना प्रोत्साहन आर्थिक रूप से सक्षम होने के लिए मिलता है। उतना लड़की को नहीं मिलता।

बल्कि लड़के की तुलना में छटाक भर भी नहीं मिलता है । इसको मान लीजिए एक प्रशासकीय पद के दोनों इच्छुक हैं तो एक लड़के को पारिवारिक सपोर्ट और धन की सहायता अध्ययन के लिए आसानी से मिल जाता है और मानसिक सकारात्मक सहयोग भी मिलता है लेकिन वहीं पर एक ही लड़की को वहीं लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अधिकांश अपने ही परिवार से और असहयोगात्मक रवैया और विरोध मिलता है तथा उस पर खर्च करना भी व्यर्थथा समझी जाती है इसका कारण है पारिवारिक खांचे का ताना-बाना जिसमें लड़की को पराया धन और लड़के कुलदीपक हो जाते हैं।एक ही लक्ष्य पाने के लिए स्त्री को पुरुष के अपेक्षा दोहरी मशक्कत करनी पड़ती है। अब समय आ गया है जिस तरह हर क्षेत्र में स्त्रियां अपने आपको साबित और अपनी कुशलता का प्रदर्शन कर रही हैं।

राजनीति के पहलवान थे मुलायम

राजनीति में एंट्री करने से पहले मुलायम कुश्ती लड़ते थे। एग्जाम छोड़कर कुश्ती लड़ने चले जाते थे। कवि सम्मेलन में अकड़ दिखा रहे दरोगा को मंच पर ही पटक दिया था। सियासत के भी बड़े अखाड़ेबाज बने, विरोधियों को चित किया। सियासी और निजी जिंदगी आसान नहीं थी, पर लड़ते रहे। मौत सामने आई तो उससे भी दो-दो हाथ किए। ये थे मुलायम सिंह यादव, समाजवादियों ही नहीं.. पूरे देश के नेताजी। पढ़िए उनकी जिंदगी के दिलचस्प किस्से।

कवि को दरोगा ने धौंस दिखाई, तो मुलायम ने मंच पर पटक दिया

26 जून 1960। मैनपुरी के करहल का जैन इंटर कॉलेज। कैंपस में कवि सम्मेलन चल रहा था। यहां उस वक्त के मशहूर कवि दामोदर स्वरूप विद्रोही भी मौजूद थे। वो मंच पर पहुंचे और अपनी लिखी कविता 'दिल्ली की गद्दी सावधान' पढ़ना शुरू की। कविता सरकार के खिलाफ थी। इसलिए वहां तैनात यूपी पुलिस का इंस्पेक्टर मंच पर गया और उन्हें कविता पढ़ने से रोकने लगा। वो नहीं माने तो उनका माइक छीन लिया। इंस्पेक्टर ने कवि को डांटते हुए कहा कि आप सरकार के खिलाफ कविता नहीं पढ़ सकते। मंच पर बहस हो ही रही थी कि दर्शकों के बीच बैठा 21 साल का पहलवान दौड़ते हुए मंच पर पहुंचा। 10 सेकेंड में उस नौजवान ने इंस्पेक्टर को उठाकर मंच पर पटक दिया। ये नौजवान कोई और नहीं बल्कि मुलायम सिंह यादव थे।

जब मुलायम ने कार्यकर्ताओं से कहा- चिल्लाओ नेताजी मर गए

तारीख 4 मार्च 1984, दिन रविवार। नेताजी की इटावा और मैनपुरी में रैली थी। रैली के बाद वो मैनपुरी में अपने एक दोस्त से मिलने गए। दोस्त से मुलाकात के बाद वो 1 किलोमीटर ही चले थे कि उनकी गाड़ी पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। गोली मारने वाले छोटेलाल और नेत्रपाल नेताजी की गाड़ी के सामने कूद गए। करीब आधे घंटे तक छोटेलाल, नेत्रपाल और पुलिसवालों के बीच फायरिंग चलती रही। छोटेलाल नेताजी के ही साथ चलता था, इसलिए उसे पता था कि वह गाड़ी में किधर बैठे हैं। यही वजह है कि उन दोनों ने 9 गोलियां गाड़ी के उस हिस्से पर चलाईं, जहां नेताजी बैठा करते थे। लेकिन लगातार फायरिंग से ड्राइवर का ध्यान हटा और उनकी गाड़ी डिस्बैलेंस होकर सूखे नाले में गिर गई। नेताजी तुरंत समझ गए कि उनकी हत्या की साजिश की गई है। उन्होंने तुरंत सबकी जान बचाने के लिए एक योजना बनाई। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि वो जोर-जोर से चिल्लाएं 'नेताजी मर गए। उन्हें गोली लग गई। नेताजी नहीं रहे।' जब नेताजी के सभी समर्थकों ने ये चिल्लाना शुरू किया तो हमलावरों को लगा कि नेताजी सच में मर गए। उन्हें मरा हुआ समझकर हमलावरों ने गोलियां चलाना बंद कर दीं और वहां से भागने लगे, लेकिन पुलिस की गोली लगने से छोटेलाल की उसी जगह मौत हो गई और नेत्रपाल बुरी तरह घायल हो गया। इसके बाद सुरक्षाकर्मी नेताजी को एक जीप में 5 किलोमीटर दूर कुर्रा पुलिस स्टेशन तक ले गए।

पुलिस को फोन किया- कारसेवकों पर गोली चलवा दो

1989 में लोकदल से मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। 90 का दौर शुरू होते-होते देशभर में मंडल-कमंडल की लड़ाई शुरू हो गई। ऐसे में 1990 में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अयोध्या में बाबरी मस्जिद को गिराने के लिए कारसेवा की। 30 अक्टूबर 1990 को कारसेवकों की भीड़ बेकाबू हो गई। कारसेवक पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ मस्जिद की ओर बढ़ रहे थे। मुलायम सिंह यादव ने सख्त फैसला लेते हुए प्रशासन को गोली चलाने का आदेश दिया। पुलिस की गोलियों से 6 कारसेवकों की मौत हो गई। इसके दो दिन बाद फिर 2 नवंबर 1990 को हजारों कारसेवक हनुमान गढ़ी के करीब पहुंच गए, मुलायम के आदेश पर पुलिस को एक बार फिर गोली चलानी पड़ी, जिसमें करीब एक दर्जन कारसेवकों की मौत हो गई। कारसेवकों पर गोली चलवाने के फैसले ने मुलायम को 'मुल्ला मुलायम'बना दिया। हालांकि, बाद में मुलायम ने कहा था कि ये फैसला कठिन था। लेकिन, मुलायम को इसका राजनीतिक लाभ भी हुआ था। कारसेवकों के विवादिच ढांचे के करीब पहुंचने के बाद मुलायम ने सुरक्षाबलों को गोली चलाने का निर्देश दे दिया। सुरक्षाबलों की इस कार्रवाई में 16 कारसेवकों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए। बाद में मुलायम ने बताया कि सुरक्षाबलों की कार्रवाई में 28 लोग मारे गए थे।

कांशीराम को साथ लाकर भाजपा को पटखनी दी

1956 में राम मनोहर लोहिया और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर समझौते के तहत एक साथ आने की प्लानिंग कर रहे थे। हालांकि, इसी बीच अंबेडकर का निधन हो गया और लोहिया की दलित-पिछड़ा जोड़ की प्लानिंग सफल नहीं हो सका। 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद मुलायम ने लोहिया के इस प्लान को अमल में लाने की दिशा में काम शुरू कर दिए। मुलायम ने तब के बड़े दलित नेता कांशीराम के साथ गठबंधन का ऐलान कर दिया। मुलायम के इस मास्टर स्ट्रोक का असर चुनावी रिजल्ट पर भी दिखा। 422 सीटों वाली विधानसभा में सपा-बसपा गठबंधन को 176 सीटें मिली, जबकि भाजपा बहुमत से दूर हो गई। मुलायम ने अन्य छोटे दलों को साथ मिलाकर सत्ता में वापसी कर ली। मुलायम के सत्ता में आने के बाद यूपी में एक स्लोगन- 'मिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम', खूब चर्चित हुआ।

बाबरी गिराने के आरोपी कल्याण सिंह का कर दिया समर्थन

साल था 2009। भाजपा छोड़ एटा से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले कल्याण सिंह के समर्थन में मुलायम ने जनसभा कर दी। कल्याण बाबरी मस्जिद विध्वंस के वक्त मुख्यमंत्री थे और अवमानना के मामले में सजा भी काट चुके थे। कल्याण सिंह के समर्थन देने के फैसले पर पार्टी के भीतर ही बगावत हो गई। सीनियर नेता आजम खान ने मुलायम पर सरेराह निशाना साधा। चुनाव में भी मुलायम को इसका नुकसान उठाना पड़ा। हालांकि, मुलायम के समर्थन से कल्याण सिंह चुनाव जीत गए थे।

एक समाजवादी नेता के रूप में उभरे मुलायम सिंह यादव ने जल्द ही खुद को एक ओबीसी दिग्गज के रूप में स्थापित किया और कांग्रेस के अवसान से खाली हुए राजनीतिक स्थान पर कब्जा कर लिया।

तीन बार बने मुख्यमंत्री

1989 के विधानसभा चुनाव के बाद मुलायम पहली बार भाजपा के बाहरी समर्थन से मुख्यमंत्री बने। 1993 में सपा नेता के रूप में दूसरी बार मुख्यमंत्री बने, इस बार उन्हें कांशीराम के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का समर्थन हासिल था। 2003 में वह तीसरी बार सपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के नेता के रूप में मुख्यमंत्री बने। उनके तीनों कार्यकाल की कुल अवधि करीब छह साल और 9 महीने थी।

जेपी का सपना जनता बने लोकतंत्र की प्रहरी

निरंकार सिंह

महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित जयप्रकाश नारायण एक ऐसे स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे जो पराधीन भारत में बर्फ की सिल्लियों पर लेटे तो आजाद भारत में भी उन्हें जेल की हवा खानी पड़ी। वे 1942 की अगस्त क्रांति के हीरो थे। कभी अंग्रेजों से देश को आजाद कराने के मंसूबे से उन्होंने जेल यात्रा की थी तो आजादी के बाद जयप्रकाश नारायण ने भ्रष्टाचार, और व्यवस्था परिवर्तन के लिए तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार की लाठियां भी खाईं। उन्हें जेल मे भी डाल दिया गया । वह डेढ साल तक जेल में बंद रहे। उनके बेमिसाल राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा पहलू यह है कि उन्हें सत्ता का मोह नहीं था। शायद यही कारण है कि नेहरू की कोशिश के बावजूद वह उनके मंत्रिमंडल में शामिल नहीं हुए। वह चाहते तो प्रधानमंत्री भी बन सकते थे। पर वह सत्ता में पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहते थे। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार 'इस देश की संस्क्रति का जो कुछ भी उत्तम और वरेण्य है, वह उनके व्यक्तित्व में प्रतिफलित हुआ है।' उनका जन्म सन् 1902 में विजयदशमी के दिन पटना जिले के सिताय दिआरा गाँव में एक प्रतिष्ठित कायस्थ परिवार में हुआ था। आपके पिता का नाम हरसूदयाल तथा माता का नाम फूलरानी था। आपके पिता रेवेन्यू अधिकारी थे।बचपन में जयप्रकाशजी बहुत सीधे-सादे थे। प्रारम्भिक शिक्षा समाप्त कर आपने पटना के कालेजियेट स्कूल में प्रवेश लिया और सरस्वती भवन छात्रावास में रहने लगे। छात्र राजनीति में भाग लेते थे। सन् 1919 में उन्होंने हाईस्कूल परीक्षा पास की। इस परीक्षा में उनको छात्रवृत्ति मिली। उनका विवाह ब्रजकिशोर बाबू की योग्य पुत्री प्रभावती के साथ हुआ। विवाह के दो वर्ष बाद वह शिक्षा के लिए अमेरिका चले गये। इस बीच प्रभावती गांधीजी के आश्रम में रहीं। अमेरिका में रोजी-रोटी जुटाने के लिए उन्होंने बागानों में काम किया। किसी होटल या रेस्तराँ में बर्तन धोये, वेटर का काम किया। कभी जूते साफ करने का भी काम किया। अनेक कष्टों को सहते हुए उन्होंने ओहायो विश्वविद्यालय से बी.ए. पास किया। छात्रवृत्ति मिलने लगी। फिर 80 डॉलर पर आप सहायक प्रोफेसर हो गये। यहीं से आपने एम.ए. की परीक्षा पास की। वह और अधिक पढ़ना चाहते थे किन्तु माता की हालत की गम्भीरता का समाचार सुनकर भारत लौट आये। इस समय वे पूरे मार्क्सवादी बन गये थे। भारत वापस आकर आप गांधीजी तथा नेहरूजी के सम्पर्क में आये। नेहरूजी ने इन्हें भारतीय कांग्रेस का मन्त्री बना दिया। गांधीजी और नेहरूजी गिरफ्तार कर लिए गये। देश में गिरफ्तारियों का ताँता लग गया। जेपी भी गिरफ्तार हो गये और सन् 1933 में छोड़े गये। सन् 1934 में बिहार के भूकम्प में उन्होंन सराहनीय काम किया। इसी समय उन्होंने पटना में आचार्य नरेन्द्रदेव की अध्यक्षता में समाजवादी सभा का विशाल आयोजन किया।'करो या मरो' एवं 'अंग्रेजो भारत छोड़ो आन्दोलन में वे फिर गिरफ्तार किये गये और हजारी बाग जेल में रखे गये। वे जेल से भागकर कष्टों को सहते हुए बनारस पहुँच गये। बनारस में रहते हुए उन्होंने गुप्त पर्चों के द्वारा युवकों में उत्साह पैदा किया। बनारस से वह नेपाल गये। वहाँ से कश्मीर जाने का विचार किया किन्तु अमृतसर में पकड़ लिए गये। लाहौर जेल में उन्हें रखा गया। गुप्त बातें जानने के लिए कड़ी यन्त्रणाएँ दी जाने लगीं। जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति के आंदोलन के दौरान युवा-शक्ति का आवाहन किया। अदम्य उत्साह और अपूर्व साहस से भरे युवक जयप्रकाश की सेना में शामिल हुए और फिर वह सब हुआ जिसने आपातकाल का संवैधानिक अमोघ शस्त्र भी बेकार कर दिया और आजादी के बाद पहली बार दिल्ली की केंद्रीय सत्ता से कांग्रेस का एकाधिकार टूटा। एक गैर- कांग्रेसी सरकार बनी। जयप्रकाश नारायण को वर्ष 1977 में हुए 'संपूर्ण क्रांति आंदोलन के लिए जाना जाता है लेकिन वह इससे पहले भी कई आंदोलनों में शामिल रहे थे। वह किसान आंदोलन, भूदान आंदोलन, छात्र आंदोलन और सर्वोदय आंदोलन सहित छोटे-बड़े कई आंदोलनों में शामिल रहे और उन्हें अपना समर्थन देते रहे। जयप्रकाश जी के लिए यह दुर्भाग्य की बात थी कि उनका अनुयायी होने का तो सभी दावा करते थे, लेकिन उनके आपेक्षाओं को पूरा नही किया। सत्ता में आने के बाद वे बदल गये। अपने आचरण को भी कलंकित किया। अधिकांश लोगों ने कोई मिसाल नहीं प्रस्तुत की। जयप्रकाश जी की सबसे बड़ी विरासत राजनीति में लोकनीति को प्राथमिकता देना और राजसत्ता से लोकशक्ति को महत्वपूर्ण मानना रहा है। जयप्रकाश जी शायद दलविहीन लोकतंत्र के सपने के साथ जोड़कर याद किये जाते हैं, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि भारत की तीन शानदार राजनीतिक पार्टियों के निर्माण में जयप्रकाश जी ने बुनियादी योगदान किया था। 1948 का कांग्रेस पार्टी, समाजवादी पार्टी और 1977-78 में जनता पार्टी। इस प्रसंग को रेखांकित करने का यह अभिप्राय है कि जयप्रकाश जी लकीर के फकीर नहीं थे, वह मूलतः एक समाजवौज्ञानिक थे, जिसने परिस्थिति के अनुकूल या प्रतिकूल होने पर भी दिशा में सुधार करने में कभी कोई संकोच नहीं किया। जयप्रकाश के आंदोलन से राजनीति के क्षेत्र में आए कई लोग आज उनके आदर्शों का भूल गये हैं। लालू यादव और नीतीश कुमार भी उनके आंदोलन की ही उपज हैं। यह जरूरी है कि भारत के भविष्य के बारे में लगातार सोचने और रचनात्मक तरीके से रास्ता बनाने वाले जेपी के विचारों और उनके चलाये गये कार्यक्रमों का आज पुनः अध्ययन मूल्यांकन किया जाये, क्योंकि आज हम जहां खड़े हैं, वहां भ्रष्टाचार, बाजारवाद, भोगवाद और व्यक्तिवाद बढ़ता जा रहा है। जयप्रकाश नारायण के अनुसार लोकतन्त्र की मजबूती के लिए यहजरूरी है कि हम अपने अधिकारों, कर्तव्यों के प्रति सचेत हों, संगठित हों। लोकतंत्र से नागरिक जितना अलग और उदासीन रहेगा, उतना ही कमजोर और कुंठित लोकतंत्र चलेगा। लोकतांत्रिक मूल्यों की चेतना के बगैर, लोकतंत्र निर्जीव ढांचे भर रह जायेगा और इस बुनियादी कमजोरी की परख आपातस्थिति में हो चुकी है।

कुण्ठित पुतिन ने युद्ध के बीच कमांडर बदला

संजीव ठाकुर

रूस यूक्रेन युद्ध के 8 महीने के बाद ऐसी क्या परिस्थिति बदल गई है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अपना कमांडर बदलने की आवश्यकता महसूस हो गई और उन्होंने आनन-फानन में अपने पूर्व कमांडर एलेग्जेंडर डूबोर्निकोव के स्थान पर सर्गेई सुरोवीकिन यूक्रेन युद्ध में शामिल कर सुरक्षा बलों के संयुक्त समूह का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि नए कमांडर को बदलने के पीछे पुतिन की योजना की पृष्ठभूमि यह हो सकती है कि पुतिन को पहले तो उम्मीद नहीं थी की युद्ध आठ महीने तक लगातार चल सकेगा ।यूक्रेन के जुझारू पन और अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के अस्त्र-शस्त्र की सहायता से यूक्रेन ने रूस का डटकर मुकाबला किया है। यह अलग मुद्दा है कि रूस ने यूक्रेन के डोनेटस्क, लोहंस,जपोरिज्जिया खेरसंन जैसे बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और दोनों देश के मध्य महीनों से जारी युद्ध एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। यूक्रेन द्वारा रूस के कब्जे में स्थित प्रीमियर के पुल को आने के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब आक्रामक मूड में आ गए हैं ।हाल ही में उन्होंने यूक्रेन जंग में परमाणु बमों के इस्तेमाल की बात कही थी और इसी परिपेक्ष में उन्होंने संकेत दिया है कि इस युद्ध में परमाणु शस्त्रों का इस्तेमाल किया जा सकता है और इन परमाणु शास्त्रों के इस्तेमाल के लिए और उसको एक अनुभवी जनरल की आवश्यकता हो सकती है। इसी क्रम में उन्होंने पुराने कमांडर को हटाकर नए कमांडर की नियुक्ति की है। नए कमांडर सरगेई सुरोवीकिंन एक अनुभवी कमांडर हैं और सबसे बड़ी बात वह पुतिन के विश्वासपात्र भी हैं। इसके पूर्व ये कमांडर सीरिया में रूसी सैनिकों का नेतृत्व कर चुके हैं उन्होंने 1990 में तजाकिस्तान में चेचन्या युद्ध में अपना युद्ध कौशल बखूबी दिखा चुके हैं और युद्ध रणनीति बनाने में उनकी दक्षता मानी जाती है। इसी क्षमता को देखते हुए पुतिन ने उनको युद्ध के दौरान यूक्रेन युद्ध का नेतृत्व अचानक सौंपा है। पुतिन ने सेना की ताकत बढ़ाने के लिए नए कमांडर को नियुक्त किया है ।नए कमांडर रूस के पूर्वी राज्य साइबेरिया के रहने वाले हैं। बता दे युद्ध में रूस में हथियारों और गोला-बारूद की भारी कमी हो गई है एवं भारी संख्या में सैनिकों के मारे जाने तथा आम जनता से सैनिकों की नियुक्ति के मामले में रूस को सीनियर सिटीजन का भारी विरोध भी झेलना पड़ रहा है। उधर दूसरी तरफ पुतिन के परमाणु शस्त्रों के इस्तेमाल की बात से यूक्रेन वहां के राष्ट्रपति जेलेंस्की काफी भयभीत हो गए हैं, और लगातार इस प्रयास में है कि पुतिन को मनाया जाए कि वह परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल इस युद्ध में विश्व शांति के विरोध में किसी भी हालत में ना करें। यूक्रेन के कई बड़े शहर तो तबाह हो ही चुके और उनके 50,000 से ज्यादा सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं। यह अलग बात है कि युद्ध की शुरुआत से ही अमेरिका तथा नाटो देशों के सदस्यों से काफी धनराशि एवं युद्ध के उपयोग हेतु अस्त्र-शस्त्र भारी संख्या में प्राप्त हो रहे हैं जिसके दम पर यू कैन अब तक रूस के खिलाफ टिका हुआ है। यूक्रेन के हास्य कलाकार से राष्ट्रपति बने जेलेंस्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा है कि उन्होंने कभी भी क्रीमिया पुल पर हमले के लिए आदेश नहीं दिया था रूस के कब्जे वाला क्रीमिया का पुल युद्ध के परिस्थिति जन्य प्रयासों के कारण नष्ट किया गया है। यूक्रेन में जो भी अस्त्र-शस्त्र रूस के खिलाफ उठाए हैं वह नैसर्गिक अपनी रक्षा के लिए उठाए गए कदमों में से एक है। वैसे इस बात में सच्चाई है कि दोनों देशों के बीच युद्ध में रूस तथा यूक्रेन के हजारों सैनिक मारे गए हैं और दोनों देशों के फ्रंट में सैनिकों की भारी कमी हो गई है इसी तरह अस्त्र-शस्त्र कथा लड़ने वाले सैनिकों की कमी के चलते दोनों देश काफी चिंतित भी हैं। पुतिन इन परिस्थितियों में इस युद्ध को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना कर धीरे-धीरे परमाणु शस्त्रों के इस्तेमाल की मनःस्थिति बनाते जा रहे हैं। ऐसा होता है तो यूक्रेन की तबाही के साथ-साथ यूरोप के अन्य देश भी रूस के कई इलाकों के साथ तबाह हो जाएंगे और लगभग 10 लाख लोगों के इस परमाणु युद्ध में प्रभावित होने की आशंका रक्षा विशेषज्ञ जता रहे हैं। भारत का इस दिशा में शुरू से ही स्पष्ट संदेश रहा है के वर्तमान में यह युग युद्ध का युग नहीं है शांति तथा विकास का समय होने के कारण उन्होंने पुतिन तथा जेलेंस्की दोनों से अलग-अलग बात कर युद्ध को समाप्त करने की अपील की है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत के सोवियत संघ से संबंध प्रगाढ़ रहे हैं और इसी आधार पर दुनिया के देश भारत से यह उम्मीद करते है कि वह और उसको परमाणु शस्त्रों के इस्तेमाल से रोककर वैश्विक शांति को बरकरार रखने का प्रयास करेगा।

भारत के हजार टुकड़ों की तैयारी

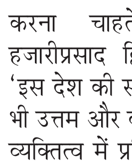
डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अब तक भारत में जिन अनुसूचित जातियों और जन-जातियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाता रहा है, अब उनकी संख्या बढ़ाने की मांग हो रही है। अदालत में कई याचिकाएं भी लगी हुई हैं। संविधान सभा में पहले सिर्फ उन्हीं अनुसूचितों को आरक्षण मिला हुआ था, जो अपने आप को हिंदू मानते थे लेकिन 1956 में सिखों और 1990 में बौद्ध अनुसूचितों को भी इस जमात में जोड़ लिया गया। हालांकि गौतम बुद्ध और गुरुनानक अपने अनुयायियों को जातिभेद से दूर रहने का उपदेश देते रहे लेकिन थोक वोटों के लालच में फंसकर नेताओं ने धर्म को भी जाति के पांव तले ठेल दिया। आश्चर्य है कि उन अ-हिंदू धर्मावलंबियों ने उनके इस धर्म विरोधी कृत्य को सहर्ष स्वीकार कर लिया। अब उन्हीं की देखादेखी हमारे मुसलमान, ईसाई और यहूदी भी मांग कर रहे हैं कि उनमें जो अनुसूचित हैं और पिछड़े हैं, उन्हें भी सरकारी आरक्षण दिया जाए। सरकार ने इस पर एक आयोग की घोषणा की है, जो काफी खोजबीन के आधार पर यह तय करेगा कि मुसलमान, ईसाई और यहूदी लोगों को कभी पूर्व पसमांदा, अछूत या दलित हिंदू रहे हैं, उन्हें भी आरक्षण दिया जाए या नहीं? इस आयोग के सदस्य काफी अनुभवी और योग्य हैं लेकिन कह नहीं सकते कि वे क्या सुझाव देंगे। मेरी समझ यह है कि 'काणी के ब्याव में सौ-सौ जोखिम' हैं। जातीय आरक्षण ने पहले ही देश में अयोग्यता और भ्रष्टाचार को बढ़ा रखा है। दूसरा, उनमें जो एकाध प्रतिशत मलाईदार लोग हैं, वे ही सारी नौकरियों पर कब्जा कर लेते हैं। असली गरीब लोग ताकते रह जाते हैं। तीसरा, यदि इसमें नए धर्मों को भी जोड़ लिया गया तो जैनों ने कौनसा अपराध किया है? दक्षिण भारत के सैकड़ों जैन परिवारों को मैं जानता हूं, जो जैन बनने के पहले वंचित और अस्पृश्य हिंदू थे। चौथा, इन नए मुसलमान और ईसाई लोगों के जुड़ जाने से क्या पहले वाले आरक्षितों के अवसर नहीं घटेंगे? पांचवां, उन्हें यह शक भी है कि यह एक बहुत चालाकीभरा पैंतरा है, जो मुसलमानों और ईसाइयों को जातिवाद में फंसाकर उनका 'हिंदूकरण' करना चाहता है। छठा, विपक्षी नेताओं का आरोप है कि यह 'वोट बैंक' की राजनीति का नया पैंतरा है। ये तर्क सही हैं या नहीं, इस पर अलग से विचार किया जा सकता है लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि 1947 में मजहब के आधार पर भारत के दो टुकड़े हो गए थे, अब यदि जातिवाद ही हमारी राजनीति का आधार बन गया तो भारत के जमीनी टुकड़े हों या न हों, भारत हजार टुकड़ों में बंट जाएगा। जमीन तो शायद हमारी न टूटे लेकिन हमारे दिलों के हजार टुकड़े हो जाएंगे। जन्म के आधार पर सारे आरक्षण खत्म किए जाएं लेकिन जरूरत के आधार पर जरूर दिए जाएं। जातीय और मजहबी आधार पर बिल्कुल नहीं।

इस रहस्यमयी गुफा में कटकर गिरा था भगवान गणेश का सिर

धार्मिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने क्रोध में आकर जब श्री गणेश का सिर काट दिया था तो वह सिर उत्तराखंड स्थित पिथौरागढ़ की पाताल भुवनेश्वर गुफा में जा गिरा था वही धार्मिक पुराणों में भी इस गुफा का उल्लेख किया गया है आपको बता दें कि पिथौरागढ़ जिले में गंगोलीहाट से कम से कम 14 किमी दूर ये चमत्कारी गुफा स्थित है इस गुफा से भगवान शिव और श्री गणेश जी की कई कथाएं जुड़ी मानी जाती है ये पवित्र गुफा 160 मीटर लंबी और कम से कम 90 मीटर गहरी है।

वही इसके आस पास के लोगों का कहना है कि यहां पर आज भी शिव विराजमान है साथ ही साथ शिव द्वारा काटा गया श्री गणेश का सिर भी यहां पर मौजूद है पाताल भुवनेश्वर गुफा भक्तों की श्रृद्धा का केंद्र बना हुआ है हर साल लाखों लोग यहां शिव और श्री गणेश के दर्शन करने आते हैं मान्यता है कि यहां पर दर्शन करने से भक्तों की सभी मुरादें पूरी हो जाती है और कष्टों का अंत होता है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा इस पवित्र स्थल की जानकारी प्रदान कर रहे हैं तो आइए जानते हैं।

धार्मिक ग्रंथ स्कंद पुराण में पाताल भुवनेश्वर का जिक्र किया गया है इसमें बताया गया है कि शिव द्वारा काटा गया श्री गणेश का सिर इस गुफा में आ कर गिरा था साथ ही साथ यह भी मान्यता है कि इस गुफा में भगवान श्री गणेश का सिर चट्टान आकार में है इस चट्टान पर 108 पंखुड़ियों वाला बह्मकमल बना हुआ है।

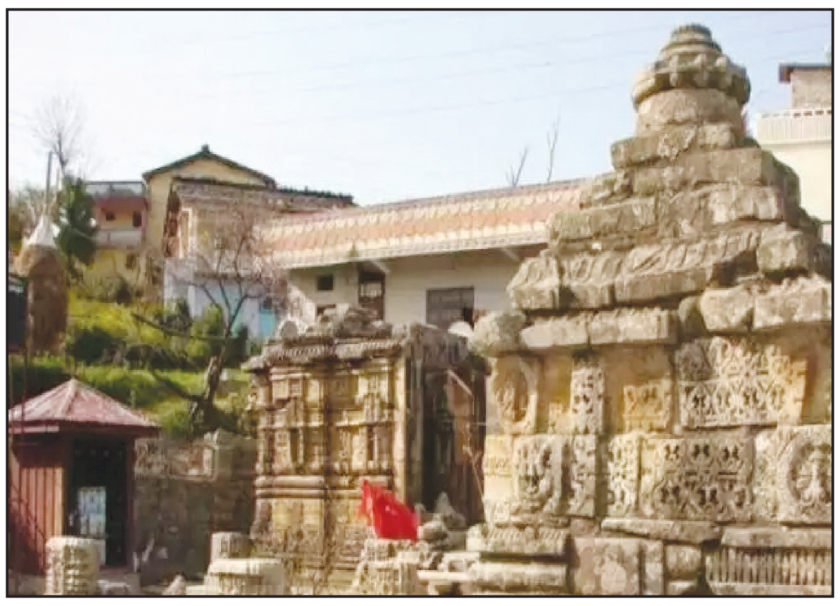

जिसमें अमृत की बूंदे निकलकर श्री गणेश के सिर पर जाकर गिरती है यहां लाखों की संख्या में लोग आकर भगवान के दर्शन कर अपनी मनोकामना को पूर्ण करने का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं वही यहां पर स्थित ब्रह्मकमल को लेकर यह मान्यता है कि इसकी स्थापना भगवान भोलेनाथ ने की थी यहां पूरी निष्ठा और विश्वास के साथ दर्शन पूजन करने से सुख समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और इच्छाएं भी पूरी हो जाती है।

इस चमत्कारी रत्न को धारण करते ही बढ़ने लगता है बैंक बैलेंस

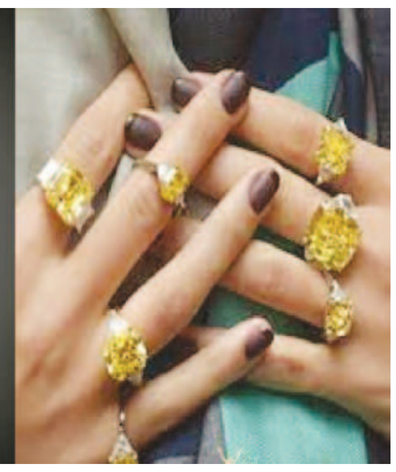

हर किसी के जीवन में रत्न महत्वपूर्ण होते हैं यह व्यक्ति की सुंदरता में चार चांद लगाने का काम करते हैं ज्योतिष में भी इन रत्नों को विशेष माना गया है ज्योतिषीय सलाह लेकर रत्नों को धारण करने से जीवन की कई परेशानियों व समस्याओं का समाधान हो जाता है रत्न शास्त्र में बहुत से रत्न और उपरत्नों का जिक्र किया गया है हर रत्न किसी न किसी ग्रह से संबंधित होता है कुंडली के ग्रहों को मजबूत करने और शुभ फल पाने के लिए भी ज्योतिष रत्न धारण करने की सलाह देते हैं रत्नशास्त्र में पुखराज को बेहद शक्तिशाली और महत्वपूर्ण रत्न माना गया है इस रत्न को धारण करने से गुरु ग्रह मजबूत होता है ज्योतिषशास्त्र में गुरु को सुख समृद्धि और धन दौलत का कारक ग्रह माना जाता है इस रत्न को धारण करने से जीवन में धन और सुख की कमी नहीं रहती है तो आज हम आपको पुखराज रत्न से जुड़ी जानकारी प्रदान कर रहे हैं तो आइए जानते हैं।

रत्नशास्त्र के अनुसार अगर पुखराज रत्न किसी को सूट कर जाए तो यह रत्न 30 दिनों के भीतर ही अपना असर दिखाने लगता है यह रत्न बृहस्पति का प्रतिनिधित्व करता है ऐसे में बृहस्पति के स्वामित्व वाली राशियां धनु और मीन राशि के जातक यह रत्न धारण कर सकते हैं साथ ही साथ मेष, कर्क, सिंह और वृश्चिक राशि के लोग भी इस रत्न को धारण कर सकते हैं इन लोगों को इससे खूब लाभ मिलता है। किसी भी रत्न को धारण करने से पहले ज्योतिष की सलाह लेना जरूरी होता है ऐसे में पुखराज रत्न वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर और कुंभ राशि वाले लोग भूलकर भी ना धारण करें अगर धारण करना भी है तो ज्योतिष की सलाह जरूर लें।

जानिए पुखराज धारण करने की विधि– ज्योतिष की मानें तो जातक को कम से कम 3. 25 कैरेट का पुखराज ही धारण करना चाहिए ये रत्न गुरुवार के दिन सोने या चांदी की अंगूठी में धारण करना शुभ होता है पुखराज को धारण करने से पहले इसे गंगाजल और दूध से शुद्ध करना चाहिए फिर दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में इस रत्न को धारण करना चाहिए इस विधि से पुखराज धारण करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है और परेशानियां भी दूर हो जाती है।

हथेली के ये निशान देते हैं दुर्घटनाओं और बीमारियों के संकेत

जातक की हथेली पर बनने वाले निशान उसके जीवन में अहम भूमिका अदा करते हैं हस्तरेखा शास्त्र में इनको अधिक महत्व दिया जाता है हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हथेली पर बनने वाली रेखाएं , निशान और आकृतियों के द्वारा व्यक्ति के जीवन, करियर, धन, समस्याओं और सुख दुख के बारे में जाना जा सकता है हथेली पर बनने वाली जीवन रेखा को भी हस्तरेखा शास्त्र में खास माना जाता है जीवन रेखा जातक की सेहत और आयु के बारे में बहुत कुछ बयां करती है

जीवन रेखा हथेली पर वहां होती है जहां से इंडेक्स फिंगर और अंगूठे के बीच में आरंभ होकर अंगूठे के निचले हिस्से से कलाई तक जाती है उसे ही जीवन रेखा कहा जाता है इस रेखा को देखकर ही व्यक्ति के जीवन में बीमारियों और दुर्घटनाओं के बारे में जाना जा सकता है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा इसी रेखा के बारे में बता रहे हैं तो आइए जानते हैं।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिन जातकों की हथेली में उनकी जीवन रेखा छोटी होती है उनको जीवन में कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है वही अगर जीवन रेखा पर जंजीर या उलझी हुई कोई रेखा हो तो व्यक्ति को किसी न किसी गंभीर बीमारी का सामना अपने जीवन में करना पड़ता है ऐसा व्यक्ति हेशा ही रोगों से पीड़ित रहता है। अगर हथेली पर जीवन रेखा जरूरत से अधिक पतली हो तो व्यक्ति लंबे वक्त तक बीमार रहने की संभावना अधिक होती है। हथेली में जीवन रेखा पर कोई नक्षत्र का निशान बना हो तो इसे बहुत ही अशुभ माना जाता है

ऐसे लोग अपने जीवन में किसी बड़े शल्य चिकित्सा से गुजरते हैं इनको कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। वही अगर जीवन रेखा की शुरुआत में अधिक रेखाएं हो तो जातक को कई तरह के उतार चढ़ाव का भी सामना करना पड़ता है ऐसा मनुष्य अधिकतर परेशानियों का सामना करता है वही अगर इस रेखा के आखिरी में क्रॉस का निशान हो तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है यह रेखा व्यक्ति की कम आयु में ही मृत्यु का संकेत देती है ऐसी रेखा होने पर व्यक्ति कई परेशानियों से पीड़ित रहता है।

सफलता के इन मंत्रों को नजरअंदाज करने की न करें भूल

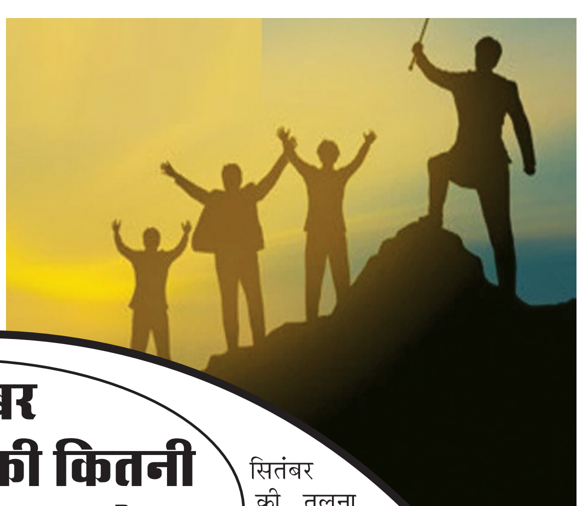

जीवन में तरक्की या सफलता हासिल करने के लिए अमूमन सभी मेहनत करते हैं। लोग जीवन में कोशिशों को करने में जुटे रहते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें वो मुकाम हासिल नहीं होता जिसकी तलाश में वे होते हैं। ऐसे में प्रभावित इंसान मन से काफी दुखी हो जाता है और वह खुद के साथ-साथ अपने भाग्य को भी दोषी मानने लगता है। कड़ी मेहनत और लगन के बाद भी संघर्ष का जारी रहना जीवन का हिस्सा है। इससे दुखी होने के बजाय हमें इसका सामना करना चाहिए। कहा जाता है कि सफलता को हासिल करने के लिए हर कोई इसके पीछे भागता है, लेकिन ये उसी के कदमों में आकर गिरती है, जो अटूट विश्वास के साथ जीवन को जीते हैं।

देखा जाए तो कामयाब होने के लिए कुछ मंत्रों को जीवन में लागू करना जरूरी है। लोग इन मंत्रों को नजरअंदाज करने की भूल करते हैं और ऐसे में तरक्की का रास्ता बंद होने लगता है। हम इन्हीं मंत्रों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं।

खुद पर विश्वास करना: कड़ी मेहनत के बाद भी तरक्की हासिल नहीं हो रही है तो ऐसे में परेशान होना स्वभाविक है। लेकिन खुद पर विश्वास को खो देना बहुत बड़ी भूल है। खुद पर हमेशा विश्वास रखना सफलता का एक बड़ा मंत्र है। इसे हमेशा ध्यान में रखें।

हमेशा अपनी सुनें: लाख कोशिशों के बाद भी जीवन में हालात बुरे बने रहते हैं। ऐसे में लोग दूसरों की बातों को सुनकर उन्हें अपने जीवन में लागू करने की भूल करते हैं। हमेशा अपनी सुनना सफलता का मूल मंत्र है। इसका हमेशा ध्यान रखें। ये भी हैं कि सुनें सब की लेकिन करें अपने मन की।

कमियों को स्वीकारना: जो लोग अपनी कमियों से सीखते हैं, उन्हें जीवन में एक समय ऐसा आता है, जब उन्हें कोई आसानी से हरा नहीं पाता। आप भी सफलता के इस मंत्र को जीवन का हिस्सा बना लें। कमियों को स्वीकार न करना भारी पड़ सकता है।

परिवार का महत्व: आपने चाहे कितनी ही दुनिया देख ली हो, लेकिन इसके चक्कर में परिवार को कम न समझें। एक सफल व्यक्ति की कामयाबी में परिवार का भी बड़ा हाथ होता है। जो लोग परिवार का महत्व समझने जैसे सफलता के मंत्र को नजरअंदाज करते हैं उनसे मिली हुई तरक्की तक छिन सकती है।

अक्टूबर में किस राशि की कितनी होगी कमाई, कैसा रहेगा बाजार का हाल

अक्टूबर महीने में, ग्रहों की स्थिति के अनुसार बाजार में अस्थिरता दिखाई देती है। इस महीने में पहले 10 दिनों में तेजी का दौर देखा जा सकता है और 15 अक्टूबर के बाद 22 से 27 अक्टूबर के बीच मंदी के चरण में 3-4 दिनों के लिए बाजार में उतार-चढ़ाव और अचानक गिरावट देखी जा सकती है।। आइए देखें कि इस महीने बाजारों में क्या महत्वपूर्ण रुझान हो सकते हैं। इस महीने भी बैंकिंग सेक्टर का प्रदर्शन अन्य सेक्टरों के मुकाबले बेहतर रहेगा। निजी बैंक सरकारी बैंकों से बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

फार्मा सेक्टर और केमिकल सेक्टर में तेजी का रुख देखा जाएगा जबकि एफएमसीजी कंपनियों में मंदी का दौर देखा जाएगा। भारतीय बाजार अमेरिका और चीन से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों के रुझान में ज्यादातर 12 अक्टूबर के बाद तेजी देखी जा ए गी ।

सितंबर की तुलना में अक्टूबर में रुपया बेहतर प्रदर्शन करेगा।

अक्टूबर के लिए 3, 10, 18, 20, 24 और 27 तारीख सबसे अस्थिर दिन हो सकते हैं।

अक्टूबर में मेष मिथुन सहित इन 6 राशियों का करियर चमकेगा मिलेगा फायदा

राशियों से जानें किनके लिए कैसा रहेगा अक्टूबर का महीना

मिथुन, कन्या, कुंभ राशि के जातकों को दैनिक आधार पर ट्रेडिंग और फ्यूचर्स ऑप्शंस में डील करने में सावधानी रखनी चाहिए, नुकसान हो सकता है।

कर्क और मकर राशि के जातकों के लिए इस माह व्यापार अच्छा परिणाम देगा। बुधवार और शुक्रवार आपके लिए खास तौर पर बेहतरीन दिन साबित हो सकते हैं क्योंकि इस महिने में अमावस्या और चतुर्दशी दोनों बुधवार और शुक्रवार को नहीं होंगे।

वृश्चिक और मेष राशि के लोगों को इस महीने बहुत अच्छे अवसर मिलेंगे। इस राशि के उन लोगों को और भी फायदा मिल सकता है जिनकी कुंडली में मंगल की बहुत अच्छी स्थिति है।

तुला और वृष राशि के जातकों को इस महीने जोखिम से बचना चाहिए। लंबी अवधि के निवेश और व्यापार पर फोकस करना इनके लिए ठीक रहेगा।

सिंह और मीन राशि के लिए, यह महीना दर्शाता है कि यदि अतिउत्साह और जल्दबाजी में निर्णय लेंगे तो बड़ा नुकसान हो सकता है।

मन अशांत है और आत्मविश्वास की कमी है तो कार्तिक मास में रोज सुबह करें गायत्री मंत्र का जप

कार्तिक शुरू हो चुका है। ये महीना 8 नवंबर तक रहेगा। बारिश का मौसम खत्म होने के बाद अब ठंड शुरू हो जाएगी। कार्तिक मास शीत ऋतु का पहला महीना है और इस महीने में तन-मन को अच्छा बनाए रखने के लिए खान-पान के साथ ही जीवन शैली में भी कुछ बदलाव करना चाहिए। मन अशांत हो या आत्मविश्वास की कमी हो तो कार्तिक मास में रोज सुबह गायत्री मंत्र के जप के साथ ध्यान करने से लाभ मिल सकता है।

कार्तिक मास में खाने में ऐसी चीजें शामिल करें, जिनसे शरीर मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार हो सके। खाने में केसर वाला गर्म दूध, मौसमी फल, संतुलित आहार लें। खान-पान में बदलाव करके और जीवन शैली को सुधार कर हम रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं। खाने में गर्म तासीर वाली खाने की चीजें शामिल करें।

कार्तिक मास में सुबह-सुबह करें गायत्री मंत्र का जप

कार्तिक माह में रोज सुबह जल्दी उठ जाना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए अर्घ्य अर्पित करें। सूर्य पूजा के बाद ध्यान करना चाहिए। ध्यान करते समय गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए। गायत्री मंत्र - ऊँ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात।। इस मंत्र का अर्थ यह है कि सृष्टि की रचना करने वाले, प्रकाशमान परमात्मा के तेज का हम ध्यान करते हैं, परमात्मा का यह तेज हमारी बुद्धि को सही काम करने के लिए प्रेरित करें।

मंत्र जप करते समय ये बातें ध्यान रखें

मंत्र जप के लिए किसी शांत और साफ स्थान का चयन करें।

सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद घर के मंदिर में गायत्री माता की मूर्ति या चित्र के सामने कुश के आसन पर बैठें।

गायत्री माता की पूजा करें और गायत्री मंत्र का जप कम से कम 108 बार करें।

इसके लिए रुद्राक्ष की माला का इस्तेमाल करें।

मंत्र जप से दूर होता है तनाव और बढ़ता है आत्मविश्वास

इस मंत्र के जप से हमारा उत्साह और आत्म विश्वास बढ़ता है, अशांति दूर होती है। विचार सकारात्मक होते हैं, क्रोध जैसी बुराई शांत रहती है। एकाग्रता बढ़ती है।

तमन्ना भाटिया के अपने लेटेस्ट लुक से फिर ढाया कहर

व्हाइट शर्ट और डेनिम जीन्स में बढ़ाया इंटरनेट का पारा

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया अपने फैंस के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है, और आए दिन अपने नए लुक की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में तमन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है, जिसमे उनका ग्लैमरस लुक नजर आ रहा हैं। इन तस्वीरों में तमन्ना गोल्डन एम्ब्रॉडरी वाली व्हाइट शर्ट और ब्लू डेनिम जीन्स पहने नजर आ रही हैं। तमन्ना ने अपने लुक को ब्लैक हाई हील शूज, खुले बाल और मैचिंग ईयररिंग्स के साथ कंप्लीट किया हैं। तमन्ना भाटिया इस लुक में वह काफी बोल्ड लग रही हैं और कैमरे के सामने कातिलाना अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। तमन्ना भाटिया हाल ही में रितेश देशमुख के साथ नेटफ्लिक्स की फिल्म 'प्लान ए प्लान बी' में नजर आई हैं।

उर्वशी रौतेला ने ग्रीन लहंगे में बरपाया क़हर

तस्वीरें देख हो जाएंगे दीवाने

उर्वशी रौतेला को आज किसी पहचान की जरूरत नहीं हैं। उर्वशी अपनी खूबसूरती को लेकर छाई रहती हैं। उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। वहीं अब उन्होंने अपनी कुछ लेटेस्ट फोटो शेयर की हैं जिसमें वो बला की खूबसूरत लग रही हैं। इन फोटोज को देखकर एक्टर्स पर से नजरें हटाना बेहद ही मुश्किल है। उर्वशी रौतेला ग्रीन लहंगे-चोली में नजर आ रही हैं जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। एक्ट्रेस ने हाथों में डांडिया ले रखा है और वो कातिल अदाओं के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का मेकअफ भी कमाल का लग रहा है।

उर्वशी रौतेला ने अपनी ड्रेस को गुजराती स्टाइल में कैरी किया है। वहीं उनकी ड्रेस का बैक लुक भी देखने वाला है। इसी के साथ उनका हेयर स्टाइल भी एक्ट्रेस पर काफी जच रहा है और उन्होंने सिर पर हाथ रखा है और फोटो क्लिक करवा रही हैं। उर्वशी रौतेला ने ड्रेस के साथ मौचिंग हैवी जूलरी पहनी हैं। एक्ट्रेस ने हाथों में कड़े, कानों में झुमके और गले में नेकलेस पहना है। इस लुक में उनकी खूससूरती लोगों को दीवाना बना रही हैं। एक्ट्रेस ने फोटो शेयर करते हुए एक कैप्शन भी लिखा।

उर्वशी रौतेला ने कैप्शन में लिखा कि, 'कैसे भुला दू उसको, मौत इंसानों को आती है, यादों को नहीं।' इसी के साथ दिल टूटने वाला इमोजी बनाया। वहीं फोटो में उन्होंन ड्रेस के साथ मैचिंग डांडिया ले रखा है। इस पोस्ट को अब तक लाखों लोग लाइक कर चुके हैं।

उर्वशी रौतेला की फोटोज सोशल मीडिया पर आते ही छा जाती हैं। एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त हैं और उनकी एक झलक का फैंस को इंतजार रहता हैं।

आदिपुरुष के बचाव में आगे आए रामानंद सागर के बेटे

बोले- 'समय के साथ बदलता है धर्म'

ओम राउत की फिल्म 'आदिपुरुष' के टीजर जारी होने के बाद से बवाल मचा हुआ है. इन सबके बीच फिल्म निर्माता रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर अब आदिपुरुष का सपोर्ट में आगे आए हैं. दरअसल साउथ स्टार प्रभास और सैफ अली खान की फिल्म 'आदिपुरुष' रामायण पर बेस्ड है. इस फिल्म के टीजर रिलीज होने के बाद से मिला-जुला रिएक्शन मिल रहा है. जहां कुछ यूजर्स फिल्म के वीएफएक्स और इसमें दिखाए गए राम-रावण के लुक की काफी आलोचना कर रहे हैं वहीं कुछ ऐसे वीडियो भी सामने आ रहे हैं जिनमें लोग आदिपुरुष के टीजर की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. एक इंटरव्यू में प्रेम सागर ने आदिपुरुष डायरेक्टर ओम राउत का सपोर्ट करते हुए कहा, आप किसी को कुछ भी बनाने से कैसे रोक सकते हैं? उन्होंने कहा, 'समय के साथ धर्म बदलता है' और 'ओम राउत ने वही किया जो उन्हें ठीक लगा.' हालांकि पक्ष लेने से इनकार करते हुए, उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माता ने फिल्म को 'रामायण' नहीं कहा है." वैसे रामानंद सागर की रामायण में काम करने वाले सभी कलाकारों ने 'आदिपुरुष' का विरोध किया है. बता दें कि आदिपुरुष का सोसाइटी के कुछ वर्गों ने विरोध किया है. फिल्म के टीजर को देखते हुए इन लोगों का दावा है कि फिल्म रामायण को सही तरीके से रिप्रेजेंट नहीं करती है. जहां कुछ पॉलिटिशियन ने कुछ देवताओं के डिजाइन के बारे में शिकायत की है, तो वहीं अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य पुजारी ने फिल्म पर बैन लगाने की मांग की है.

जब मलाइका का हद से ज्यादा रिवीलिंग लुक देख फैन्स को आई थी उर्फी जावेद की याद..

मलाइका अरोड़ा कई सालों से इंडस्ट्री में हैं और आज भी वो फिटनेस और खूबसूरती के मामले में नई एक्ट्रेसेज को कड़ी टक्कर देती हैं. मलाइका अपने ड्रेसिंग सेंस और स्टाइल को लेकर भी बहुत चर्चा में रहती हैं क्योंकि वो हमेशा काफी बोल्ड अंदाज में तैयार होती हैं. कई बार उनके लुक को पसंद किया जाता है तो कई बार उन्हें उनकी बोल्डनेस के लिए ट्रोल भी किया जाता है. ऐसा ही कुछ हाल ही में हुआ जब मलाइका को उनकी हद से ज्यादा रिवीलिंग ड्रेस के लिए बहुत ट्रोल किया गया और यह भी कहा गया कि उन्हें देखकर लोगों को उर्फी जावेद की याद आ रही है..

अगर आप सोच रहे हैं कि हम यहां किस लुक की बात कर रहे हैं तो बता दें कि मलाइका अरोड़ा इस साल के फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के लिए काफी बोल्ड लुक में तैयार हुई थीं. इस ईवेंट के लिए एक्ट्रेस ने हरे रंग की एक डीप नेकलाइन वाली रिवीलिंग ड्रेस पहनी थी जिसमें से उनके ब्रेस्ट्स भी नजर आ रहे थे. मलाइका इस लुक के लिए काफी ट्रोल की गई थीं. जैसा कि हमने आपको बताया, मलाइका अपने इस लुक पर बहुत ट्रोल हुई थीं और ऐसे कई लोग थे जिन्होंने एक्ट्रेस को टीवी की बोल्ड हसीना, उर्फी जावेद से कम्पेयर किया था. कई लोगों ने उनकी तस्वीरों के नीचे लिखा था कि उन्हें मलाइका को देखकर उर्फी की याद आ रही है और कहीं मलाइका उर्फी से ट्रेनिंग लेकर तो नहीं आई हैं.

फनी अंदाज में दिखे रितेश-जेनेलिया

सोशल मीडिया पर शेयर किया कॉमेडी वीडियो, फैंस बोले- सेम टू सेम मैं भी ऐसे ही फंस गया था

रितेश और जेनेलिया बॉलीवुड के चहेते कपल में से एक हैं। सोशल मीडिया पर आए दिन दोनों अपनी वीडियोज से फैंस को एंटरटेन करते रहते हैं। हाल ही में जेनेलिया ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक वीडियो शेयर किया, जो बेहद सुर्खियों में है। वीडियो में जेनेलिया ने खुलासा किया है कि उन्हें रितेश के बारे में क्या पसंद है।

वीडियो में रितेश पूछते हैं - 'कि आप ने मुझमें ऐसा क्या देखा था, जो आप मुझसे शादी करने को तैयार हो गए?' इस पर जेनेलिया जवाब देती हैं कि- मैंने आपको अपनी बालकनी से कपड़े धोते और बर्तन धोते देखा था।' वीडियो में जेनेलिया और रितेश बेहद क्यूट नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस इस वीडियो को खासा पसंद कर रहे हैं। वीडियो देखकर एक यूजर ने कहा- मेरे साथ भी यही हुआ था, मैं भी ऐसे ही फंस गया था। इसके अलावा कई यूजर्स सोशल मीडिया पर कपल की तारीफ कर रहे हैं।

करण जौहर ने पूछ लिया करीना से मर्दों से जुड़ा ये प्राइवेट सवाल

करीना का पुराना इंटरव्यू

करण जौहर का टॉक शो 'कॉफी विद करण' मनोरंजन जगत का सबसे विवादित टॉक शो माना जाता है. इस शो से कई ऐसी बातें बाहर आई हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर खूब बवाल मचाया और इन्हीं में से एक इंटरव्यू करीना का भी है, जब वो मर्दों के प्राइवेट पार्ट पर बोल उठी थीं.

'कॉफी विद करण' में वो एक बार एक्टर इमरान खान के साथ पहुंची थीं और इस दौरान करण ने बहुत से कंट्रोवर्सियल सवाल पूछे थे. रैपिड फायर राउंड के दौरान करण ने करीना से कई सवाल पूछे लेकिन करीना ने उनका जवाब देने से इनकार कर दिया. हालांकि करण के समझाने पर वो ये खेल खेलने के लिए तैयार हो गईं.

बात जब भी दिल खोलकर बोलने की हो तो करीना कपूर का नाम आप पहले नंबर पर ले सकते हैं. उन्होंने हर बार अपने दिल की बात बेधड़क होकर कही है और इस वजहे से उन्हें कई बार परेशानियों का सामना भी करना पड़ा है. एक बार तो उन्होंन मर्दों के प्राइवेट पार्ट के बारे में करण जौहर के शो में ही कह दिया था. जिसके बाद लोग काफी हैरान रह गए थे. करण जौहर और करीना कपूर को काफी अच्छा दोस्त माना जाता है और इनकी बॉन्डिंग के चर्चे पूरे बॉलीवुड में होते हैं और जब भी वो करण जौहर के शो में आती हैं तो सनसनी मचा कर जाती हैं.

साइज को लेकर दिया जवाब

करण जौहर ने करीना कपूर से ये पूछ लिया कि क्या साइज मैटर करता है? इस पर करीना कुछ देर के लिए शांत हो गईं. वहीं इमरान खान ने कहा कि वो इसका जवाब सुनना चाहते हैं. थोड़ा सोचने के बाद करीना ने जवाब दिया कि उनके लिए साइज मायने रखता है. करीना का यह जवाब काफी ज्यादा खबरों में आ गया था. हालांकि, एक्ट्रेस को इन सबसे कुछ खास फर्क पड़ा नहीं था.

शहनाज गिल का साउथ इंडियन लुक देख पिघला फैंस का दिल

कहा- गजरे में बवाल लग रही हो

फैंस की चहेती शहनाज गिल जहां भी जाए अपनी झलक फैंस के साथ जरुर शेयर करती हैं। फैंस भी अपनी बार्बी डॉल की हर अपडेट बड़े चाव से देखते हैं। अब शहनाज एक अवॉर्ड नाइट में पहुंची। जहां उन्होंने अपने लुक के लिए खूब सुर्खियां बटोरी। एक्ट्रेस का यह लेटेस्ट लुक सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। फैंस भी एक्ट्रेस की खूबसूरती देख आहें भर रहे हैं।

कांजीवरम साड़ी में ढहाया कहर

दरअसल,बीते दिन बेंगलुरु में फिल्मफेयर साउथ अवॉर्ड का आयोजन किया गया। जहां शहनाज गिल ने भी शिरकत की। अवॉर्ड नाइट में शहनाज गिल साउथ इंडियन लुक में नजर आईं और बला की खूबसूरत लग रही थीं। एक्ट्रेस ने रेड कारपेट के लिए सिल्वर और गोल्ड कलर की कांजीवरम साड़ी चुनी। इसके साथ उन्होंने गोल्ड की ज्वेलरी कैरी करते हुए बालों का जूड़ा बनाया और उसे सफेद फूलों के गजरे से सजाया। पंजाबी शहनाज गिल इस साउथ इंडियन लुक में कमाल की लगीं और इवेंट में उन्होंने खूब तारीफें भी बटोरी।

टीवी एक्टर्स में क्यों बढ़ता जा रहा है डिप्रेशन

टीना दत्ता ने खोला राज!

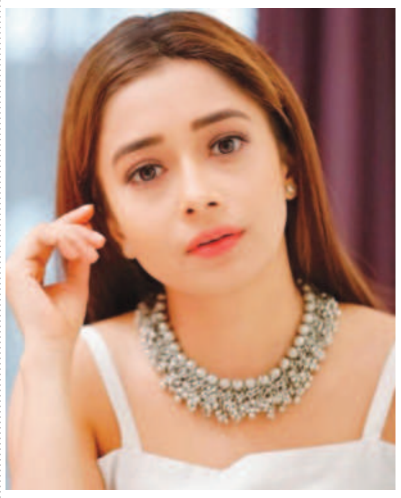

बॉलीवुड हो या फिर टीवी इंडस्ट्री, एक्टर्स में तनाव के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में एक्टर्स के सुसाइड करने के कई मामले सामने आए हैं। टीवी और सिनेमा जगत में क्यों डिप्रेशन इतना ज्यादा बढ़ता जा रहा है इस मामले पर हाल ही में एक्ट्रेस टीना दत्ता ने बात की। बिग बॉस सीजन 16 की कंटेस्टेंट टीना दत्ता ने शो में बातचीत के दौरान बताया कि एक्टर्स को क्या कुछ फेस करना पड़ता है। टीना दत्ता ने बिग बॉस हाउस में अंकित गुप्ता के साथ बातचीत में बताया था कि एक्टर बनना इतना भी आसान नहीं है। टीना ने बताया कि कलाकारों को कई बार 14-15 घंटे तक लगातार काम करना पड़ता है। टीवी शो 'उतरन' के जरिए लोकप्रिय हुईं टीना दत्ता ने बताया कि इससे इंसान का वर्क-लाइफ बैलेंस बिगड़ जाता है और वह परिवार को वक्त नहीं दे पाता।

टीना दत्ता ने बताया कि कई शूट ऐसे होते हैं जो लगातार चलते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि दिन का ज्यादातर वक्त कलाकार सेट पर ही बिता देते हैं। इतना ही नहीं कलाकारों को बमुश्किल ही छुट्टियां मिलती हैं। क्योंकि ज्यादातर टीवी शोज और फिल्में एक तय समय सीमा के भीतर खत्म करनी होती हैं ऐसे में छुट्टी की गुंजाइश नहीं बचती।

नेहा मलिक ने ऑफ शोल्डर ड्रेस में कराया स्टनिंग फोटोशूट, फैंस हुए पानी-पानी

एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी हॉट पोस्ट से इंटरनेट का तापमान बढ़ाते नजर आती हैं। नेहा मलिक की अदाएं देख हर कोई अपना होश खो बैठता है। एक्ट्रेस की एक झलक पाने के लिए लोग बेताब रहते हैं। नेहा मलिक आए दिन अपने बोल्ड वीडियो और फोटो के जरिए सुर्खियों में बनी रहती हैं। साथ ही एक्ट्रेस अपने सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं

और अपने पोस्ट से लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। नेहा मलिक ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट पिक्चर्स शेयर की है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी ज्यादा हॉट लग रही हैं। एक्ट्रेस की ये फोटोज कुछ ही समय में आग की तरह फैलती नजर आ रही है। जिसमें वो काफी सेक्सी पोज देती देखी जा रही हैं। अपने इस लेटेस्ट फोटोशूट नें नेहा मलिक ने ब्लू कलर की काफी सेक्सी आउटफिट कैरी की है। जिसमें वो काफी ग्लैमरस लग रही हैं। नेहा मलिक ने अपने इस आउटफिट के साथ मैचिंग ईयररिंग कैरी किया है और अपने बालों को खुला रखा है। जिसे देख फैंस लट्टू हो रहे हैं। एक्ट्रेस अपनी हर फोटो में एक के बाद एक एक्सप्रेशन देकर फैंस के पसीने छुड़ा रही हैं। एक्ट्रेस की अदाएं देख लोग पानी-पानी हो रहे हैं।

शादी के 4 महीने बाद मां बनीं नयनतारा

एक्ट्रेस नयनतारा और उनके पति विग्नेस 9 अक्टूबर को ट्विन्स के पेरेंट्स बने हैं। दोनों की शादी 9 जून को हुई थी। शादी के 4 महीने बाद ही नयनतारा के मां बनने पर गॉसिप गलियारों में तरह-तरह के चर्चे हैं। यह गुडन्यूज मिलने के बाद लोग उनकी शादी की तस्वीरों में बेबी बंप खोज रहे हैं। वहीं यह भी सुगबुगाहट है कि नयनतारा सरोगेसी से मां बनी हैं। हालांकि कई लोग नयनतारा और विग्नेश के सपोर्ट में सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं और उन्हें बधाइयां भी मिल रही हैं।

लोगों ने जताई हैरानी

साउथ एक्ट्रेस नयनतारा शादी के 4 महीने बाद ट्विन्स की मां बनी हैं। उनके फैन्स और करीबी इस खबर से काफी खुश हैं। वही कुछ लोग इस बात पर हैरानी जता रहे हैं कि इतनी जल्दी वह कैसे मां बन गईं जबकि इस बीच किसी को उनके प्रेग्नेंट होने की खबर तक नहीं लगी। लोग उनकी पुरानी तस्वीरें भी चेक कर रहे हैं। चर्चा है कि उनके बेबीज सरोगेसी के जरिये हुए हैं। हालांकि विग्नेश या नयनतारा की तरफ से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं है। लोगों के नेगेटिव कमेंट्स के बीच कई लोग उनके सपोर्ट में सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं।

सपोर्ट में आए लोग

एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा है, सरोगेसी, अडॉप्शन, नैचुरल बर्थ, जो भी हो रहने दीजिए। अपनी नाक मत घुसाइए। प्रिवसी तो मजाक बनकर रह गई है, परिवार को शांति से रहने दीजिए। अगर उन्हें साझा करना होगा और जब बताना होगा तो बता देंगे। एक और कमेंट है, मुझे नहीं पता कि जब सिलेब्स सरोगेसी या आईवीएफ चुनते हैं तो इतना स्टीरियोटाइप क्यों है, ये उनके स्पर्म/एग्स हैं, उनकी इच्छा है, जो भी है लोगों को उनकी पर्सनल लाइफ में दखल नहीं देना चाहिए।

श्रद्धा कपूर ने बॉडीकॉन ड्रेस पहन उड़ाई नींदें फैंस की बढ़ी धड़कनें

श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की बेहतरीन और खूबसूरत एक्ट्रेस हैं। श्रद्धा की सादगी फैंस को दीवाना बना देती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ लेटेस्ट फोटोज शेयर की है जिसमें वो बहेद ही खूबसूरत लग रही हैं। ये फोटोज सोशल मीडिया पर छा गई हैं जिसे देखकर फैंस अपना दिल हार रहे हैं। श्रद्धा कपूर ने इन फोटोज को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है जिसमें आप देख सकते हैं कि, वो ग्रे कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इन फोटोज में देख सकते हैं कि उन्होंने बालों को खुला रखा हैं और कानों में इयररिंग्स पहने हैं। एक्ट्रेस कातिल अदाओं के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं जिसे देखकर फैंस पानी-पानी हो रहे हैं। श्रद्धा कपूर की फोटोज को लाखों लाइक्स मिल गए और ये आंकड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। श्रद्धा कपूर की फोटो पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं और अपना दिल हार रहे हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की फोटो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए 'लव' लिखा।

इन वजहों से गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा

शरीर में विषाक्त पदार्थ और अपशिष्टों का जमा होना कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है। पथरी बनना ऐसी ही एक समस्या है। स्टोन की समस्या मुख्यरूप से शरीर के दो हिस्सों- किडनी या पित्त की थैली में बन सकती है। किडनी में बनने वाले स्टोन को दवाइयों और घरेलू उपायों के माध्मय से निकालना आसान होता है जबकि पित्त की थैली, चूंकि एक बंद थैली नुमा अंग है ऐसे में इसमें होने वाले स्टोन को निकालने के लिए ज्यादातर मामलों में सर्जरी को ही एक विकल्प माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हमारे खान-पान की गड़बड़ आदतें गॉलब्लैडर स्टोन का कारण बन सकती हैं।

पाचन तरल पदार्थों के अपशिष्टों के जमा होने के कारण पित्ताशय की थैली में पथरी बनती है। पित्ताशय या गॉलब्लेडर, पेट के दाहिने ओर लिवर के ठीक नीचे एक छोटा नाशपाती के आकार का अंग होता है। पित्ताशय की थैली में पित्त नामक एक पाचक द्रव होता है जो छोटी आंत में स्रावित होता रहता है, यह पाचन के लिए आवश्यक माना जाता है। गॉलब्लेडर स्टोन की स्थिति में पेट में तेज दर्द की समस्या होती है, इससे बचाव के लिए जीवनशैली और आहार का ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है। आइए जानते हैं कि किन वजहों से पित्ताशय में पथरी बन सकती है?

कोलेस्ट्रॉल की अधिकता

पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत अधिक होती है। आमतौर पर पित्त में कोलेस्ट्रॉल को खत्म करने के लिए पर्याप्त मात्रा में रसायन होते हैं, हालांकि अगर लिवर पित्त की तुलना में अधिक कोलेस्ट्रॉल का उत्सर्जन करने लगता है तो इसे कम करना कठिन हो जाता है। इस स्थिति में अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल, क्रिस्टल के रूप में पित्त की थैली में जमा होने लगता है। यही जमाव गॉलब्लैडर स्टोन का कारण बन सकती है।

बिलीरुबिन की मात्रा का बढ़ना

पित्त में बिलीरुबिन की भी अधिकता होती है। बिलीरुबिन एक रसायन है जो लाल रक्त कोशिकाओं के ब्रेक डाउन के समय उत्पन्न होता है। कुछ स्थितियों के कारण जब आपका लिवर बहुत अधिक मात्रा में बिलीरुबिन बनाने लगता है तो इससे लिवर सिरोसिस, पित्त पथ में संक्रमण, पीलिया और कुछ रक्त विकार हो सकते हैं। अतिरिक्त बिलीरुबिन के कारण भी पित्त की थैली में पथरी बन सकती है।

पित्ताशय का ठीक से खाली न होना

अगर आपका पित्ताशय ठीक से खाली नहीं हो रहा तो इस स्थिति में भी पित्त का अधिक जमाव हो सकता है जिसके कारण पित्त की थैली में पथरी का निर्माण होने लगता है। पित्ताशय के ठीक तरीके से खाली ने होने की शारीरिक रूप से कई वजहें हो सकती हैं।

गॉलब्लेडर स्टोन का कारण बनने वाली स्थितियां

मोटापा या अधिक वजन होने से भी पित्त की थैली में पथरी होने का खतरा बढ़ जाता है।

जिन लोगों के आहार में फाइबर वाली चीजों की मात्रा कम होती है उनमें भी गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा रहता है।

भोजन छोड़ना या अक्सर उपवास करना भी पित्त की पथरी के खतरे को बढ़ा सकता है।

बवासीर के लक्षण व रामबाण आयुर्वेदिक इलाज

बवासीर यानी पाइल्स एक गंभीर बीमारी है, जिसमें व्यक्ति को अपने नित्यकर्म में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. किसी पुरानी कब्ज और टाइट दस्त के कारण बवासीर की समस्या ट्रिगर हो सकती है. मलाशय और मलमार्ग में फोड़ों को बवासीर के रूप में जाना जाता है. बवासीर के कई कारण हो सकते हैं. लेकिन बवासीर में व्यक्ति को मलत्याग में बड़ी समस्या होती है. यह एक आम समस्या है और हर चार में से तीन को कभी न कभी बवासीर की समस्या से गुजरना पड़ता है. अच्छी बात ये है कि बवासीर का इलाज है और आधुनिक चिकित्सा में इसका ऑपरेशन भी होता है, जबकि आयुर्वेद और घरेलू उपचार के जरिए भी बवासीर की समस्या से निजात मिल सकती है.

बवासीर के प्रकार

बवासीर मुख्यतः दो प्रकार का होता है. दोनों ही प्रकार के बवासीर में मरीज को कई तरह की दिक्कतें होती हैं।

एक्सटर्नल पाइल्स यानी बाह्य बवासीर – इस तरह का बवासीर गुदा मार्ग यानी मल मार्ग के आसपास की त्वचा के नीचे होता है.

इंटरनल बवासीर यानी अंदरूनी बवासीर – यह प्रकार का बवासीर व्यक्ति के मलाशय यानी रेक्टम में मौजूद होता है. इन्हें देखा या महसूस नहीं किया जा सकता, लेकिन मल त्याग के दौरान दर्द रहित ब्लीडिंग हो सकती है.

बवासीर के लक्षण

बवासीर में व्यक्ति को मल त्यागने में परेशानी होती है. बवासीर की समस्या ज्यादा होने पर व्यक्ति को बैठने में भी समस्या होने लगती है. इसके अलावा कई ऐसे लक्षण हैं जो बवासीर की ओर संकेत करते हैं.

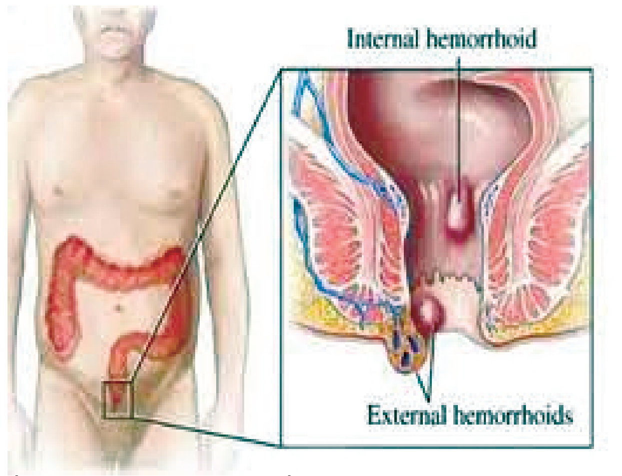

बार-बार मल त्यागने की इच्छा होना, लेकिन मल न निकलना

बवासीर के कारण

आयुर्वेद में बवासीर को 'अर्श' कहा गया है. वात, पित्त और कफ तीनों दोषों के दूषित होने की वजह से बवासीर होता है. यही वजह है कि आयुर्वेद में इसे त्रिदोषज रोग भी कहा गया है. कई लोगों में बवासीर पीढ़ी दर पीढ़ी चलता है. इसके कई अन्य कारण भी होते हैं.

कई लोगों को अपनी जॉब के कारण कई घंटों तक खड़े रहना पड़ता है, और लंबे समय तक खड़े रहने से भी बवासीर हो सकता है. ज्यादा तला-भुना और मिर्च मसाले युक्त भोजन भी बवासीर का कारण बनता है.

ठीक से शौच न होना और फाइबर युक्त भोजन का सेवन न करना भी बवासीर का कारण हो सकता है.महिलाओं में प्रसव के दौरान गुदा क्षेत्र पर अधिक दबाव पड़ने से भी बवासीर का खतरा रहता है. शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण भी बवासीर हो सकता है. धूम्रपान और शराब के सेवन के चलते भी बवासीर हो सकता है.

बवासीर में तुरंत आराम के लिए क्या करें?

इप्सम साल्ट और ग्लिसरीन की दो-दो चम्मच लेकर मिलाएं और प्रभावित जगह पर 15-20 मिनट तक लगा रहने दें. यह घरेलू उपचार दर्दनाक बवासीर को कम करने में मदद करता और तुरंत आराम मिल सकता है. इससे सूजन में भी आराम मिलता है.

बवासीर का घरेलू इलाज

बवासीर के लिए कई तरह के घरेलू उपाय मौजूद हैं. उनमें से एक हल्दी भी है. हल्दी को गुणों की खान माना जाता है. हल्दी से बवासीर में बहुत उपयोगी साबित हो सकती है. ऐसे ही कई अन्य घरेलू उपाय हैं, जिनका इस्तेमाल करके आप बवासीर में राहत पा सकते हैं.

हल्दी पाउडर और नारियल तेल

आयुर्वेदिक के अनुसार नारियल का तेल कई बीमारियों के इलाज में अहम भूमिका निभाता है. नारियल के तेल में चुटकीभर हल्दी पाउडर मिलाकर बवासीर की जगह पर हल्के हाथों या कॉटन ले लगा लें. इससे आपको गुदा के बाहरी हिस्से में होने वाले बवासीर में राहत मिल सकती है.

हल्दी और एलोवेरा जेल

एलोवेरा को उसकी ठंडी तासीर के लिए जाना जाता है. एलोवेरा जेल में हल्दी पाउडर मिलाकर रात में नियमित तौर पर सोने से पहले गुदा मार्ग के बवासीर वाली जगह पर लेप लगाने से राहत मिलती है. इस उपाय को कम से कम दो हफ्तों तक लगातार करें.

देसी घी और हल्दी है रामबाण इलाज

देसी घी अपने गुणों के लिए जाना जाता है. अगर आप नियमित रूप से देसी घी का सेवन करते हैं तो कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है. बवासीर की समस्या से निजात पाने के लिए देसी घी में चुटकीभर हल्दी मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें और बवासीर वाली जगह पर नियमित तौर पर लगाने से कुछ ही दिनों में बवासीर की समस्या गायब हो जाएगी.

हल्दी, बकरी का दूध और काला नमक का उपाय

बसासीन के लक्षणों से आराम पाने के लिए एक कप बकरी के दूध में एक चम्मच हल्दी और आधा चम्मच काला नमक मिलाकर कुछ दिन तक सेवन करें. नियमित तौर पर सेवन करने से कुछ दिनों में ही बवासीर में राहत मिलेगी.

नहाने के टब में हल्दी का उपाय

नहाने के टब दो चम्मच हल्दी मिला लें और फिर उसमें 15 मिनट के लिए बैठें. नियमित तौर पर कुछ दिन तक ऐसा करने से बवासीर में राहत मिल सकती है.

गर्भावस्था में ब्रेस्ट से पानी क्यों आता है?

महिलाओं को ज्यादा केयर करने की जरूरत होती है. ऐसे में उनके शरीर में कई बदलाव आते हैं उनमें से एक बदलाव है ब्रेस्ट से पानी आना. जानते हैं यह समस्या आम है या गंभीर...

प्रेगनेंसी के दौरान अक्सर महिलाओं के शरीर में कई तरीके के बदलाव देखे जाते हैं. कुछ बदलाव इनमें से सकारात्मक होते हैं तो कुछ बदलाव नकारात्मक होते हैं. ऐसे में बता दें कि प्रेगनेंसी के दौरान कुछ महिलाओं को ब्रेस्ट से पानी भी आता है. इसके पीछे कुछ आम भी कारण होते हैं और कुछ गंभीर कारण भी हो सकते हैं. ऐसे में इन कारणों के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि प्रेगनेंसी के दौरान यदि ब्रेस्ट से पानी आए तो उसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं.

ब्रेस्ट से पानी आने के कारण

ब्रेस्ट से पानी आने के पीछे कुछ गंभीर कारण भी हो सकते हैं और कुछ आम कारण हो सकते हैं. इन कारणों के बारे में पता होना जरूरी है।

जब ब्रेस्ट में किसी प्रकार की गांठ महसूस हो तब भी व्यक्ति को लक्षणों के तौर पर पानी आने की समस्या हो सकती है.

जब महिलाएं प्रेगनेंसी के दौरान टाइट ब्रा पहन लेती हैं या ब्रेस्ट पर कोई तेज चीज रगड़ जाती है तब भी यह समस्या हो सकती है

प्रेगनेंसी के दौरान थायराइड की समस्या होने पर भी है लक्षण नजर आ सकते हैं

जब महिलाओं की ब्रेस्ट में इंफेक्शन हो जाता है तब भी ब्रेस्च से पानी आने की समस्या हो सकती है.

बता दें कि प्रेगनेंसी के दौरान पानी आना यानी कि आप के बेस्ट शिशु के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं. हालांकि ज्यादा पानी आ रहा है तो ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

प्रेगनेंसी के दौरान पानी निकलना कब शुरू होता है?

आमतौर पर प्रेगनेंसी के दौरान बेस्ट से पानी आने की समस्या 26वें हफ्ता से 30वें सप्ताह में शुरू हो जाती है.

हालांकि कुछ महिलाओं को 12वें सप्ताह में भी ये लक्षण महसूस हो सकते हैं.

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए करें ये योगासन

हेपेटाइटिस लिवर से जुड़ी बीमारी है। जब संक्रमण के कारण लिवर में सूजन हो जाती है, जो हेपेटाइटिस की समस्या हो सकती है। लिवर शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। लिवर खाने को पचाने में मदद करता है। लिवर में होने वाली समस्या शरीर के सुचारू रूप से कार्य करने की क्षमता पर असर डालती है, जो व्यक्ति के लिए जानलेवा भी हो सकता है। ऐसे में हेपेटाइटिस और लिवर से जुड़ी अन्य बीमारियों से बचने के लिए कुछ उपाय करने चाहिए। लिवर को मजबूत बनाने के लिए योगासन काफी फायदेमंद है। नियमित कुछ खास योगासनों के अभ्यास से लिवर को स्वस्थ बनाया जा सकता है। योग कई बीमारियों से शरीर को दूर रखता है, साथ ही रोगियों की सेहत को सुधारने के लिए भी योग फायदेमंद है। चलिए जानते हैं लिवर को सेहतमंद रखने और लिवर इन्फेक्शन व हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों से बचाव के लिए फायदेमंद योगासनों के बारे में।

भुजंगासन

लिवर को मजबूत रखने के लिए भुजंगासन काफी फायदेमंद है। भुजंगासन के नियमित अभ्यास से लिवर पर सेहतमंद असर पड़ता है। ये आसन लिवर की कई समस्याओं को ठीक करने के लिए असरदार है। इस आसन को करने के लिए पेट के बल सीधे लेट जाए। पैरों के बीच थोड़ी दूरी रखें। अब हाथों को छाती के पास ले जाकर हथेलियों को नीचे टिका लें। गहरी सांस लेते हुए नाभि को ऊपर उठाते हुए आसमान की तरफ देखें। इसी मुद्रा में कुछ देर रहें। इस दौरान सामान्य सांस लेते रहें। अब पुनः वाली अवस्था में आ जाएं। ये प्रक्रिया तीन-चार बार करें।

नौकासन

हेल्दी लिवर के लिए नौकासन

का अभ्यास भी फायदेमंद है। इस आसन में शरीर नौका के आकार का हो जाता है। कई बीमारियों से लड़ने के लिए नौकासन योगाभ्यास असरदार है। नौकासन करने के लिए शवासन की मुद्रा में लेटकर धीरे-धीरे एड़ी और पंजे को मिलाएं। अब दोनों हाथों को कमर से सटाकर हथेली और गर्दन को जमीन पर रखें। फिर दोनों पैरों के साथ गर्दन और हाथों को भी ऊपर उठाते हुए अपने शरीर का पूरा वजन हिप्स पर डाल दें। करीब 30 सेकेंड इसी अवस्था में रहें, बाद में शवासन की मुद्रा में वापस आ जाएं।

शलभासन

लिवर को स्वस्थ रखने और हेपेटाइटिस की बीमारी से बचाव के लिए शलभासन का अभ्यास किया जा सकता है। इस योग को करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेटकर हथेलियों को जांघों के अंदर रखें। सांस अंदर की ओर लेते हुए दोनों पैरों को ऊपर उठाएं। इस दौरान घुटने स्थिर रहें और पैर साथ जुड़े रहें। माथे को जमीन पर टिकाकर रखें। करीब 10 सेकेंड इसी अवस्था में रहें और फिर पैरों को नीचे लाते हुए सांस छोड़ें।

कपालभाति

कपालभाति का अभ्यास लिवर को हेल्दी रखने में मदद करता है। नियमित कपालभाति करने से लिवर की बीमारियों से बचाव होता है। ये पेट की समस्या को भी दूर कर सकता है। कपालभाति करने के लिए वज्रासन, सिद्धासन या पद्मासन की अवस्था में बैठ जाएं। गहरी सांस लेते हुए सांस को 5-10 सेकेंड तक इसी अवस्था में रहें और फिर सांस को नाक से छोड़ें। इस आसन को रोजाना 10-15 मिनट करें।

ये दो घरेलू उपाय डार्क सर्कल्स से दिलाएंगे छुटकारा

आंखों के नीचे डार्क सर्कल होने पर चेहरे की चमक खो जाती है. अचानक व्यक्ति के चेहरे पर बुढ़ापे और कमजोरी के निशान नजर आने लगते हैं. हालांकि, डार्क सर्कल का उम्र से कोई लेना देना नहीं है. नींद की कमी, खराब ब्लड सर्कुलेशन और थकान की वजह से आंखों के नीचे डार्क सर्कल हो सकते हैं. आंखों के नीचे काले घेरे या डार्क सर्कल के कई अन्य कारण भी हो सकते हैं. इस लेख में आंखों के नीचे डार्क सर्कल से जुड़ी जानकारी और घरेलू उपाय के बारे में जानेंगे. पोषण की कमी, धूम्रपान, धूप के कारण त्वचा को नुकसान पहुंचने या आनुवंशिक कारणों की वजह से भी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हो सकते हैं. मौसम बदलने पर होने वाले एलर्जिक रिएक्शन, सर्दी-जुकाम और नाक बंद होने की वजह से भी डार्क सर्कल्स दिख सकते हैं. आजकल लोग घंटों कंप्यूटर और मोबाइल की स्क्रीन पर देखते रहते हैं, इसकी वजह से भी आंखों के नीचे काले घेरे नजर आ सकते हैं.

टी बैग्स का उपाय

अगर आंखों के आसपास काले घेरे हो गए हैं तो टीबैग सबसे आसानी से उपलब्ध और असरदार तरीकों में से एक हैं. इसके लिए चाय बनने के बाद टी-बैग को फ्रिज में रखकर ठंडा कर लें. जब यह टी बैग ठंडे हो जाएं, फिर उन्हें अपनी आंखों पर रखकर ठंडा सेक लगाएं. 15-20 मिनट तक टीबैग को ऐसे ही आंखों के ऊपर रखे रखें. माना जाता है कि चाय में मौजूद कैफीन यहां की नसों पर प्रभाव डालती है. इससे आंखों के आसपास की नसों में ब्लड सर्कुलेशन में सुधार आता है और डार्क सर्कल दिखाई देना बंद हो जाते हैं.

दूध से भगाएं डार्क सर्कल

चेहरे की रंगत निखारनी हो तो दूध एक बेहतरीन घरेलू उपाय है. दूध त्वचा को डीप क्लीन करके चेहरे में चमक लाता है. डार्क सर्कल की समस्या से निजात पाने के लिए ठंडे दूध से त्वचा की मसाज की जा सकती है.

पैरों एवं हाथों की उंगलियों में दर्द व जलन होती हैं

प्रश्न : मेरी उम्र 35 वर्ष है। पिछले एक महीने से मेरे पैरों एवं हाथों की उंगलियों में दर्द व जलन होने लगी है। आयुर्वेद में इलाज बताएं।

- सांबशिव राव, मेदक

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है आपको वातरक्त याने गठिया का प्रकोप हुआ है। इसे ही गाउट नाम से भी जाना जाता है। इसमें हाथ पैर की उंगलियों और संधियों में तीव्र पीड़ा व जलन होती है। इसमें स्पर्श असह्य हो जाता है। शून्यता (नंबनेस) और त्वक वैवर्ण्य भी प्रमुख लक्षणों के रूप में सामने आते हैं। इसकी विशेष जांच के लिए और विभेदक निदान के लिए रक्त में यूरिक एसिड के स्तर की जांच की जाती है। यदि यूरिक अम्ल का स्तर 6 के ऊपर जाता है तो यह रोग निश्चित रूप से वातरक्त ही है। आयुर्वेद में इसका उपचार है । एकौषधि में गुडूची क्वाथ, शुद्ध गुग्गुलु व वासा स्वरस का प्रयोग वांछित फल देता है। मिश्रित प्रयोगों में ऊंझा कैशोर गुग्गुलु, पुनर्नवादी गुग्गुलु या औरा अमृता गुग्गुलु विशेष रूप से उपयोगी साबित हुए हैं। पीड़ा के स्थान पर पिंड तेल की मालिश बेहतर नतीजे देती है। ऊंझा महारास्नादि क्वाथ को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने जल के साथ मिलाकर, सुबह-शाम भोजन के बाद पीने से आराम मिलता है।

पथ्य में - सभी दालें, प्रोटीन युक्त पदार्थ कम से कम करें। उड़द, कुलथी, गन्ने का रस, दही आदि बंद करें। दिन में सोना, धूप का सेवन, अधिक व्यायाम, मैथुन आदि कर्म को त्यागना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। दांतों में कीड़ा लग गया है। बहुत दर्द करता है। कृपा कर सरल उपाय बताएं।

-विश्वनाथ वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : आप की स्थिति 'कृमिदंत' या 'डेंटल कैरीज' कहलाती है। वात दोष के प्रकोप से दांतों में खाली स्थान या दंतखात (डेंटल कैविटीज) बन जाती है और इससे दंतक्षय होने लगता है। इस दंतक्षय से दांतों-मसूढ़ो में शोथ, स्राव, दांतों का हिलना, या दांतों का ढीलापन होकर तीव्र वेदना प्रारंभ हो जाती है।

तुरंत लाभ के लिए लवंग तेल लगाएं। बाद में ऊंझा इरिमेदादि तैल का प्रयोग करें। तीव्र वेदना में भी में घी में भूनी हींग को दंतखात में भर दें। यह सारी चिकित्सा सामयिक चिकित्सा होगी। पूर्ण लाभ के लिए आप दंत रोग विशेषज्ञ से मिलें। केविटिज को भरवाएं। यदि दांत ज्यादा खराब हो गए हो तब सलाह लेकर रूट कैनाल थेरेपी कराएं।

प्रश्न : मैं 26 वर्षीय विवाहिता हूं। पिछले 6 माह से मेरे दोनों स्तनों और बगल में भारीपन और दर्द रहता है। स्तनों में गांठें तो नहीं है पर हिलने -डुलने पर दर्द बढ़ जाता है। यह अक्सर मासिक से सात से दस दिन पहले शुरू हो जाता है और मासिक धर्म के साथ ही खत्म हो जाता है। इसका उपचार बताएं।

- श्रीमती प्रभा वेंकटेश, विजयवाड़ा

उत्तर : प्रत्येक माह मासिक चक्र के दिनों में स्त्री के शरीर में हारमोंस के स्तर पर परिवर्तन आता है। जिसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है । स्तन भी इससे अछूते नहीं रहते। यह परिवर्तन सभी स्त्रियों में होता है। लेकिन अधिक संवेदनशील स्त्रियां इसे सहन नहीं कर पाती।

मासिक धर्म के दौरान हारमोंस के बदलाव को सहन करने लायक बनाने के लिए आप औरा आप फेमिब्लेझ सिरप 15 मिलीलीटर की मात्रा में भोजन के बाद लिया करें। मासिक चक्र की अनियमितता एवं उसके दौरान होने वाली पीड़ा को कम करने आप ऊंझा सुंदरी संगिनी सैरप का प्रयोग कर सकती हैं। इसके संग ऊंझा ताप्यादि लौह टिकिया एवं मेनोवास लेना प्रभावी परिणाम देता है। जब स्तन में अधिक भारीपन हो तब आप रात के समय ज्यादा कसी हुई ब्रा का प्रयोग ना करें या ब्रा ही ना पहने। दर्द ज्यादा रहने पर ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु का प्रयोग करें।

भोजन में ताजे मौसमी फल एवं सब्जियां लेवें। नमकीन, मिठाईयां, बासी भोजन, फास्ट फूड, जंक फूड, होटल या दावत का भोजन ना खाएं। भरपूर नींद लेवें।

प्रश्न : शरीर पर लाल रंग के चकत्ते उभर आते हैं और उनमें खाज चलने लगती है। कृपा कर कोई आयुर्वेदिक उपाय बताएं।

- सांबशिव ,कामारेड्डी

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य शीतपित्त तो हो गया है। आप कृपा कर पित्तवर्धक आहार विहार से बचें । नमकीन, तले पदार्थ, मसालेदार चटपटे व्यंजन ना खाएं।

बृहद हरिद्रा खंड सुबह-शाम भोजन के पहले खा कर गुनगुना पानी पिएं। औरा एलेक्झी टिकियां दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। रात सोने से पहले लघु सुतशेखर रस का प्रयोग करें। हरी मिर्च और खटाई का त्याग करें। जल्दी ही आराम मिल जाएगा।

डॉ च पुरुषोत्तम बिदादा

Email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य चिपकाएं।

आयुर्वेदिक प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396 लोअर टैंकबंड, हैदराबाद-80

भारत को मिला स्विस अकाउंट डिटेल्स का चौथा सेट

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत को स्विस बैंक अकाउंट डिटेल्स का चौथा सेट मिला है। ऐनुअल ऑटोमैटिक एक्सचेंज ऑफ इन्फॉर्मेशन के तहत स्विटजरलैंड ने 101 देशों के साथ लगभग 34 लाख फाइनेंशियल अकाउंट की डिटेल्स शेयर की है। भारत को एईओआई के तहत स्विटजरलैंड से पहला ब्योरा सितंबर 2019 में मिला था, जब उसने 75 देशों के साथ सूचना साझा की थी। भारत के साथ शेयर की गई डिटेल्स सैकड़ों फाइनेंशियल अकाउंट से जुड़ी है, जिसमें मल्टीपल अकाउंट भी शामिल हैं। इस डेटा का इस्तेमाल टैक्स चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग जैसे गलत कामों की जांच में किया जाएगा।

यह एक्सचेंज पिछले महीने हुआ था और इन्फॉर्मेशन का अगला सेट स्विटजरलैंड सितंबर 2023 में शेयर करेगा। डेटा प्रोटेक्शन और गोपनीयता पर भारत में आवश्यक लीगल फ्रेमवर्क की समीक्षा सहित, एक लंबी प्रक्रिया के बाद स्विटजरलैंड ने भारत के साथ एईओआई के लिए सहमति व्यक्त की थी। एक्सचेंज की गई डिटेल्स में नाम, पता, निवास का देश और टैक्स आइडेंटिफिकेशन नंबर के साथ-साथ अकाउंट बैलेंस और कैपिटल इनकम से जुड़ी जानकारी शामिल है। एक्सपर्ट के अनुसार, भारत को मिला एईओआई डेटा उन लोगों के खिलाफ एक मजबूत केस बनाने में काफी उपयोगी रहा है, जिनके पास बेहिसाब संपत्ति है। डेटा में डिपॉजिट और ट्रांसफर के साथ-साथ सभी कमाई की पूरी जानकारी होती है। सिक्योरिटीज और अन्य एसेट में निवेश शामिल है।

सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 57,990 पर बंद

निफ्टी 73 अंक टूटा; बैंक और ऑटो शेयर्स सबसे ज्यादा गिरे

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से मिले कमजोर संकेतों से हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 57,990 पर बंद हुआ।

निफ्टी 73 अंक कि गिरावट के साथ 17,241 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में गिरावट रही। वहीं सिर्फ 11 शेयरों में तेजी देखने को मिली।

टाटा मोटर्स-टाटा कंज्यूमर टॉप लूजर

एक्सिस बैंक, टीसीएस, एचडीएफसी लाइफ, विप्रो, आयशर मोटर्स, सूचना, मारुति और टेक महिंद्रा समेत निफ्टी-50 के 15 शेयरों में तेजी रही। वहीं टाटा मोटर्स, टाटा कंज्यूमर, हीरो मोटोकॉर्प, एशियन पेंट्स,आईटीसी, टाइटन और ग्रासिम समेत निफ्टी के 35 शेयरों में गिरावट देखने को मिली।

बैंक और ऑटो सेक्टर में गिरावट

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 10 में गिरावट रही। सिर्फ आईटी सेक्टर में 1% से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा बैंक, ऑटो, मेटल, फाइनेंशियल सर्विसेज, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी मीडिया, प्राइवेट बैंक, रियल्टी और फार्मा सेक्टर में गिरावट रही। सोने-चांदी में गिरावट, रुपया कमजोर सर्राफा बाजार में आज सोने-चांदी में गिरावट देखने को मिली। आज 24 कैरेट सोना 51,120 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी की बात करें तो ये आज 58,949 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 4 पैसे कमजोर हुआ है।

अमेरिका मार्केट में शुक्रवार को रही थी बड़ी गिरावट

अमेरिका मार्केट में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली थी। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार डाओ जोंस 630 (2.11%) अंक और नैस्डैक 420 (3.80%) अंक लुढ़के थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को कैश में 2251 करोड़ रुपए की बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने कैश में 545 करोड़ रुपए की खरीदारी की।

श्रीनगर: केंद्रीय मंत्री सिंधिया और एलजी सिन्हा ने चौथे हेली-इंडिया समिट का किया उद्घाटन

जम्म,10 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया और जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को श्रीनगर में चौथे हेली-इंडिया समिट 2022 का उद्घाटन किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि श्रीनगर में आज हेली-समिट का आयोजन कर हेलिकॉप्टर सेवाओं के क्षेत्र में विस्तार की एक नई शुरुआत हुई है। इस दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू कश्मीर जितना खूबसूरत है, उतनी गति से विकसित भी हो रहा है। प्रदेश में निवेश तेजी से बढ़ रहा है। पहले विभिन्न रैंकिंग में जम्मू कश्मीर का नाम नीचे से देखा जाता था, लेकिन अब ऊपर रैंकिंग देखना शुरू की जाती है। यह बदलाव प्रदेश में आया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों और कार्गो दोनों के लिए सार्वजनिक परिवहन के साधन के रूप में हेली सेवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार की मंजूरीः जम्मू-कश्मीर सीमेंट लिमिटेड अब निजी हाथों में सौंपी जाएगी, 2012 से घाटे में चल रही कंपनी वहीं, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना है। श्रीनगर में आज हेली-समिट का आयोजन कर हेलिकॉप्टर सेवाओं के क्षेत्र में विस्तार की एक नई शुरुआत हुई है। हेली पॉलिसी व आपातकालीन चिकित्सा में हेलिकॉप्टर के उपयोग के कार्य शुरू किए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास, खास कर पर्यटन के क्षेत्र में नए शिखर की ओर बढ़ते जम्मू-कश्मीर के लिए नागर विमानन की वृद्धि अति महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। जम्मू कश्मीरः देश की पहली कार्बन न्यूट्रल पंचायत बदहाल, 1500 सोलर पैनल के आसपास दलदल, मोदी ने किया था शुभारंभ।

सोने-चांदी के हाजिर भाव में भारी गिरावट

2074 रुपये सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मजबूत डॉलर के सामने पस्त होता रुपया और शेयर बाजार में आज हुई गिरावट के बीच सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी की चमक फीकी पड़ गई। सोमवार यानी आज 10 अक्टूबर को 24 कैरेट सोने के भाव में 448 रुपये की कमी आई है। वहीं चांदी के भाव औंधेमुंह गिरे हैं। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक आज 24 कैरेट सोना 51317 रुपये के रेट से खुला, जबकि शुक्रवार को यह 51908 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला था। वहीं, चांदी 2074 रुपये प्रति किलो सस्ती होकर 58774 रुपये पर आ गई है। शुक्रवार को यह 61154 रुपये के रेट से खुली थी। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 4937 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 17234 रुपये सस्ती है। जीएसटी समेत 24 कैरेट सोने का भाव 52856 रुपये पर पहुंच जा रहा है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब जीएसटी के साथ 52645 रुपये पर पहुंच गई है। आज यह 51112 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 47006 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। अब 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ सोने की कीमत 48416 रुपये पर पहुंच गई है। 18 कैरेट गोल्ड का रेट 38488 रुपये पर है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 39642 रुपये हो गई है। यहां 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 30020 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इसमें जीएसटी जोड लें तो इस सोने का भाव 30920 रुपये पर पहुंच गया है। बता दें इसमें ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है।

टीसीएस को सितंबर तिमाही में 8.3% का हुआ प्रॉफिट

रेवेन्यू 18% बढ़कर 55,309 हुआ, अब कंपनी बांटेगी मुनाफा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सर्विस कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने सोमवार को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजें जारी कर दिए। दूसरी तिमाही में टीसीएस के कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट में 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसकी के साथ सितंबर 2022 तिमाही के लिए टीसीएस का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 10,431 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 9,624 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में आईटी प्रमुख का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 18 प्रतिशत बढ़कर 55,309 करोड़ हो गया, जो एक साल पहले 46,867 करोड़ था। इतना ही नहीं कंपनी ने अपने शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड देने का भी फैसला किया है। कंपनी के बोर्ड ने 8 प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की। तिमाही नतीजों के बीच टीसीएस के शेयर बीएसई पर अपने लगभग 2% बढ़कर 3,121 रुपये पर बंद हुए। वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही के लिए अपने परिणामों की घोषणा करते हुए, टीसीएस ने बताया कि इस तिमाही में उसने 9,840 नए कर्मचारियों को जोड़े हैं। पहले कर्मचारियों की संख्या 616,171 थी। जून तिमाही में टीसीएस ने कहा था कि नौकरी छोड़ने की दर 19.7% थी, जबकि मार्च तिमाही में टीसीएस की नौकरी छोड़ने की दर 17.4% थी।

एसीसी और अंबुजा के बाद इस सीमेंट कंपनी को खरीदने की तैयारी में गौतम अडानी

जानें कितने में हो सकती है डील

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया के सबसे रईस व्यक्ति व्यक्ति गौतम अडानी एसीसी और अम्बुजा के बाद एक और सीमेंट कंपनी को खरीद सकते हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार इस पूरी डील पर नजर रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि अडानी समूह कर्ज में डूबी कंपनी जय प्रकाश पॉवर वेंचर्स लिमिटेड को आने वाले दिनों में खरीद सकती है। दोनों कंपनियों के बीच बातचीत भी शुरू हो गई है। हालांकि, इस पूरे मसले पर आधिकारिक पुष्टी नहीं हुई है। इस पूरे मसले पर नजर रखने वाले व्यक्ति के अनुसार अडानी समूह जय प्रकाश पॉवर वेंचर्स लिमिटेड को 50 अरब रुपये (606 मिलियन डॉलर) में खरीद सकती है। बता दें, इसी साल अडानी समूह ने अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी लिमिटेड के अधिग्रहण को पूरा कर किया है। अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी की संयुक्त रूप से स्थापित क्षमता 6.75 करोड़ टन सालाना है। साल 2050 तक इस सेक्टर के तेजी से बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। यही वजह है कि अडानी समूह एक के बाद एक इतना बड़ा दांव खेल रहा है। सोमवार को शेयर मार्केट को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि निग्री सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट और कंपनी की अन्य गैर-प्रमुख संपत्तियों के विनिवेश की योजना है। इसी जानकारी के बाद कंपनी के शेयरों की कीमतों में सोमवार को तेजी देखने को मिली है। आपको बता दें कि एसीसी और अम्बुजा सीमेंट में अडानी समूह का सबसे बड़ा अधिग्रहण था। यह देश के इंफ्रास्ट्रक्चर सेग्मेंट में अबतक का सबसे बड़ा विलय एवं अधिग्रहण सौदा था। इस सौदे के पूरा होने के बाद अडानी की अंबुजा सीमेंट्स में 63.15 प्रतिशत और एसीसी में 56.69 प्रतिशत हिस्सेदारी (अंबुजा सीमेंट्स के जरिये 50.05 प्रतिशत हिस्सेदारी) हो गई है। इस अधिग्रहण का कुल मूल्य 6.50 अरब डॉलर था।

तैरता पोस्ट ऑफिस: डल झील में शिकारा डाक और पार्सल कलेक्शन सेवा शुरू

श्रीनगर 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीनगर की मशहूर डल झील में शिकारे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र तो हैं ही, ये 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली झील में रहने वाले लोगों की जीवन रेखा भी हैं। इन शिकारों पर अस्पताल, एटीएम और तैरता पोस्ट ऑफिस भी है। देश में अपनी तरह की पहली शिकारा डाक और पार्सल कलेक्शन सेवा रविवार को शुरू हो गई। जम्मू कश्मीर परिमंडल के चीफ पोस्ट मास्टर जनरल नीरज कुमार ने इसे जनता को समर्पित किया। डल में फ्लोटिंग डाकघर की व्यवस्था करीब 200 साल पुरानी है। यह व्यवस्था झील में रहने वाले लोगों के बीच डाक एवं पार्सल बांटने के लिए की गई थी। अब डाक एवं पार्सल सेवा डल झील में स्थित व्यापारियों, हाउसबोट मालिकों और डल झील में हाउसबोट में ठहरने वाले पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए शुरू की जा रही है। यह सेवा डाक एवं पार्सल लोगों से एकत्र भी करेगी। कश्मीर की विश्व प्रसिद्ध डल झील पर तैरता डाकखाना पूरी तरह से कार्यात्मक है और हर सुविधा प्रदान करता है। सामान्य डाक घरों से यह काफी अनोखा है। यहां की स्टांप और इस डाक घर में चलने वाला म्यूजियम काफी मशहूर है। यह पोस्ट ऑफिस अंग्रेजों के जमाने का है। लेकिन इसे नया नाम 2011 में फ्लोटिंग पोस्ट ऑफिस मिला। पहले इसका नाम नेहरू पार्क पोस्ट ऑफिस था। 2011 में तत्कालीन चीफ पोस्ट मास्टर जॉन सैम्युअल ने इसका नाम फ्लोटिंग पोस्ट ऑफिस रखवाया। अगस्त 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और तत्कालीन केंद्रीय संचार और आईटी मंत्री सचिन पायलट ने इसका उद्घाटन किया था। यह पोस्ट ऑफिस जिस हाउसबोट में है उसमें दो कमरे हैं। एक कमरा पोस्ट ऑफिस के तौर पर काम करता है और दूसरा कमरा म्यूजियम के रूप में है। इस डाक खाने को हेरिटेज के रूप में देखा जाता है। कई पर्यटक डाक खाने को देखने के लिए आते हैं। यहां अधिकांश टिकट और पोस्टकार्ड कश्मीर के विभिन्न दृश्य दर्शाते हैं।

चेक बाउंस के बढ़ते मामलों से निपटने की तैयारी

अन्य खातों से पैसे काटने जैसे तरीकों पर विचार

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने चेक बाउंस के बढ़ते मामलों को देखते हुए हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी। इसमें उसे कई तरह के सुझाव मिले थे। ऐसे मामलों से निपटने के लिए मंत्रालय विचार कर रहा है कि चेक जारी करने वाले के अन्य खातों से पैसे काटे जाएं और उसे नए खाते खोलने से भी रोका जाए। कानूनी प्रक्रिया से पहले उठाने पड़ेंगे कदम दरअसल, चेक बाउंस के मामलों में कानूनी प्रणाली पर भार बढ़ता है। इसलिए वित्त मंत्रालय की बैठक में ऐसे सुझाव दिए गए हैं, जो कदम कानूनी प्रक्रिया से पहले उठाने होंगे। जैसे चेक जारी करने वाले के खाते में यदि पर्याप्त राशि नहीं है तो उसके अन्य खातों से राशि काटना। सुझावों को स्वीकार करने से पहले ली जाएगी कानूनी राय सूत्रों के मुताबिक, अन्य सुझावों में चेक बाउंस के मामले को कर्ज चूक की तरह लेना और इसकी जानकारी ऋण सूचना कंपनियों को देना शामिल है। उन्होंने कहा कि इस सुझावों को स्वीकार करने से पहले कानूनी राय ली जाएगी। ये सुझाव अगर लागू होते हैं तो भुगतानकर्ता को चेक का भुगतान करने पर मजबूर होना पड़ेगा और मामले को अदालत तक ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे कारोबारी सुगमता भी बढ़ेगी व खाते में पर्याप्त राशि न होने के बावजूद चेक जारी करने के चलन पर भी रोक लगेगी। चेक जारीकर्ता के अन्य खाते से स्वतः राशि काटने के लिए मानक संचालक प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर) और अन्य सुझावों को देखना होगा। चेक बाउंस होने की स्थिति में मामला अदालत में दायर किया जा सकता है। यह एक दंडनीय अपराध है, जिसमें चेक की राशि से दोगुना जुर्माना या दो वर्ष तक का कारावास या दोनों सजा शामिल हैं। इससे पहले हाल ही में उद्योग संगठन पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड कंपनी ने हाल ही में वित्त मंत्रालय से अनुरोध किया था कि चेक बाउंस के मामले में बैंक से पैसा निकलने पर कुछ दिन तक की अनिवार्य रोक जैसे कदम उठाए जाएं, जिससे चेक जारीकर्ता को जवाबदेह बनाया जा सके।

आपात स्थिति में ही क्रेडिट कार्ड से निकालें पैसे, लगता है भारी ब्याज

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन में लोग खरीदारी करते समय जमकर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसकी प्रमुख वजह कार्डधारकों को कई तरह की सुविधाएं मिलना है। इन सुविधाओं में ब्याज मुक्त कर्ज चुकाने की अवधि, क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाले रिवार्ड प्वाइंट, कैशबैक और अन्य कई प्रकार के छूट शामिल हैं। कर्जदाता कंपनियां अपने ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी की भी सुविधा देती हैं। इसके जरिये जरूरत पड़ने पर अपने कार्ड से पैसे भी निकाल सकते हैं। जानकारों का कहना है कि क्रेडिट कार्डधारकों को आपात स्थिति में इससे नकद निकासी करनी चाहिए क्योंकि इस पर आपको भारी-भरकम ब्याज और लेनदेन शुल्क चुकाना पड़ता है। साथ ही क्रेडिट स्कोर भी इससे प्रभावित होता है। बैंक या अन्य कर्जदाता अपने ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड से पैसे निकालने की अलग-अलग लिमिट देते हैं, जो कार्ड की अधिकतम लिमिट के आधार पर तय होती है। सामान्य तौर पर बैंक या अन्य कर्जदाता अपने क्रेडिट कार्डधारकों को कार्ड से कुल लिमिट का 20 से 40 फीसदी तक रकम निकालने की छूट देते हैं। अगर आपके क्रेडिट कार्ड की अधिकतम लिमिट दो लाख रुपये है तो आप अपने कार्ड से 40,000 से लेकर 80,000 रुपये निकाल सकते हैं। क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी पर ब्याज के अलावा अतिरिक्त शुल्क का भी भुगतान करना पड़ता है।

यह शुल्क आपकी ओर से निकाली गई राशि का 2.5 फीसदी से तीन फीसदी तक हो सकता है। अगर आप क्रेडिट कार्ड से दो लाख रुपये निकालते हैं तो आपको 5,000 से 6,000 रुपये तक अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ेगा।

सरकारी योजनाओं में निवेश पर भारी घाटा

सुकन्या समृद्धि पर भी सरकार ने चलाई कैंची

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्ज पर जहां ब्याज पिछले पांच महीनों में करीब दो फीसदी तक बढ़ा है, वहीं दूसरी ओर जमा पर ब्याज एक फीसदी तक ही बढ़ा है। महंगाई दर लगातार सात फीसदी के ऊपर है। लेकिन इस बीच जो सबसे बड़ा झटका लगा है वह छोटी बचत योजनाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए है।

पिछले दो वर्षों में इन पर मिलने वाले ब्याज में जमकर कटौती की गई है। इसमें जो सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात है वह यह कि वरिष्ठ नागरिकों से लेकर बच्चियों के लिए शुरू की गई योजना सुकन्या समृद्धि पर भी सरकार ने कैंची चला दी है। ऐसे में निवेश के लिए अब यह साधन बहुत आकर्षक नहीं रह गए हैं। खासकर इनकी लंबे समय तक की लॉक इन अवधि निवेशकों के लिए और भी सेटबैक है। कई कंपनियों के कॉरपोरेट बॉन्ड पर इस समय नौ फीसदी से ज्यादा ब्याज मिल रहा है। जबकि एनसीडी पर यह 10 फीसदी तक है। इनका लॉक इन अवधि भी अन्य योजनाओं की तुलना में काफी कम है। इस समय कई कंपनियों के एनसीडी भी आए हैं। कुछ एनबीएफसी भी जमा पर आकर्षक ब्याज दे रही हैं। ऐसे में इन साधनों में निवेश के लिए मौका तलाशा जा सकता है। एक साल के टाइम डिपॉजिट पर वित्तवर्ष 2020 की चौथी तिमाही में 6.9 फीसदी ब्याज था अब यह 5.5 फीसदी है। इसी दौरान 2 साल के टाइम डिपॉजिट पर ब्याज 6.9 फीसदी से घटकर 5.7 फीसदी, 3 साल के टाइम डिपॉजिट पर 6.9 फीसदी से घटकर 5.8 फीसदी और 5 साल के टाइम डिपॉजिट पर यह 7.7 फीसदी से घटकर 6.7 फीसदी रह गया। यही नहीं, रिकरिंग जमा पर भी इस दौरान ब्याज घट गया। यह 7.2 फीसदी से घटकर 5.8 फीसदी पर आ गया है। सरकार की इन योजनाओं में वरिष्ठ नागरिकों को भी घाटा हुआ है। वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में 5 साल की वरिष्ठ नागरिक बचत योजना पर 8.6 फीसदी ब्याज मिलता था। अब यह घटकर 7.6 फीसदी पर आ गया है। 5 साल की मासिक आय योजना (इनकम स्कीम) पर तब 7.6 फीसदी ब्याज मिलता था। अब यब 6.7 फीसदी हो गया है। 5 साल के राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र पर तब 7.9 फीसदी ब्याज मिलता था जो अब घटकर 6.8 फीसदी हो गया है।

इसी तरह पीपीएफ पर यही ब्याज 7.9 फीसदी से घटकर 7.1 फीसदी जबकि किसान विकास पत्र पर यह 7.6 फीसदी से कम होकर 7 फीसदी हो गया है। सुकन्या समृद्धि योजना जिस पर सबसे ज्यादा 8.4 फीसदी ब्याज मिलता था, यह भी अन्य योजनाओं की तरह घाटे वाली हो गई। अब इस पर 7.6 फीसदी ब्याज मिल रहा है।

त्योहारी सीजन में डबल इंजन से दौड़ रहा बाजार

ऑनलाइन शॉपिंग से हो रहा फायदा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑफलाइन बिजनेस जहां सामान्य हो गया है, वहीं ऑनलाइन वाला मॉडर्न रिटेल बिजनेस जबरदस्त ग्रोथ दिखा रहा है। दोनों के समन्वय से बाजार कोरोना की छाया से अब आजाद हो चला है...बंगलूरू में बर्तनों की साधारण दुकान से सफर शुरू हुआ था। कुछ अलग करने की चाह ने गैस चूल्हा बनाने की दिशा में प्रेरित किया। फिर गैस कनेक्शनों के साथ कोब्रांडिंग के तहत चूल्हे बेचना शुरू किया। जल्द ही स्टोवक्राफ्ट देश में गैस कुकटॉप बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी बन गई। प्रेशर कुकर हमारा दूसरा प्रमुख उत्पाद बना। धीरे धीरे दक्षिण की कुकवेयर इंडस्ट्री में स्टोवक्राफ्ट पूरी तरह स्थापित हो गया। कुकवेयर और किचन अप्लायंस क्षेत्र के लिए कोविड काल का अनुभव अलग था। हमारे उत्पादों की मांग घटने की बजाय बढ़ गई थी। वर्क फ्रॉम होम का दौर था। औरतों के साथ मर्दों का ज्यादा समय रसोई में गुजर रहा था। लोग ऑनलाइन उत्पादों की मांग कर रहे थे। लेकिन, समस्या सप्लाई की थी। कोविड में उत्पादन जारी रखना और लागत कंट्रोल में रखना बड़ी चुनौती थी। प्लस पाइंट यह था कि हमारे अधिकांश पुर्जे हम खुद बनाते थे। ऑफलाइन बिजनेस चैनल ठप होना चुनौती थी, लेकिन ऑनलाइन चैनलों की बदौलत हम टिके रहे। ऑनलाइन शॉपिंग न होती तो हमारा कारोबार पाताल में चला जाता। दुकानें, गोदाम, आउटलेट बंद थे। ऐसे में ऑनलाइन सेल वरदान बनी। अच्छी बात यह थी कि ऑनलाइन चैनलों पर स्टोवक्राफ्ट पहले से तैयार था। हमारा ई-कॉमर्स बिजनेस अनुपात इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा है। 2010 में सेकुआ कैपिटल से हमें निवेश मिला था। कुछ वर्ष बाद उन्होंने पैसा निकाल लिया। लिहाजा 2018-19 के आसपास हमने पब्लिक इश्यू की योजना बनाई। लेकिन, कुछ गड़बड़ी से इश्यू टल गया। बाद में कोविड आ गया। कोविड के पहले दौर के बाद हमने फिर कमर कसी और मैदान में उतर गए। निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। उसकी वजह है। कुकवेयर इंडस्ट्री का बिजनेस सीजनल होता है। पहली व आखिरी तिमाही हमारे बाजार में हल्की होती है। त्योहारी मांग दूसरी और तीसरी तिमाही में ही उभार पर आती है।

यह सीजन ओणम से क्रिसमस-नववर्ष तक चलता है। इसलिए निवेशकों को सलाह यह है कि स्टोवक्राफ्ट या किसी और कुकवेयर कंपनी के संदर्भ में वार्षिक कामकाज पर फोकस करें। कंपनी का सालाना कारोबार अब 1100 करोड़ पार कर चुका है।

नोबेल पुरस्कार 2022: इकोनॉमिक्स का नोबेल 3 एक्सपर्ट को

इन्होंने बैंकिंग और सोसायटी के रिश्तों की अहमियत बताई

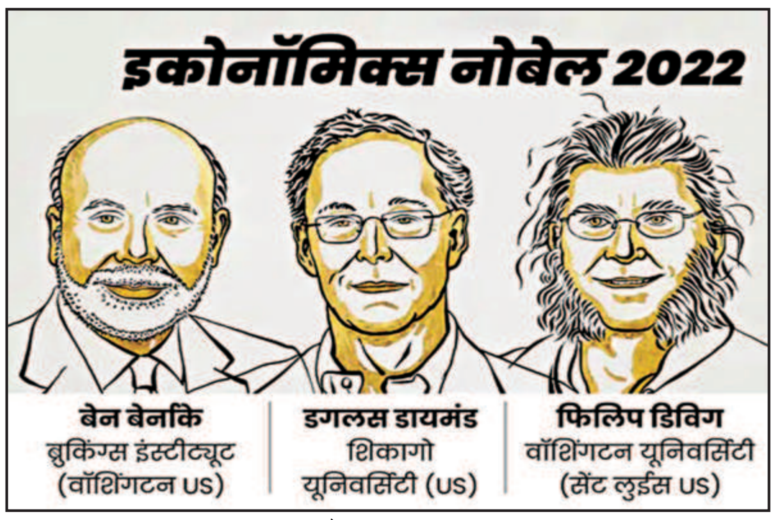

स्टॉकहोम, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोबेल प्राइज वीक 2022 के आखिरी दिन इकोनॉमिक्स का नोबेल पुरस्कार घोषित हुआ। इस साल यह प्राइज बैंकिंग सेक्टर के एक्सपर्ट तीन इकोनॉमिस्ट को दिया गया है। ये हैं- बेन बेर्नाके, डगलस डायमंड और फिलिप डिविग। तीनों ने आर्थिक मंदी के दौर में बैंकिंग सेक्टर को बेहतर करने पर रिसर्च किए और मानवता को बचाने के बेहतर तरीके बताए। तीनों ही एक्सपर्ट अमेरिका के हैं।

फाइनेंशियल क्राइसिस से कैसे निपटे सोसायटी

इकोनॉमिक्स का नोबेल अनाउंस करते हुए कमेटी ने कहा- तीनों ही एक्सपर्ट्स ने दुनिया को बताया कि इकोनॉमी जब मुश्किल दौर में होती है तो समाज को बैंकों की मदद लेकर कैसे निपटना चाहिए। बैंकिंग सेक्टर को तबाही से बचाना क्यों सबसे अहम है।

तीनों ही इकोनॉमिस्ट ने बैंकिंग सेक्टर से जुड़ा यह अहम रिसर्च 1980 में शुरू किया था। यह सिर्फ थ्योरी नहीं, बल्कि मुश्किल आर्थिक हालात से उबरने के इन्होंने जो तरीके सुझाए, उस पर कई देशों ने अमल किया।

अमूमन जैसे ही फाईनेंशियल क्राइसिस के वक्त बैंक के डिपॉजिटर्स पैसा निकालने में जल्दबाजी करते हैं। तीनों इकोनॉमिस्ट ने बैंकिंग और सोसायटी के बीच बैलेंस बनाकर इस मुश्किल से निकलने के उपाय सुझाए। कोविड-19 के बाद आर्थिक मंदी के संकेत हैं।

7 दिन में कुल 6 प्राइज अनाउंस होते हैं। सबसे आखिर में इकोनॉमिक्स कैटेगरी का नोबेल अनाउंस किया जाता है। एक सप्ताह में सिर्फ पुरस्कार जीतने वाले व्यक्ति या संस्थान के नामों का ऐलान हुआ। दिसंबर में इन्हें प्राइज दिए जाएंगे।

कोविड की वजह से 2020-21 के विजेता स्टॉकहोम नहीं पहुंच पाए थे। कमेटी ने इस बार इन दो साल के विजेताओं को भी स्टॉकहोम इनवाइट किया है।

शांति पुरस्कार का ऐलान नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में होता है और वहीं यह प्रदान किया जाता है। बाकी सभी कैटेगरीज के प्राइज स्टॉकहोम में दिए जाते हैं। मेडिसिन का नोबेल स्वीडन के सावन्ते पाबो को दिए जाने का ऐलान हुआ था। इसके बाद फिजिक्स और फिर केमिस्ट्री का नोबेल अनाउंस किया गया। दोनों ही पुरस्कार तीन-तीन वैज्ञानिकों को दिए गए हैं। लिट्रेचर यानी साहित्य का नोबेल फ्रांस की लेखिका एनी एर्नेक्स को दिए जाने की घोषणा हुई थी।

फिजिक्स का नोबेल

फिजिक्स का नोबेल तीन वैज्ञानिकों को दिया गया है। ये हैं- एलेन आस्पेक्ट, जॉन एफ क्लॉसर और एंटन जेलिंगर। एलेन आस्पेक्ट फ्रांस से ताल्लुक रखते हैं। वो पेरिस और स्केले यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। जॉन एफ क्लॉसर अमेरिकी रिसर्चर और प्रोफेसर हैं। एंटन जेलिंगर ऑस्ट्रिया की विएना यूनिवर्सिटी में फिजिक्स के हेड ऑफ द डिपार्टमेंट और रिसर्चर हैं।

नोबेल कमेटी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक- इन तीनों वैज्ञानिकों ने उलझी हुई क्वांटम अवस्थाएँ पर रिसर्च किया। इसमें दो पार्टिकल्स बिल्कुल एक तरह का व्यवहार करते हैं। अगर इन दोनों पार्टिकल्स को अलग-अलग भी कर दिया जाए तो इनका व्यवहार नहीं बदलता।

इस रिसर्च का फायदा न सिर्फ नई टेक्नोलॉजी के लिए किया जा सकेगा, बल्कि इससे फिजिक्स की क्वॉन्टम इन्फॉर्मेशन थ्योरी को भी एक्सटेंड किया जा सकेगा। इससे भी बड़ी बात कि यह कई गंभीर बीमारियों के इलाज में नया रास्ता खोल सकती है।

टेक्नोलॉजी की बात करें तो क्वॉन्टम कम्प्यूटर्स, क्वॉन्टम नेटवर्क्स और क्वॉन्टम एनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन में इस रिसर्च से नई क्रांति लाई जा सकती है। क्वॉन्टम मैकेनिक्स को भी नई राह मिलेगी।

केमिस्ट्री का नोबेल प्राइज

केमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार तीन वैज्ञानिकों को दिए जाने का ऐलान हुआ है। इनके नाम हैं- कैरोलिन बेट्रोजी (अमेरिका), मोर्टन मेल्डेल (डेनमार्क) और बेरी शार्पलेस (अमेरिका)। 81 साल के शार्पलेस को 2001 में भी दो अन्य वैज्ञानिकों के साथ यह पुरस्कार मिला था।

नोबेल कमेटी के मुताबिक, इन वैज्ञानिकों ने क्लिक केमिस्ट्री को एक नया आयाम दिया है। इसके अलावा बायोऑर्थोगोनल केमिस्ट्री में इनका रिसर्च भविष्य में मेडिसिन के लिए नया रास्ता खोलेगा।

नोबेल पीस प्राइज 2022

नोबेल पीस प्राइज एक व्यक्ति और दो संगठनों को दिया गया है। नोबेल कमेटी के मुताबिक- इस साल कुल 340 व्यक्ति या संस्थाओं ने शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेशन फाइल किए। इनमें 251 व्यक्ति और 92 ऑर्गनाइजेशन हैं।

पिछले साल यानी 2021 में 329 नॉमिनेशन मिले थे। इस साल 343 का आंकड़ा नोबेल पीस प्राइज नॉमिनेशन के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके पहले 2016 में इस कैटेगरी के लिए 376 नॉमिनेशन प्राप्त हुए थे। इन नामों को 50 साल तक पब्लिक यानी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

वेनेजुएला में बाढ़ से हुई तबाही

भारी बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में अब तक 22 की मौत, 50 लापता

काराकास, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ अमेरिकी देश वेनेजुएला में बाढ़ और भारी बारिश की वजह से हालात बेहद खराब हो गए हैं। रविवार को हुए लैंडस्लाइड में 22 लोगों की मौत हुई है, जबकि 50 लोग लापता हैं। 3 राज्यों में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा नुकसान राजधानी के पास लास तेजेरियस शहर में हुआ है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने 3 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बताया कि लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नदियों का जलस्तर बढ़ जाने से कई घर तबाह हो गए हैं। महज 8 घंटे में ही महीने भर की बारिश हो गई। बारिश से तेजेरियस शहर की पांच छोटी नदियां उफान पर हैं। इसमें पानी के पंप और बिजली के पोल बह गए हैं।

शहर को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित किया गया है।

लास तेजेरियस में 23 साल बाद इतनी बड़ी आपदा आई है। इससे पहले वर्गास शहर में 1999 में लैंडस्लाइड हुआ था, जिसमें 10 हजार लोगों की मौत हो गई थी।

छठ पूजा के लिए नेकलेस रोड घाट का सर्वेक्षण किया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव के डी चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छठ पूजा समिति रानीगंज द्वारा नेकलेस रोड संजीवैया पार्क स्थित घाट का सर्वेक्षण करने उत्सव समिति के अध्यक्ष आर पी सिंह अपने सदस्यों के साथ उपस्थित हुए। इस वर्ष भी छठ पूजा का आयोजन 30 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक नेकलेस रोड स्थित संजीवया पार्क के पास किया जा रहा है। महामंत्री हरि सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा पूजा में व्रती 28 अक्टूबर से 24 घंटे का उपवास करते है जिसे नहाय खाय कहा जाता है फिर 29अक्टूबर को शाम में खरना प्रसाद ग्रहण कर 48 घंटे का निर्जल उपवास करते हुए 31 अक्टूबर को व्रत का पारण किया जाता है। उपाध्यक्ष नारायण ओझा ने बताया कि तेलंगाना सरकार के मदद से आज यह एक सामूहिक पूजा का रूप ले लिया है।

संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी रघुवीर सिंह ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन का आश्वासन दिया। संस्था के संयुक्त सचिव अमित ओझा ने बताया तेलंगाना सरकार के द्वारा प्रदत सुविधाओं में लाइट, टेंट, चौकी, पार्किंग, शौचालय की व्यवस्था की जाती है यह अत्यंत सराहनीय है। उपस्थित सदस्यों में वकील पांडे, आंशिक राय, मनोज मिश्रा, सुनील ओझा, जयराम ओझा, दीपक सिंह, संतोष सिंह, मनीष गुप्ता, संजय सिंह, उदेनी मंडल, विजय ओझा ने भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

राज्य सरकार ने छठ पूजा हेतु अधिकारियों को दिया समुचित व्यवस्था करने का निर्देश

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद शिष्टमंडल के प्रतिवेदन पर तेलंगाना सरकार वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहर के विभिन्न बतुकम्मा घाटों पर छठ पूजा के लिए साफ सफाई के साथ ही पूजा स्थल पर टेंट एवं लाइट की समुचित व्यवस्था कराई जाए। एसोसिएशन के सचिव प्रभाष कुमार ने बताया सरकार द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में एक अलग से नोडल अधिकारी बनाया गया है जो पूजा से संबंधित कार्यों को देखेगा। अध्यक्ष हरे राम सिंह ने बताया कि हमारे नेतृत्व में गत सप्ताह बिहार एसोसिएशन का एक शिष्टमंडल आईटी /शहरी विकास मंत्री केटीआर एवं श्रम एवं रोजगार कल्याण मंत्री मल्ला रेड्डी से मिलकर आग्रह किया था की छठ महापर्व पर राज्य सरकार द्वारा समुचित व्यवस्था कराई जाए। शिष्टमंडल मंत्री महोदय के साथ-साथ राज्य के वरिष्ठ अधिकारी, मुख्य सचिव, विशेष सचिव इत्यादि से भी मिलकर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था, सभी ने शिष्टमंडल प्रतिनिधि को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया था। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने बताया की शिष्टमंडल के आग्रह पर सरकार द्वारा शहर के सभी बतुकम्मा घाट पर छठ पूजा आयोजन के लिए समुचित व्यवस्था हेतु अलग से एक नोडल ऑफीसर बनाया गया है जो मुख्य रूप से पूजा स्थल पर साफ सफाई टेंट एवं लाइट की व्यवस्था कराएगी, पूजा के लिए चिन्हित बटुकम्मा घाट टैंक बंड, उप्पल, नागौल, पीरजादीगुडा, अयोध्या नगर, फॉक्स सागर, सुराराम, बोलाराम, पठान चेरु, काटे दान, हेमा नगर, रामंतापुर, हषमतपेठ, जेडी मेटला, गचीबोली, दरगाह, कोंडापुर घाट हैं। बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह द्वारा सभी क्षेत्रीय पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि अपने क्षेत्र के जीएचएमसी अधिकारियों से सहयोग प्राप्त कर पूजा के लिए समुचित व्यवस्था करें, इसी कड़ी में बिहार एसोसिएशन मियापुर बोलाराम शाखा के प्रभारी अखिलेश सिंह के नेतृत्व में एसोसिएशन के वरिष्ठ कार्यकारिणी गणेश चौबे, विनोद कुमार राय, प्रेमशंकर सिंह, नागेंदर सिंह, एम.के सिंह, ऋषि राज, रुपेश राय, विकास गहलोत, राधे मियापुर बोलाराम बतुकम्मा घाट तथा टैंक बंड बतुकम्मा घाट का हरेराम सिंह के नेतृत्व में भरत सिंह, एच नारायण झा, सतीश झा, श्याम सुंदर सिंह, आदित्यनाथ झा, अरविंद ओझा, प्रभात मिश्रा, जितेंद्र ओझा, भाग्य नारायण दास, मुरली चौधरी एवं अजय ओझा इत्यादि गणमान्य के द्वारा बतुकम्मा घाट एवं आसपास घाटों पर पूजा हेतु समुचित व्यवस्था करने के क्रम में निरीक्षण किया गया।

महर्षि वाल्मीकि की जयंती समारोह संपन्न

वारंगल, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला भाजपा कार्यालय में रविवार को जिला एससी मोर्चा के अध्यक्ष नल्लबेली सुदर्शन की अध्यक्षता में महर्षि वाल्मीकि की जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि भाजपा वारंगल जिलाध्यक्ष कोंडेती श्रीधर थे।वारंगल संयुक्त जिले के पूर्व अध्यक्ष एडला अशोक रेड्डी ने भाग लिया और बातचीत करते हुए रामायण महाकाव्य के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती समारोह मे भाजपा एससी मोर्चा ने कहा कि आयोजन करना गर्व की बात है।उन्होंने कहा कि हमारे देश के अतीत के शासक महानों के इतिहास को छिपाते हुए शासन करते रहे और हमारे भारत के महापुरुष श्री राम थे और उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग भारत के लिए एक आदर्श था। उन्होंने कहा कि रामायण भाइयों और बहनों के बीच के बंधन, पिता की बात मानने और लोगों के कल्याण के लिए राज्य के शासन को जारी रखने का प्रमाण है। ऐसी महान कविता लिखने वाले ऋषि वाल्मीकि ने इतिहास के भविष्य को जानने की आवश्यकता का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रत्नम सतीश सा, अच्छा विद्यासागर, भाजपा जिला महासचिव भकम हरिशंकर, जिला पदाधिकारी गट्टीकोप्पुला रामबाबू, मौनिका, राज्य कार्यकारिणी सदस्य महाकाली जिला प्रभारी बन्ना प्रभाकर, मदासु राजू, पंजा वेंकटेश्वरलू वारंगल जिला एससी मोर्चा प्रधान सचिव. चिंताम भास्कर, गुंती वीरा प्रकाश, नलिगंती नरसिंगम, कोथापेल्ली राजेश, जन्नू सुब्रमण्यम, उपाध्यक्ष पोलेपाका जनार्दन, दांडू चक्रपाणि, गुंडे रघुपति, सचिव इलंदुला किशन, पोलेपाका सरथ, सिंगरापु सुजाता, प्रवीण और अन्य ने भाग लिया।

पाक प्रेसिडेंट के खिलाफ महाभियोग की तैयारी

इस्लामाबाद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सियासत में उथल-पुथल जारी है। शाहबाज सरकार, राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी के खिलाफ महाभियोग की तैयारी में है। सरकार के सांसदों का आरोप है कि अल्वी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी हैं। अल्वी ने सत्ता हस्तांतरण में संविधान का उल्लंघन किया है। इसलिए उन्हें राष्ट्रपति पद से हटाना जरूरी है। दरअसल, इस राजनीतिक पटकथा की शुरुआत 6 अक्टूबर को हुई। राष्ट्रपति अल्वी ने संविधान के अनुच्छेद 54-1 और 56-3 के तहत संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। इसके बाद ही महाभियोग की मांग उठ रही है। अल्वी ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने और ध्रुवीकरण को समाप्त करने की बात कही थी।

हालांकि, राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान भी हॉल करीब-करीब खाली था। 422 में से केवल 15 सांसद उपस्थित थे। पीएमएलृ-एन, पीपीपी और जेयूआई-एफ के सांसदों ने बिना किसी पूर्व सूचना के राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार किया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा कि उनकी पार्टी (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) मांग करती है कि राष्ट्रपति अल्वी के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू होनी चाहिए। जब अविश्वास मत लाया गया, उस दौरान भी अल्वी की मिलीभगत सामने आई। इसलिए पीपीपी ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर उनके संबोधन का बहिष्कार किया।

महाभियोग की प्रक्रिया संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में शुरू हो सकती है। सदन राष्ट्रपति के खिलाफ आरोप लगाकर प्रक्रिया शुरू करता है।

...जब मंत्री जी मछली पकडने से खुद को रोक नहीं पाए

वारंगल, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायती राज ग्रामीण विकास, ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के राज्य मंत्री एराबेली दयाकर राव रविवार को संयुक्त वारंगल जिले का दौरा किया।पालकुर्ती विधानसभा क्षेत्र का दौरा पूरा करने के बाद वे वारंगल जाते समय, कई लोगों से मुलाकात कर जनता से बातचीत की। रास्ते मे नेल्लीकुडुरु मंडल के मेचा राजू गांव से गुजरते हुए और एराबेली रास्ते में कुछ लोगों को मछली पकड़ते देखा। वह फौरन अपने काफिले से उतर कर मछुआरों के पास गये। उन्होंने उनमें से एक से एक छड़ी ली।उन्होंने उस छड़ी को पकड़ कर और मछली का शिकार करने लगे।

उन्होंने कहा कि मछली पकड़ना, जिसे कभी तेलंगाना में एक नियमित गतिविधि के रूप में देखा जाता था, संयुक्त राज्य में लगभग कम हो गया है। उन्होंने कहा कि जब तेलंगाना आया, केसीआर के सीएम बनने के बाद, कालेश्वरम परियोजना के निर्माण के बाद, तालाबों को प्रचुर मात्रा में पानी मिला। उन्होंने यह भी कहा कि तालाबों में करोड़ों मछलियों को मुफ्त में छोड़ा गया और मछली क्रांति लाई।और अब आप जिधर भी देखते हैं मछलियां ही दिखती हैं, इस प्रकार मछुआरों का रोजगार और आय बढ़ी है और उनके परिवार का जीवन-यापन हो रहा है।

उन्होंने कहा कि यह सीएम केसीआर की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वह संबद्ध जातियों और उनके संबंधित जाति व्यवसायों के लिए पूर्व गौरव लाए। मंत्री सीधे उनके पास आए और कुछ देर उनके साथ मछली पकड़ने का मजा लिया।

जंग के 229वें दिन कीव पर सबसे बड़ा रूसी हमला

एक दिन में 75 मिसाइलें दागीं, दो दिन पहले यूक्रेन ने कर्च ब्रिज उड़ाया था

कीव, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यूक्रेन की तरफ से कर्च ब्रिज को उड़ाए जाने का बदला 48 घंटे में ले लिया है। सोमवार सुबह से रूस की तरफ से यूक्रेन पर एक के बाद एक 75 मिसाइल अटैक किए गए हैं। इन धमाकों में यूक्रेन का पारकोवी ब्रिज भी तहस-नहस हो गया है। यह ब्रिज नाइपर नदी पर पैदल यात्रियों के लिए बनाया गया था।

दरअसल, शनिवार को यूक्रेन ने रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले कर्च रेलवे ब्रिज को तबाह कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रिज में धमाका शनिवार सुबह 6 बजे के करीब हुआ। इसमें तीन लोगों की मौत हुई थी। इस ब्रिज को क्रीमिया पर रूस के कब्जे के सिंबल के तौर पर देखा जाता था। इसके बाद ही पुतिन ने यूक्रेनी राजधानी पर दोबारा हमला किया है। रूस ने यूक्रेन के जापोरिजिया में एक बार फिर मिसाइलें दागी हैं। रूस ने 10 अक्टूबर सुबह करीब 4:30 बजे जापोरिजिया में मिसाइल अटैक किया। जापोरिजिया के मिलिट्री चीफ ऑलेक्जेंडर स्टारुख ने इसकी जानकारी दी है। यह 24 घंटे के भीतर लगातार दूसरा हमला है। इससे पहले 9 अक्टूबर को जापोरिजिया में मिसाइल अटैक हुआ था। रूस-यूक्रेन जंग को शुरू हुए 7 महीने हो गए हैं। फरवरी के अंत में जंग की शुरुआत में रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बड़े मिसाइल हमले किए थे। हालांकि कीव के सैनिकों और नागरिकों की तरफ से कड़ी टक्कर मिलने के बाद अप्रैल में रूस ने कीव से अपनी सेना को वापस बुलाना शुरू कर दिया। अब एक बार फिर से रूस ने कीव पर हमला करना शुरू कर दिया है।

युद्ध की तैयारी में किम? नॉर्थ कोरिया ने बनाए खतरनाक परमाणु हथियार, कई मिसाइल कीं लॉन्च

वर्ल्ड डेस्क, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले साल जनवरी में कांग्रेस की एक प्रमुख पार्टी में किम ने 5 साल के लिए रक्षा उपकरण विकास प्लान के बारे में घोषणा की थी. इस दौरान किम ने छोटे और कम वजनी परमाणु हथियार विकसित करने का आह्वान किया था. उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया एजेंसी ने यह जानकारी दी है कि हाल ही में किए गए 7 मिसाइल परीक्षण दरअसल 'परमाणु अभ्यास' थे. यह परमाणु अभ्यास उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के नेतृत्व में किए गए हैं. पिछले साल जनवरी में कांग्रेस की एक प्रमुख पार्टी में किम ने 5 साल के लिए रक्षा उपकरण विकास प्लान के बारे में घोषणा की थी. इस दौरान किम ने छोटे और कम वजनी परमाणु हथियार विकसित करने का आह्वान किया था.

दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने हाल ही में संयुक्त रूप से नौसैनिक अभ्यासों में तेजी की है. इन अभ्यासों की वजह से उत्तर कोरिया नाराज है और उसने अपने मिसाइल परीक्षणों को सही ठहराते हुए इसी 'वाजिब जवाब' बताया है. उत्तर कोरिया की कोरिअन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा है कि हाल ही में किए गए मिसाइल परीक्षण अन्य देशों के जॉइंट ऑपरेशन की वजह से किए गए हैं. एजेंसी ने कहा, 'यह एक वास्तविक युद्ध के तहत किया गया है.'

पेट पालने के लिए रेप तक झेला

आंटी ने अधेड़ के हाथों बेच दिया, फिर बनी किन्नर महामंडलेश्वर, अब मेरे ऊपर फिल्म बन रही

एक्सक्लूसिव डेस्क, 10 अक्टूबर। मैं निर्मोही अखाड़ा की महामंडलेश्वर हिमांगी सखी। पहली किन्नर, जो दुनियाभर में भागवत गीता, शिव पुराण और गरुड़ पुराण की कथा करती हूं। मेरा जन्म गुजरात के वडोदरा में हुआ था, लेकिन बचपन में ही हम लोग मुंबई आ गए। पापा फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर, मोहन स्टूडियो में पार्टनर और विश्वकर्मा फिल्म्स कंपनी के मालिक थे। जबकि मां डॉक्टर थीं। उस जमाने में टीवी, एंबेसडर कार सब कुछ था हमारे पास। मैंने रेखा, अमिताभ बच्चन, जितेंद्र और संजय दत्त जैसे सेलिब्रिटीज को बहुत करीब से देखा है, लेकिन ठाठ-बाट के ये दिन ज्यादा समय तक नहीं रहे।

एक दिन पापा को अचानक हार्ट अटैक आया। हम उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन बचा नहीं सके। तब मैं तीसरी क्लास में थी। बहन मुझसे एक साल छोटी थी। पापा गुजराती थे और मां पंजाबी। दोनों ने घरवालों की मर्जी के खिलाफ लव मैरिज की थी। पापा के अचानक चले जाने से मां गुमसुम रहने लगीं। रिश्तेदारों ने भी घर आना-जाना बंद कर दिया। सिर्फ चाचा ने साथ दिया और अपने साथ वडोदरा ले गए, लेकिन वहां भी मां का मन नहीं लगा। वे काफी अकेलापन महसूस करती थीं। मां को मोहन स्टूडियो की पार्टनरशिप के कुछ पैसे मिले थे, उन्होंने मुंबई के मीरा रोड पर चार बेडरूम का फ्लैट खरीद लिया। इस तरह दो साल बाद हम फिर से मुंबई शिफ्ट हो गए। मां को उम्मीद थी कि पापा की मौत के बाद नानी का दिल पसीजेगा, वे शायद मान जाएंगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। नाना-नानी पर पापा की मौत का कोई असर नहीं हुआ। उन्होंने एक बार भी हमारा हाल नहीं पूछा।

इससे मां को काफी तकलीफ हुई। वो गुमसुम रहने लगीं, धीरे-धीरे उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ती चली गई। पागलों की तरह बिहेव करने लगीं। कभी खुद से जोर-जोर से बातें करतीं, तो कभी जोर-जोर से हंसने लगतीं। फिर सड़क पर भाग जातीं। पापा का नाम लेकर बुलाती रहती थीं। घर का सामान बाहर फेंक देती थीं, अंदर कूड़ा-कचरा रख देती थीं। हम दोनों बहनें मां को इस तरह देखकर डर जाते थे। एक दिन तो मां ने हमें इतना पीटा कि पड़ोसियों को बाथरूम की खिड़की से हमें बाहर निकालना पड़ा। इस बीच धीरे-धीरे हमारे पैसे खत्म होने लगे। हमारी पढ़ाई छूट गई, मांगकर खाने की नौबत आ गई। पड़ोसियों से खाना मांगते, तो वे मुंह पर ऐसे रोटी फेंकते जैसे कोई जानवर को भी न खाने को दे।

घर के बगल में ही एक पंजाबी परिवार रहता था। उन्होंने हमारी मजबूरी का फायदा उठाया। मुझसे घर का काम करवाना शुरू कर दिया। मैं उनके घर बर्तन साफ करती, कपड़े धोती, झाड़ू-पोंछा करती। बदले में रात में मुझे और बहन को दो-दो रोटी दे देते थे। उनके घर इतना ज्यादा काम होता था कि कई बार रात में भी वहीं सो जाती थी।

एक रात उनका बेटा कमरे में आया और मेरा मुंह दबाकर रेप करने लगा। उसकी मां आवाज सुनकर कमरे में आई, बत्ती जलाकर देखा और चली गई। उस दिन के बाद मेरे साथ हर रात रेप होता, लेकिन मैं दो वक्त की रोटी की खातिर विरोध नहीं कर सकी। उस वक्त मेरी उम्र 12 साल रही होगी। बहुत दर्द होता था मुझे मानसिक भी और शारीरिक भी, लेकिन किससे क्या कहती। कहीं कोई रास्ता था ही नहीं। एक रोज मामा घर आए। मैं पड़ोसी के घर काम करने गई थी। उन्होंने घर में मां के साथ मारपीट की, सारे गहने छीन लिए। दोनों बहनों की फिक्स्ड डिपॉजिट के कागज लेकर चले गए।

इससे मां को और तकलीफ हुई। वो बिस्तर पर ही पड़ी रहने लगीं। कुछ रोज बाद की बात है। अलसुबह प्रभात फेरी निकलने की आवाज आ रही थी, तभी बहन ने दरवाजा खटखटाया और कहने लगी कि मां उठ नहीं रही है। जाकर देखा तो मां जा चुकी थीं।

हम दोनों छोटे थे, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि कैसे करें, क्या करें। सारा मोहल्ला घर के सामने इकट्ठा हो गया। मैंने किसी से कहा कि नानी बोरीवली में रहती हैं, मुझे वहां ले चलो। मैं नानी के घर गई, तो उन्होंने कहा कि कांता (मेरी मां) हमारे लिए उसी दिन मर गई थी जिस दिन उसने अपनी मर्जी से शादी की थी। मैं रोती हुई वहां से आ गई। तब तक कुछ लोगों ने मां की अर्थी तैयार कर दी थी। थोड़ी देर बाद अचानक मामा, मामी और नानी आ गए। रोने-धोने का ड्रामा करने लगे। दोनों बहनों ने मां को कंधा दिया और मुखाग्नि दी। दाह संस्कार के बाद जब हम लौटे तो देखा कि घर में नानी और मामा सब सामान इधर-उधर कर रहे हैं कि कहीं कुछ कागज या गहने मिल जाएं।

मां के जाने के बाद हम अनाथ हो गए। पड़ोसी हमारा शोषण करने लगे। दिन-रात काम करने के बाद भी दो रोटी ढंग से नहीं देते थे। बदमाश लड़के घर के बाहर घूमते रहते, दोनों बहनों पर फब्तियां कसते। दो साल ऐसे ही चलता रहा।

जैसे-तैसे करके पड़ोसियों से पैसे लेकर बहन की शादी कर दी। लड़के वाले अच्छे थे। शादी में हमारी आर्थिक मदद भी की। इसके बाद मैं एकदम अकेली हो गई। पड़ोसियों ने मेरा घर किराए पर दे दिया और पैसे भी खुद लेने लगे। यानी यहां से शरीर और मन के साथ धन का शोषण भी शुरू हो गया। मैंने अपने पड़ोसियों से पैसे मांगे कि मुझे किराए वाले पैसे दे दो, टैक्स और मेंटेनेंस भरना है। इतना कहने की देर थी कि पड़ोस के अंकल ने मेरे मुंह पर पानी का ग्लास फेंक मारा। मैं बस रोकर रह गई। इस बीच रात को जोरदार बारिश हुई। शायद पहली बार मैंने इतनी तेज बारिश देखी। मेरे लिए वो काली रात थी। पड़ोसी ने मेरा सारा सामान फेंक दिया और मुझे घर से निकाल दिया। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि रात को अकेली कहां जाऊं। उसी मोहल्ले में एक बूढ़े अंकल अकेले रहते थे। मैं उनके घर चली गई। उन्होंने रात काटने की इजाजत तो मुझे दी, लेकिन बदले में मेरा रेप भी कर दिया। इसके बाद मैं अपनी एक परिचित आंटी के घर चली गई। आंटी ने मुझे किसी के घर भेजा और कहा कि वो तुम्हारी जॉब लगवा देंगे। वहां जाने पर पता लगा कि उस आंटी ने मुझे सेक्स वर्क के लिए बेच दिया था। मैं बहुत रोई, उस अधेड़ को अपनी सारी कहानी सुनाई। वो अच्छा इंसान था, मुझे छोड़ दिया और मदद के रूप में 10 हजार रुपए भी दिए।

इसके बाद मैं वहां से इस्कॉन मंदिर चली गई। भगवान कृष्ण के सामने रोने लगी। मैंने उनसे कहा कि मेरा संघर्ष कम करिए, वर्ना जान दे दूंगी या कुछ गलत राह पकड़ लूंगी। आप चाहो तो मुझे मौत दे दो, लेकिन अब कष्ट मत दो। मुझसे सहा नहीं जा रहा। रहम करिए। कुछ दिन बाद मैं वृंदावन के इस्कॉन मंदिर चली गई। वहां दीक्षा ली। शास्त्रों का अध्ययन करने लगी। भक्ति वैभव कोर्स किया, भगवद् गीता का कोर्स किया। पूजा पाठ और ब्रज की धरती में रम गई। मैं इस्कॉन की किताबें बांटती, मंदिर के काम करती, भजन-कीर्तन करती।

मेरा वहां रहना और खाना फ्री था, लेकिन मुझे पैसों की जरूरत थी। एक दिन मैंने पापा के कॉन्टैक्ट खंगाले। उनके जान-पहचान के लोगों से बात की। उनसे काम मांगा। उन लोगों ने मेरी मदद की और कुछ फिल्मों में काम करने का मौका मिला।

इस तरह मैं फिल्मों से जुड़ गई। जब भी कोई प्रोजेक्ट मिलता मुंबई चली जाती। काम खत्म होने के बाद फिर वृंदावन लौट आती। मैंने डाउन-टाउन, मुंबई-125 किलोमीटर, द गिनीज ऑफ ब्यूटी जैसी फिल्मों में काम किया। मेरी आखिरी फिल्म हॉलीवुड फिल्म थी, जिसके लिए 20 दिन काम करने पर 2 लाख रुपए मिले। इतनी बड़ी रकम मिली, तो मैं खुशी से पागल हो गई। वंदावन जाकर मैंने जमीन खरीद ली।

वृंदावन मंदिर में एक डेंटल कॉलेज का स्टूडेंट आशीष शर्मा भी आया करता था। पहली दफा मुझे उससे प्रेम हो गया। हम दोनों एक साथ मंदिर में सेवा करते, लेकिन कुछ महीनों में ही लोग हमारे प्रेम को अलग-अलग नाम देने लगे। मैंने अभी तक अपने किन्नर होने की पहचान को छिपा कर रखा था। कुछ वक्त बाद गुरुजी को पता लग गया कि मैं किन्नर हूं। उन्होंने मुझे फौरन आश्रम छोड़ने को कहा। मैंने उनके आगे हाथ जोड़ा कि वनवास के वक्त अर्जुन ने भी किन्नर रूप धारण किया था। शिखंडी का भी जिक्र किया, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी।

मैं रोते-रोते बांके बिहारी के पास गई और कहने लगी कि कसम खाती हूं कि ब्रज की धरती से जा रही हूं, तब तक वापस नहीं आऊंगी जब तक मेरा मान-सम्मान सूद समेत नहीं लौटता।

इसके बाद मैं मुंबई आ गई। यहां इस्कॉन के साथियों के साथ भजन-कीर्तन और सत्संग करने लगी। पहली दफा मैंने बोरीवली में नवरात्रि में भगवद् गीता का पाठ किया। फिर मीरा रोड पर पाठ किया।

धीरे-धीरे मेरा कारवां बढ़ता गया। भागवत कथा करने मॉरिशस, बैंकॉक, सिंगापुर और दुबई जाने लगी। जन्माष्टमी पर मेरे विशेष कार्यक्रम होने लगे। 2019 में मुझे पशुपतिपीठ के महाराज गौरी शंकर ने प्रयागराज कुंभ में महामंडलेश्वर की उपाधि दी। मेरा पट्टाभिषेक किया गया। इस तरह मैं दुनिया की पहली किन्नर भागवत आचार्य महामंडलेश्वर हिमांगी सखी हो गई। इंटरव्यू लेने के लिए दुनियाभर की मीडिया आने लगी। टॉप के हिंदी-अंग्रेजी अखबारों में मेरी तस्वीरें छपीं। दो दिन के बाद मुझे किन्नर अखाड़े ने भी बुलाया। उस कुंभ के बाद जब मैं ब्रज गई तो ब्रजवासियों ने मुझे कंधे पर उठा लिया। मैं बांके बिहारी के पास गई और खूब रोई। उनसे कहा कि आपने मेरा मान सूद समेत लौटाया है। इसी बीच एक रोज अखबारों में खबर छपी कि वृंदावन कुंभ में पहली बार किन्नर महामंडलेश्वर विराजेंगी। फिर क्या था किन्नर अखाड़े ने विरोध करना शुरू कर दिया। मेरा भूमि आवंटन रद्द हो गया। जो एसडीएम पहले तैयार थे, वे अखाड़े के दबाव में झुक गए।

मैंने निर्मोही अखाड़े के संत राजेंद्र दास को फोन किया। उनसे कहा कि मेरी मदद करिए। वे कहने लगे कि किन्नर अखाड़े का कोई पंडाल नहीं लग सकता है। मैंने कहा कि मैं किन्नर अखाड़े से नहीं हूं, न उनका कोई नाम प्रयोग करूंगी। मैं तो पशुपतिपीठ से हूं। खैर मैं निर्मोही अखाड़े के संतों को समझाने में कामयाब रही। आखिरकार मुझे भूमि आवंटित हुई। इसके बाद निर्मोही अखाड़े ने हरिद्वार कुंभ में मुझे महामंलेश्वर घोषित कर दिया। अपने साथ छत्र के नीचे बिठाया। मैंने वहां कथा सत्संग भी किए।

ज्ञानवापी मंदिर में शिवलिंग का जलाभिषेक करने की कसम खाई थी। तब मुझे जान से मारने की धमकी मिली। वहां के कमिश्नर ने मुझे काशी आने से मना भी किया, लेकिन मैं डरी नहीं। मुझे काशी में रिसीव करने वाले हिंदूवादी संगठन ही थे। उन पर भरोसा करके उनकी कार में साथ रही। उन लोगों ने मुझे अगवा कर लिया। उन्होंने दबाव बनाया कि मैं ऐसे बयान दूं, जिससे दंगा भड़क जाए, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। कमिश्नर को फोन करके खुद को उनके चंगुल से बचाया। इसके बाद मैंने ज्ञानवापी में जलाभिषेक किया। अब मेरे ऊपर महामंलेश्वर नाम से एक फिल्म भी आ रही है। दुनिया का पहला किन्नर पुराण लिख रही हूं, जो जल्द सभी के हाथों में होगा।

अपने जिले के पहले दलित वकील थे खड़गे

एक्सक्लूसिव डेस्क, 10 अक्टूबर। 1947 का अगस्त महीना। मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) का वरवट्टी गांव। तब यहां निजाम की हुकूमत थी। भारत को बांटकर पाकिस्तान बनाया गया, तो इस इलाके में भी हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़क गए। वरवट्टी गांव पर निजाम की सेना ने हमला कर दिया। साथ में लुटारी (अमीरों को लूटने वाले) भी थे। उन्होंने पूरे गांव में आग लगा दी। यहीं एक घर में 5 साल के बच्चे ने अपनी मां को जिंदा जलते देखा।

पिता उसे बचाकर गांव से दूर ले गए। 3 महीने जंगल में रहे। मजदूरी की। बच्चे को काम में लगाने की बजाय पढ़ाया। मल्लिकार्जुन नाम का वह बच्चा बड़ा होकर पहले वकील बना, फिर यूनियन लीडर, विधायक, अपने प्रदेश कर्नाटक में मंत्री, सांसद, केंद्रीय सरकार में मंत्री और अब कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से सिर्फ एक कदम दूर है। जी हां, ये मल्लिकार्जुन खड़गे की कहानी है।

अध्यक्ष पद के लिए 80 साल के मल्लिकार्जुन खड़गे का मुकाबला शशि थरूर से है। इसके लिए 17 अक्टूबर को वोटिंग होगी और नतीजा 19 अक्टूबर को आएगा। जिस तरह खड़गे को पार्टी नेताओं का समर्थन और गांधी परिवार की सहमति मिली है, उससे उनका कांग्रेस अध्यक्ष बनना लगभग तय है। खड़गे की जिंदगी हमेशा मुश्किल भरी रही, लेकिन लीडरशिप की क्वालिटी उनमें बचपन से थी। वे स्कूल में हेड बॉय थे। कॉलेज गए तो स्टूडेंट लीडर बन गए। गुलबर्गा जिले के पहले दलित बैरिस्टर बने, पहली बार में विधायक बने और 9 बार चुने गए, दो बार सांसद भी रहे, लेकिन तीन बार कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनते-बनते रह गए। खड़गे इंदिरा गांधी के समय से गांधी परिवार के करीब रहे हैं। यही वजह है कि अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी तीनों की सहमति थी।

बीदर जिले के छोटे से गांव में मल्लिकार्जुन का जन्म हुआ

मल्लिकार्जुन खड़गे के सियासी सफर को समझने के लिए हम सबसे पहले वरवट्टी गांव पहुंचे। यहीं मल्लिकार्जुन खड़गे का जन्म हुआ था। ये गांव कर्नाटक के बीदर जिले के भालकी तालुका में आता है। यहां अब भी उनके परिवार के कुछ लोग रहते हैं। गांव में उनके भतीजे संजीव खड़गे के पिता मल्लिकार्जुन से दो साल बड़े थे। 9 साल पहले उनका निधन हो गया था।

संजीव खंडहर हो चुका एक घर दिखाने ले गए। उन्होंने बताया कि इसी जगह साईबववा (मां) और मपन्ना खड़गे (पिता) के घर 21 जुलाई 1942 को मल्लिकार्जुन का जन्म हुआ था। वरवट्टी में उनकी यही आखिरी निशानी है। घर पूरी तरह टूट चुका है। अब इसकी एक दीवार का हिस्सा भर बचा है।

खड़गे के मौसेरे भाई कल्याणी कांबले ने बताया कि पत्नी की मौत के बाद मपन्ना खड़गे मल्लिकार्जुन को लेकर पैदल निम्बुर के लिए निकल गए। वहां उनके रिश्तेदार रहते थे। उन्होंने मल्लिकार्जुन को रिश्तेदार के घर छोड़ा और काम के लिए गुलबर्गा चले गए।

एक महीने अलग रहने के बाद उन्हें बेटे के भविष्य की चिंता हुई। वे अपना काम छोड़ वापस निम्बुर आ गए। यहां से मल्लिकार्जुन को लिया और खटक चिंचौली के लिए निकल गए। वहीं दोनों एक जंगल में करीब तीन महीने तक रहे। मपन्ना दिन भर मजदूरी करते और जो कमाते उसे बच्चे की परवरिश में खर्च कर देते।

पिता ने कपड़ा मिल में काम किया, तब गुलबर्गा में पढ़ाई शुरू हुई

दलित समुदाय से आने वाले मपन्ना ने अपने जीवित रहते मल्लिकार्जुन को कभी काम नहीं करने दिया। उनकी सोच थी कि बेटा पढ़-लिखकर बड़ा आदमी बने। खटक चिंचौली से निकलकर मपन्ना तीन दिन लगातार पैदल चलकर गुलबर्गा पहुंचे। यहां उन्होंने कपड़ा मिल में काम शुरू किया।

मपन्ना, मल्लिकार्जुन के साथ बसवानगर में रहने लगे। यहीं एक घर बनाया और पास के स्कूल में मल्लिकार्जुन का एडमिशन करा दिया। चुनावों के दौरान आज भी मल्लिकार्जुन खड़गे इसी स्कूल में वोट डालने आते हैं। उनके पिता के बनाए घर की जगह उन्होंने दो मंजिला मकान बनवाया है। अब यहां 6 परिवार किराए से रहते हैं।

कबड्डी के अच्छे प्लेयर थे मल्लिकार्जुन खड़गे

आगे की कहानी हमें मल्लिकार्जुन खड़गे के बचपन के दोस्त हनुमंत राव ने सुनाई। करीब 82 साल के हनुमंत राव अब मुश्किल से ही चल पाते हैं। उन्होंने बताया कि मल्लिकार्जुन बचपन से पढ़ाई में तेज थे। वे कबड्डी के अच्छे प्लेयर थे। स्कूल लेवल पर कई प्रतियोगिताओं में उन्होंने इनाम जीते। अगर वे पॉलिटिक्स में नहीं होते तो अच्छे कबड्डी प्लेयर हो सकते थे। वे कबड्डी के अलावा हॉकी भी अच्छी खेलते थे।

गुलबर्गा के पहले दलित वकील थे मल्लिकार्जुन

मल्लिकार्जुन ने 12वीं तक की पढ़ाई नूतन स्कूल से पूरी की। इसके बाद गवर्नमेंट कॉलेज से ग्रेजुएशन। गुलबर्गा के सेठ शंकरलाल लाहोटी लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री ली। खड़गे गुलबर्गा के पहले दलित वकील थे। उनकी होशियारी देख सुप्रीम कोर्ट के जज शिवराज पाटिल ने उन्हें अपना असिस्टेंट बना लिया।

गरीबों का केस लड़ते, लेकिन पैसे नहीं लेते

मल्लिकार्जुन 1969 में एमएसके मिल के लीगल एडवाइजर बनाए गए। उनके पिता कभी इसी मिल में काम करते थे। मजदूरों के कहने पर खड़गे यूनियन लीडर बन गए। वे बिना पैसे लिए गरीबों और मजदूरों के केस लड़ते थे। इस वजह से खड़गे कुछ ही दिन में शहर के लोगों, खास तौर से दलितों में मशहूर हो गए। उन्हें गुलबर्गा के संयुक्त मजदूर संघ का सबसे प्रभावशाली नेता कहा जाने लगा। यहीं से कांग्रेस नेताओं की नजर उन पर पड़ी।

जहां यूनियन लीडर थे, अब वह मिल बंद

जहां मल्लिकार्जुन यूनियन लीडर हुआ करते थे। 1884 में बनी यह मिल 1992 में बंद हो गई। अब यह खंडहर की तरह दिखती है। यहां काम करने वाले रवि आर चोटी ने बताया कि मल्लिकार्जुन खड़गे के होने के बावजूद मिल बंद हो गई। इसमें काम करने वाले सड़क पर आ गए।

मल्लिकार्जुन के लिए पिता ने दूसरी शादी की

मिल से कुछ दूर मल्लिकार्जुन के दोस्त तुलसीराम नाइक रहते हैं। उन्होंने बताया कि मल्लिकार्जुन छोटे थे, तो उन्हें पालने के लिए उनके पिता ने दूसरी शादी की थी। उनकी दूसरी मां उन्हें सगे बेटे से भी ज्यादा प्यार करती थीं। 1970 में मल्लिकार्जुन कांग्रेस के डिसि्ट्रक्ट प्रेसिडेंट बन गए। पॉलिटिक्स में जाने के बाद उन्होंने अपनी कुर्सी तुलसीराम को दे दी। तुलसीराम रिटायर होने तक मिल यूनियन से जुड़े रहे। मिल बंद होने के बाद वे कांग्रेस के टिकट पर पार्षद भी चुने गए।

हमेशा एक किताब साथ रखते हैं खड़गे

कल्याणी कांबले ने बताया कि मल्लिकार्जुन कब सोते हैं, यह किसी को नहीं पता। वे चाहे घर में हो या बाहर, टीवी देख रहे हों या किसी रिश्तेदार के घर गए हों, उनके हाथ में एक किताब जरूर रहती है। ज्यादातर वक्त वे भगवान बुद्ध से जुड़ी या डॉ. अंबेडकर की किताब रखते हैं।

कांग्रेस नेता धर्म सिंह राजनीति में लेकर आए

मल्लिकार्जुन खड़गे का गुलबर्गा के जवलकर परिवार से गहरा नाता रहा है। परिवार के मुखिया 85 साल के लक्ष्मण बदरीनाथ जवलकर हैं। वे खड़गे को 15 साल की उम्र से जानते हैं। उनके छोटे भाई सुरेश और मल्लिकार्जुन दोनों क्लासमेट थे। बचपन से दोनों ने साथ पढ़ाई की और फिर लॉ ग्रेजुएट बने। लक्ष्मण ने बताया कि पॉलिटिक्स में एंट्री से पहले मल्लिकार्जुन ने लॉ की प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। राजनीति में जाना है या नहीं, इसका फैसला उनके घर पर हुई एक मीटिंग में लिया था। इसमें उनके भाई, मल्लिकार्जुन और कांग्रेस नेता धर्म सिंह मौजूद थे। धर्म सिंह ने ही मल्लिकार्जुन को पॉलिटिक्स में जाने के लिए मनाया था। लक्ष्मण के मुताबिक, उनके पहले चुनाव की तैयारी भी इसी घर में की गई थी।

लक्ष्मण जवलकर के बेटे संदीप ने बताया कि हम उनके इलेक्शन में बैनर पेंट किया करते थे। रात में पोस्टर चिपकाते और घर-घर पैम्फलेट्स बांटा करते थे। उनकी एम्बेसडर कार से गांवों में प्रचार करने जाते थे। 1972 में मल्लिकार्जुन खड़गे पहली बार चुनाव मैदान में उतरे। कांग्रेस ने उन्हें गुरमिटकल विधानसभा सीट से टिकट दिया था। खड़गे को 1,67,960 वोट मिले। उन्होंने निर्दलीय मुरथेप्पा को 94,400 वोट से हराया था।

दोस्त के लिए छोड़ दी मुख्यमंत्री की कुर्सी

मल्लिकार्जुन के लिए कहा जाता है कि कांग्रेस जब भी कर्नाटक में सत्ता में आई वे 'सीएम इन वेटिंग' रहे। 2004 में उनका मुख्यमंत्री बनना लगभग तय था, लेकिन उनके दोस्त धर्म सिंह का नाम सामने आया तो मल्लिकार्जुन पीछे हट गए। 2013 में भी मल्लिकार्जुन कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने जाने वाले थे। तब आखिरी वक्त में सिद्धारमैया का नाम आगे कर दिया गया।

1980 में आर गुंडु राव सरकार में मंत्री बनने के बाद मल्लिकार्जुन सभी कांग्रेस सरकारों में मंत्री रहे। राज्य की राजनीति में लिंगायतों और वोक्कालिगाओं के वर्चस्व के कारण वे मुख्यमंत्री नहीं बन पाए। 8 भाषाएं जानने वाले खड़गे की मराठी पर अच्छी पकड़ है। इसीलिए 2018 में पार्टी ने उन्हें महाराष्ट्र की जिम्मेदारी सौंपी थी।

खड़गे के लिए सबसे बड़ा मौका 2014 में आया। कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में बुरी तरह हार मिली थी। वह सिर्फ 44 सीटों पर सिमट गई। गुलबर्गा से दूसरी बार जीते खड़गे को पार्टी ने लोकसभा में अपना नेता बनाया। संसद में एक स्पीच के दौरान खड़गे ने कहा था- 'हम लोकसभा में 44 हो सकते हैं, लेकिन पांडव कभी सौ कौरवों से नहीं डरेंगे।'

गुलबर्गा में बनवाया बुद्ध विहार

मल्लिकार्जुन बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। वे सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

ट्रस्ट ने बुद्ध और डॉ. अंबेडकर के विचारों को फैलाने के लिए गुलबर्गा के बाहरी इलाके में बुद्ध विहार बनवाया है। इसकी देखरेख का जिम्मा उनके रिश्तेदार कल्याणी कांबले के पास है।

थाने में कांस्टेबल ने रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

डेढ़ महीने में यहीं दूसरे जवान ने दी जान

गरियाबंद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में सोमवार सुबह एक कांस्टेबल ने थाने के बैरक में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। जवान के आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। घटना मैनपुर थाने की है। पुलिस ने जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गोली चलने की आवाज पर जवान पहुंचे तो मिला शव

जानकारी के मुताबिक, मैनपुर थाने में आरक्षक दिनेश कोसले की पोस्टिंग थी। वह थाना परिसर में ही बने मकान में रहता था। सोमवार सुबह करीब 10 बजे जवानों ने बैरक में गोली चलने की आवाज सुनी। इस पर वे दौड़कर पहुंचे तो देख कि दिनेश का शव खून से लथपथ जमीन पर पड़ा हुआ था।

थाने के अंदर जाने से रोक लगाई गई

कांस्टेबल दिनेश ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कनपटी पर गोली मारी थी। इसके बाद जवानों ने उच्चाधिकारियों को इसकी जानकरी दी। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी चंद्रेश सिंह ठाकुर, एसडीओपी अनुज गुप्ता मौके पर पहुंच गए। थाने के अंदर जाने से रोक लगा दी गई है।

अगस्त में एएसआई ने की थी आत्महत्या

डेढ़ माह में इसी थाने में यह खुदकुशी की दूसरी घटना हुई है। इससे पहले 24 अगस्त को एक एएसआई ने भी थाने के बैरक में आत्महत्या कर ली थी। उसकी भी खुदकुशी का कारण अभी तक सामने नहीं आ सका है। परिजनों के आग्रह के बावजूद अब तक मामले की जांच का खुलासा नहीं हुआ है।

क्या हटेगा लंबे सस्पेंस से पर्दा?

हेमंत सोरेन की कुर्सी रहेगी या जाएगी? अब जेएमएम ने किया आरटीआई का इस्तेमाल

रांची, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कुर्सी रहेगी या जायेगी ? चुनाव आयोग के लिफाफे का राज कब खुलेगा? राज्यपाल के पास मौजूद चुनाव आयोग की चिट्ठी का सस्पेंस काफी लंबा खींच गया है। अब झारखंड मुक्ति मोरचा ने राज्यपाल से चुनाव आयोग की तरफ से आयी चिट्ठी की एक प्रति मांगी है। इसके लिए पार्टी ने सूचना के अधिकार का इस्तेमाल किया है। झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने इस अधिकार के तहत जानकारी मांगते हुए लिखा है, हेमंत सोरेन की सदस्यता मामले में चुनाव आयोग से आयी चिट्ठी की कॉपी चाहिए। इसके लिए झामुमो के द्वारा 10 रुपये का पोस्टल ऑर्डर भी जमा किया गया है। चुनाव आयोग की तरफ से इस चिट्ठी को लेकर किसी भी तरह की प्रतिक्रिया अब तक नहीं आयी है।

इस संबंध में हमने जब विनोद पांडेय से फोन पर बातचीत की,तो उन्होंने कहा, अब तक कोई जवाब नहीं आया है। मैं राज्यपाल से मिलकर बात करूंगा। विनोद पांडेय पार्टी की किसी बैठक में शामिल थे । विनोद पांडेय इस बैठक के बाद राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गयी यह जानकारी पहले भी कई माध्यमों से मांगने की और जल्द से जल्द सार्वजनिक करने की अपील राज्यपाल से की गयी है लेकिन सस्पेंस अब तक बरकरार है।

पहले भी राज्यपाल से की जा चुकी है अपील

राज्यपाल से मुलाकातों का यह दौर नया नहीं है। इससे पहले राज्यसभा की सदस्य महुआ मांझी ने भी राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी राज्यपाल से मुलाकात की थी। इन सभी मुलाकातों में राज्यपाल से अपील की गयी कि चुनाव आयोग के फैसले को जल्द से जल्द सार्वजनिक करें। पत्रकारों ने भी जब इस संबंध में राज्यपाल से सवाल किया, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि चुनाव आयोग से आया लिफाफा इतनी तेजी से चिपका है कि खुल नहीं रहा है। हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता का मामला काफी दिनों से राजभवन के पास लंबित है। ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में भाजपा ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। जिस पर चुनाव आयोग ने राजभवन को चिट्ठी भेज भेज दी थी। अब सवाल कि इस लिफाफे में है क्या ? इसका जवाब सिर्फ राजभवन के पास है और सभी को इसी सवाल के जवाब का इंतजार है।

जवाब जानने की तमाम कोशिश कर चुकी है हेमंत सरकार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 15 सितंबर को राज्यपाल से मुलाकात की। इस मुलाकात के साथ- साथ राजभवन को उन्होंने एक चिट्ठी सौंपी। मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, राजभवन में माननीय राजपाल श्री रमेश बैस जी से मुलाकात कर राज्य में विगत तीन सप्ताह से अधिक समय से उत्पन्न अनापेक्षित और दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों की अनिश्चितता को दूर करने हेतु पत्र सौंपा जिससे इस भ्रम की स्थिति में भाजपा द्वारा किये जा रहे अनैतिक प्रयास से उसे रोका जा सके।"

वसुंधरा राजे का गहलोत पर तीखा हमला

बोलीं- राजस्थान में दो साल से चल रहा 'कुर्सी का खेल'

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने राजस्थान के सियासी घमासान पर पहल बार चुप्पी तोड़ी है। राजे ने बीकानेर दौरे के दूसरे दिन कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। राजे ने कहा कि राजस्थान में दो साल से कुर्सी का खेल चल रहा है। एक कुर्सी पर बैठन चाह रहा है, जबकि दूसरा कुर्सी से उतरना नहीं चाह रहा है। बता दें वसुंधरा राजे देव दर्शन यात्रा के लिए बीकानेर दौरे पर आई है। सोमवार को मुकाम से राजे सीधे बीकानेर पहुंची जहां प्राचीन जूनागढ़ किले में गढ़ गणेश मंदिर में पूजा अर्चना की और इस दौरान गढ़ में स्थित मां चामुंडा और करणी माता के मंदिर में दर्शन किए। रविवार को देशनोक करणी माता मंदिर में दर्शन करने के बाद मुकाम में गुरु जंभेश्वर की समाधि पर धोक लगाई।

वसुंधरा बोलीं- 4 साल में राजस्थान पिछड़ गया

वसुंधरा राजे ने कहा कि पिछले 4 सालों में राजस्थान विकास के मामले में पिछड़ गया है। सरकार 2 साल तक पूरी तरह से कोरोना महामारी से बाहर नहीं निकली और अब 2 साल से कुर्सी का खेल चल रहा है। राजे ने अपने समय में हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि बीकानेर के विकास में हमेशा मैंने रुचि रखी है। यहां की सड़कों को चौड़ा करने का काम हो या फिर सूरसागर की सौंदर्यकरण की बात। अभी मैंने सूरसागर की हालात को देखा है और वह पूरी तरह से सूख गया है। जनसंवाद सभा को संबोधित करने के बाद राजे सूरसागर का निरीक्षण करने भी पहुंची। इस दौरान बीकानेर में तीन-तीन मंत्री होने के बावजूद सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे होने को लेकर राजे ने कहा कि यहां विकास रुक गया है और हमें फिर से राजस्थान में और बीकानेर में भी विकास करवाना है ताकि यहां पर्यटक ज्यादा से ज्यादा आए और वे अपने देश और प्रदेश में जाकर बीकानेर का जिक्र करें।

देवी सिंह भाटी की नहीं हुई वापसी

जूनागढ़ के सामने आयोजित जनसंवाद सभा में भी मंच पर सिर्फ वसुंधरा राजे के बैठने की व्यवस्था की गई थी। हालांकि राजे मंच पर रखे सोफे पर नहीं बैठी और खड़ा होकर अपना उद्बोधन दिया। इस दौरान मंच पर गंगानगर सांसद निहालचंद, पूर्व सांसद राहुल कस्वा, राजे के पुत्र और झालावाड़ सांसद दुष्यंत सिंह, बीकानेर पूर्व से विधायक सिद्धि कुमारी, पूर्व यूआईटी चैयरमैन महावीर रांका सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे। वहीं, पूर्व मंत्री रामप्रताप भी जनसंवाद सभा में नजर आए। हालांकि, बीकानेर शहर और देहात भाजपा के संगठन के पदाधिकारी और अध्यक्ष वहां नजर नहीं आए। जूनागढ़ के सामने आयोजित जनसंवाद सभा भी पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी की अगुवाई में आयोजित की गई थी और भाटी मंच के नीचे बैठकर पूरी व्यवस्थाओं को देख रहे थे। कयास लगाए जा रहे थे कि पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी की बीजेपी में वापसी होगी, लेकिन फिलहाल वापसी नहीं हो पाई है।

गहलोत बोले- राजस्थान कांग्रेस में लड़ाई नहीं

मिलकर सरकार बनाएंगे

कहा- यह फैलाया गया कि गांधी परिवार को कोई पूछ नहीं रहा, ये बकवास

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में हुए सियासी बवाल के मामले में गांधी परिवार के कमजोर पड़ने की चर्चाओं पर पलटवार किया है। गहलोत ने कहा- अब फैलाया जा रहा है कि गांधी परिवार को कोई पूछ नहीं रहा है। गांधी परिवार को वोट दिलाने की शक्ति नहीं रही है। ये सब बातें बकवास हैं।

उन्होंने कहा कि 30 साल से गांधी परिवार का कोई व्यक्ति पद पर नहीं है। गांधी परिवार का कोई व्यक्ति न मंत्री, न पीएम और न सीएम बना। बताइए गांधी परिवार को लेकर इनके पेट में दर्द क्यों होता है? इन्हें गांधी परिवार से तकलीफ क्या है? क्यों गांधी परिवार पर बार- बार अटैक करते हैं? गहलोत विद्याधर नगर में रैगर समाज के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे।

देश की जनता आज भी सोनिया, राहुल, प्रियंका को मानती है

गहलोत ने कहा- ये लोग कहते हैं, इनकी वोट कैचिंग पावर नहीं रही। आज भी देश की जनता कांग्रेस में सोनिया, प्रियंका और राहुल गांधी को मानती है। ये देश में जहां भी जाएंगे, लाखों लोग इकट्ठे हो जाएंगे।

गहलोत ने कहा- ये बार-बार वंशवाद की रट लगाते हैं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कह दिया कि हमारे परिवार का कोई व्यक्ति अध्यक्ष नहीं बनेगा। आप वंशवाद की बात करते हो, हम बाहर रह जाएंगे। सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री का पद त्याग दिया।

राजस्थान कांग्रेस में कोई लड़ाई नहीं, सब मिलकर अगली सरकार बनाएंगे

गहलोत ने कहा- कांग्रेस में झगड़ों की बात प्रचारित की जाती है। इससे बीजेपी को फायदा मिलता है। अखबारों में रोज न्यूज आती रहती है कि राजस्थान कांग्रेस में लड़ाई चल रही है। कोई लड़ाई नहीं है। हम सब मिलकर अगली सरकार बनाएंगे। यह हमारा संकल्प है। हमें जनता का आशीर्वाद चाहिए।

जनसंघ-बीजेपी आरक्षण का विरोध करते थे

गहलोत ने रैगर समाज के सम्मेलन में आए लोगों से कहा- आजादी के बाद कांग्रेस ही वह पार्टी है, जिसने आपको मान-सम्मान दिया है। आरक्षण की रक्षा की है। आज जो राज में हैं, इन्होंने कभी आरक्षण का समर्थन नहीं किया। ये वे लोग हैं जो पहले जनसंघ के रूप में काम करते थे। आज की भारतीय जनता पार्टी पहले जनसंघ के रूप में थी। ये नफरत करते थे। आरक्षण का विरोध करते थे। हम वो बातें भूले नहीं हैं।

गहलोत के मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा बोले-

सचिन पायलट मुख्यमंत्री के काबिल, चट्टान की तरह साथ खड़ा रहूंगा

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक ओर जहां राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान कांग्रेस में सबकुछ ठीक होने का दावा कर रहे हैं, वहीं नेताओं में मतभेद कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। राजस्थान के सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को एक बार फिर मुख्यमंत्री के योग्य और काबिल बताया है।

गुढ़ा ने कहा है कि काबिल व्यक्ति को कोई भी आगे बढ़ने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि समय जरूर लग सकता है लेकिन परिणाम अवश्य बेहतर आएगा। उन्होंने कहा कि पायलट का विरोध वही लोग कर रहे हैं जो पायलट के साथ बेवफाई कर चुके हैं। अब उन लोगों को यह लग रहा है कि पायलट मुख्यमंत्री बन गए तो बेवफाई को याद कर काम करेंगे।

चट्टान की तरह पायलट के साथ खड़ा रहूंगाः गुढ़ा

गुढ़ा ने कहा कि वह सचिन पायलट के साथ एक चट्टान की तरह साथ खड़े रहेंगे। उन्होने कहा कि राजेंद्र गुढ़ा जहां खड़ा होता है उनके साथ 10- 20 एमएलए जरूर जाते हैं। इसलिए उन्हें विश्वास है कि एक बेहतर परिणाम आएगा। उन्होंने कहा कि वह सच्चाई के साथ हमेशा खड़े रहे हैं और खड़ा रहेंगे।

गहलोत ने किया था दावा- राजस्थान में कोई लड़ाई नहीं

इससे पहले गहलोत ने कहा था राजस्थान में कोई लड़ाई नहीं है, हम लोग सब मिलकर अगली सरकार बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि खबरों में कांग्रेस के भीतर झगड़ों की बात प्रचारित की जाती है, जिससे भाजपा को फायदा मिलता है। उन्होंने कहा

था, 'अखबारों में रोज खबर आती रहती है कि राजस्थान कांग्रेस में लड़ाई चल रही है; कोई लड़ाई नहीं है, हम सब मिलकर अगली सरकार बनाएंगे। यह हमारा संकल्प है। हमें जनता का आशीर्वाद चाहिए।'

गहलोत ने आरोप लगाते हुए कहा था कि मीडिया दबाव में है और मीडिया में इस तरह की खबरे आती हैं जिससे भाजपा को फायदा हो। उन्होंने कहा था, 'आज भी देश की जनता कांग्रेस की सोनिया गांधी जी, राहुल गांधी जी, प्रियंका गांधी जी को मानती है, जहां वो जाएंगे लाखों लोग इकट्ठे होंगे।'

गृह मंत्री अमित शाह के कमांडो की मौत

ढाई साल से संभाल रहे थे पर्सनल सिक्योरिटी, दिल्ली से आ रहे थे घर

अलवर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के गृह मंत्री अमित शाह की सिक्योरिटी संभालने वाले जवान की सड़क हादसे में मौत हो गई। सीआरपीएफ जवान दो दिन पहले ही दिल्ली से छुट्टी लेकर घर की तरफ आ रहा थे। अचानक बीच रास्ते में कार पलट और हादसे में मौत हो गई। मामला अलवर जिले के बहरोड़ थाना क्षेत्र के करोड़ा गांव का है। हादसा 8 अक्टूबर को रात करीब 11:30 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार सुनील यादव (29) अलवर जिले के मुंडावार थाने के महनपुरबास के रहने वाले हैं। दिल्ली को वे अपने साले की गाड़ी में दिल्ली से अलवर के लिए निकले। साथ में हरियाणा के रेवाड़ी में रहने वाला उनकी बुआ का लड़का भी साथ था। बताया जा रहा है कि करोड़ा गांव के पास अचानक कोई अज्ञात जानवर आ गया। तभी कार पलट

गई। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोग उन्हें बहरोड़ के सरकारी हॉस्पिटल ले गए। जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। रविवार को सुनील यादव का सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। हालांकि सुनील की मौत के बाद अब सामने आया कि वे गृहमंत्री की पर्सनल सिक्योरिटी देखते थे। सुनील यादव 2011 में सीआरपीएफ में बतौर सैनिक जॉइन की गई थी। कुछ समय बाद उन्हें कमांडो बना दिया गया था। वे ढाई साल से गृहमंत्री शाह की सिक्योरिटी देख रहे थे। अमित शाह के हर दौरे और कार्यक्रम में फ्रंट पर नजर आते थे।

राजस्थान के 9 जिलों में बारिश की चेतावनी

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 9 जिलों में बारिश होने के आसार है। पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक बरसात भरतपुर के बयाना में करीब ढाई इंच से ज्यादा रिकॉर्ड की गई। 3 दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया। पार्वती डैम, कोटा बैराज और बीसलपुर बांध के गेट खोल कर पानी छोड़ा जा रहा है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक आंध्रप्रदेश के तटीय एरिया में बंगाल की खाड़ी के पास एक नया सिस्टम बना है। इसकी ट्रफ लाइन छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान के पूर्वी हिस्से और हरियाणा से होकर गुजर रही है। इस सिस्टम का असर पूर्वी राजस्थान में दिख सकता है। इससे भरतपुर, करौली, कोटा, बारां, बूंदी, सवाई माधोपुर, जयपुर, अलवर और दौसा में बारिश होने की संभावना है।

ओवरफ्लो हुई बनास नदी

बीसलपुर बांध के 2 गेट खोलकर लगातार 6 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है। इसके कारण टोंक, सवाई माधोपुर में कई जगह पर बनास नदी ओवर फ्लो होकर बह रही है। मलारना डूंगर में बनास नदी रपट से ऊपर बह रही है। इसके कारण वहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानी हो रही है।

फसलों को नुकसान, गिरदावरी के निर्देश

बारिश के कारण सबसे ज्यादा नुकसान खरीफ की फसलों को हुआ। सोयाबीन, तिल, ग्वार, मूंग समेत कई फसलें जो कटने के लिए या कटकर खेतों में है, वह भीग गई। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने बारिश से फसलों को हुए नुकसान की गिरदावरी कराने

के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी जिला कलेक्टर्स को नुकसान का आकलन करवाने को कहा है। बीमा कंपनियों को भी आकलन करवा कर मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं।

मौसम केन्द्र जयपुर और जल संसाधन विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान प्रतापगढ़, डूंगरपुर, अलवर, सीकर, जयपुर, अजमेर, बूंदी, बांसवाड़ा, झालावाड़, टोंक, उदयपुर, करौली, सवाई माधोपुर, झुंझुनूं, दौसा, बारां, धौलपुर, भरतपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा जिलों में बारिश हुई।

जयपुर की होटल में युवती से रेप

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर की एक होटल में युवती से रेप का मामला सामने आया है। मौसेरा भाई हाथ की नस काटकर मरने की धमकी देकर उसे होटल में ले गया था। होटल के रुम में जबरन दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो-फोटो ले लिए। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर पीड़िता ने कानोता थाने में रविवार रात रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि कानोता निवासी 25 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि उसके मौसेरे भाई ने उसके साथ रेप किया। 14 फरवरी को मौसेरे भाई ने उसके कॉल कर बुलाया। आगरा रोड पर मिलने जाने पर गाड़ी में बैठा लिया। होटल में चलने की कहने पर जाने से मना कर दिया। मना करने पर उसने ब्लेड से खुद का हाथ की नस काटकर मरने की धमकी देकर डराया।

डरा-धमकाकर उसे पुरानी चुंगी स्थित होटल में ले गया। होटल के रुम में जबरन उसके साथ रेप किया। दुष्कर्म के दौरान खुद के मोबाइल में अश्लील वीडियो-फोटो ले लिए। अश्लील वीडियो-फोटो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर पीड़िता ने परिजनों को आपबीती सुनाई। रविवार रात को पीड़िता ने कानोता थाने में मौसेरे भाई के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

'यह कोई परोपकार करना नहीं है'

गहलोत सरकार को एससी से लगी फटकार; मुआवजे के लिए उठाए गए कदमों से कोर्ट असंतुष्ट

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। घातक महामारी कोविड-19 से मरने वाले लोगों के आश्रितों को मुआवजा देने से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को फटकार लगाई है। राजस्थान सरकार की तरफ से कोरोना संक्रमण से मरे लोगों के परिजनों को मुआवजा देने से संबंधित उठाए गए कदमों को लेकर जो शपथ पत्र दायर किया था उसपर अदालत ने असंतुष्टि जताई है। अदालत ने कहा कि यह कोई परोपकार करना नहीं था। जस्टिस एम आर शाह और कृष्ण मुरारी की बेंच ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वो इस मामले में विस्तृत शपथ पथ दायर करें।

अदालत ने कहा पहले भी आपने आश्वासन दिया था। राजस्थान की सरकार कोई परोपकार नहीं कर रही है। इस कोर्ट के द्वारा निर्देश दिया जा चुका है कि कोविड-19 से संक्रमित लोगों के साथ सहानुभूति वाला रवैया अपनाना है। राजस्थान सरकार की तरफ से जो शपथ पत्र दाखिल की गई है वो संतोषजनक नहीं है। वकीलों ने इसके बाद विस्तृत शपथ पत्र दाखिल करने का समय मांगा। जिसपर अदालत ने कहा कि शुक्रवार तक दाखिल करें।

अदालत में राजस्थान सरकार की तरफ से मौजूद वकील ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट वकील गौरव कुमार बंसल की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में आरोप लगाया है कि राजस्थान सरकार कोरोना महामारी की वजह से मरने वाले लोगों के परिजनों को 50 हजार रुपये बतौर मुआवजा देने के आदेश का पालन नहीं कर रही है।

अदालत ने इस बात पर भी चिंता जाहिर की है कि जरूरतमंदों के परिजनों को 50,000 रुपये देने के फर्जी दावे किये जा रहे हैं।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के सब इंस्पेक्टर का बनाया अश्लील वीडियो

ठग सीबीआई अधिकारी बन धमकाते, बोले: तूने लड़की के साथ गलत किया

भरतपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली की ट्रैफिक पुलिस में तैनात एक सब इंस्पेक्टर को सेक्सटॉर्शन में फंसा अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद दो ठग सब इंस्पेक्टर को CBI अधिकारी बन धमकाते रहे। इतना ही नहीं राजीनामा के नाम पर 6 लाख 27 हजार रुपए ठग भी लिए। इसके बाद भी ठग ब्लैकमेल करते रहे तो इंस्पेक्टर ने हरियाणा में मामला दर्ज करवाया। मामला भरतपुर के सीकरी थाना क्षेत्र के का है। इस मामले में हरियाणा पुलिस ने भरतपुर से दो ठगों को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस में तैनात सब इंस्पेक्टर राजवीर ने हरियाणा के सोनीपत साइबर क्राइम में शिकायत देते हुए बताया की, 25 को वह अपने घर सोनीपत गया हुआ था। तब उसके पास एक वीडियो कॉल आया। राजवीर ने जैसे फोन उठाया तो वीडियो कॉल पर एक न्यूड लड़की थी। वह राजवीर से कपड़े उतारने की कहने लगी। राजवीर ने मना करने पर लड़की ने वीडियो कॉल काट दिया। इसके बाद 29 सितंबर को राजवीर के पास कई अलग-अलग नंबर से फोन आए। ठगों ने राजवीर को कहा कि तूने लड़की के वीडियो कॉल पर गलत हरकत की है।

जब वह ब्लैमेलिंग से परेशान होने लगा तो 5 अक्टूबर को हरियाणा के सोनीपत में मामला दर्ज करवाया। हरियाणा की साइबर सेल टीम ने ठगों के नंबर ट्रेस कर सोमवार को सीकरी थाना पहुंची जहां से भुरू का बास गांव से आरिफ और झंझार गांव से सोहेल को गिरफ्तार किया है।

केंद्रीय मंत्री व उसके बेटे के पक्ष में उतरी बीजेपी : पूर्व मंत्री ने पूछा-

चप्पल उतारने से जिला बनता है, तो कपड़े उतारकर स्टेट बना देंगे क्या ?

बाड़मेर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और कांग्रेस विधायक मदन प्रजापत के बीच बजरी खनन को लेकर छिड़ी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस विधायक मदन प्रजापत ने मंत्री के बयानों पर पलटवार करते हुए मंत्री सीएम के जूतों का ही मुकाबला नहीं कर सकता है। वहीं मंत्री के बेटे पर बजरी लूट कर भागने के आरोप लगाए थे। अब बालोतरा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी मंत्री व उसके बेटे के पक्ष में उतरने हुए प्रेसवार्ता की, मंत्री व बेटे पर लगाए आरोपों को बेबुनियाद बताया है। वहीं पूर्व मंत्री ने विधायक से पूछा कि चप्पल उतारने से जिला बनता है, तो कपड़े उतारकर स्टेट बना देंगे क्या?

पूर्व मंत्री अमराराम ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि वादे

बड़े-बड़े कर रहे है कि जिला हॉस्पिटल बना दूंगा पता नहीं कब बनाएंगे। विधायकी कार्यकाल 10 माह का रहा है। सितंबर में आचार संहित लग जाएगी। जनता का सेवक जनता की सेवा करता है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को कभी फुटबाल (ट्रांसफर) करके कभी सिरोही तो कभी जैसलमेर भेजते हो। यह काम ही रहा है विधायक का। आरोप लगाते हुए कहा कि आईसीयू वार्ड बना दिया लेकिन बीते महीनों से बंद पड़ा है। विधायक मदन प्रजापत बेबुनियाद केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी पर आरोप लगा रहे है। पूर्व मंत्री अमराराम ने कहा कि पहले खुद गिरेबान में देखों कि आप कहां पर हो। मंत्री के बेटे पर आरोप लगाना गलत है। बेटा ठेके काम करता है तो क्या गलत करता है। पूर्व मंत्री ने विधायक मदन प्रजापत पर आरोप लगाया कि मुस्लिम समाज के आप हितैषी बताते है और इनके राज में ही मर्डर होते है। बेवजह आरोप लगाने से अच्छा है कि जनता का काम कर दो। आने वाले चुनाव में जनता विधायक को जवाब देगी।

पूर्व मंत्री ने प्रेसवार्ता कर विधायक से पूछा कि नंगे पैर घूम रहे हो

पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी ने बालोतरा में प्रेसवार्ता कर विधायक मदन प्रजापत से पूछा कि आप नंगे पैर घूम रहे हो। नंगे पैर फिरकर जिला बना देगें क्या, तो फिर कपड़े उतार दोंगे तो फिर क्या बना दोगे स्टेट बना दोगे क्या? सत्ता में रहकर इस प्रकार की हरकत करना सही नहीं है।

भाजपा से उसी की स्टाइल में लड़ेगी कांग्रेस

बीजेपी की खासियत को ही हथियार बनाकर चुनावी मैदान में उतरेगी टीम गहलोत

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अपनी बेहतरीन और गेम चेंजर मानी जाने वाली योजनाओं पर जनता के बीच एक बहस खड़ी कर चुनावी मैदान में जाना चाहती है। कांग्रेस अब अपनी उपलब्धियों पर चुप नहीं रहेगी, बल्कि लोगों के बीच जाकर बुलंद तरीके से उनके विषय में बात करेगी। अपने अच्छे कामों को लोगों के बीच चर्चा में लाकर चुनाव तक ऐसा माहौल बनाएगी कि लोगों में गुड गवर्नेंस का माहौल बनाया जा सके। कांग्रेस के पॉलिसी मेकर्स का मानना है कि जिस तरह से केंद्र की योजनाओं और फैसलों को भाजपा सोशल मीडिया पर ट्रेंड कराकर माहौल बना रही है, अब उसके पास अपनी सरकार की योजनाओं को जनता तक ले जाने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। इसलिए तय किया गया है कि केन्द्र सरकार की योजनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मीडिया हाइप को जवाब देने के लिए कांग्रेस अपने कामों पर जनता में बहस करवाए और उन पर लोगों का ध्यान आकर्षित करें। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी अपने नेता-कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं को लेकर जनता में ज्यादा से ज्यादा बात करने के लिए कह रहे हैं।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा अन्नदान संपन्न

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा अन्नदान किया गया। शाखा मंत्री शीतल जैन के नेतृत्व में मोंडा मार्केट स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में बच्चों के साथ भोजन कराया गया। तत्पश्चात बच्चों को गेम खिलाए गए। जीतने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया एवं बच्चों के मनोरंजन के लिए खेलकूद की सामग्री भी दी गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने मे शाखा के रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, सुमित्रा सांखला, अनीता सुराणा, कविता मांडण संतोष गुजरानी, संतोष जैन, ललिता लोहार, रिद्धि बोहरा, बबीता, संयम, अनुष्क, वंश, तनिष्क, श्लोक,का सराहनीय सहयोग रहा। शाखा के कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजगोपाल रेड्डी ने मुनुगोड़े के विकास की उपेक्षा की : मंत्री

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के मुनुगोड़े उम्मीदवार के राजगोपाल रेड्डी के विधायक के रूप में खराब प्रदर्शन को लक्षित करते हुए, तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) के कार्यकारी अध्यक्ष और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि रेड्डी ने निर्वाचन क्षेत्र के विकास की उपेक्षा की और व्यक्तिगत लाभ और अनुबंध हासिल करने के लिए लोगों के हितों का वचन दिया। भाजपा उम्मीदवार एक विधायक के रूप में पूरी तरह से फ्लॉप रहे, जो क्षेत्र के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहे। और अब, वह फिर से झूठे वादों के साथ लोगों को धोखा देने के लिए कमर कस रहा है। निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार कर रहे टीआरएस (बीआरएस) नेताओं के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में, मंत्री ने कहा कि मुनुगोड़े उपचुनाव निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के स्वाभिमान और राजगोपाल रेड्डी के अहंकार के बीच एक प्रतियोगिता है।

उन्होंने कहा कि यह राजगोपाल रेड्डी की धन शक्ति और मुनुगोड़े लोगों की इच्छा शक्ति के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मुनुगोड़े उपचुनाव केवल भाजपा उम्मीदवार के धन के लालच और करोड़ों के अनुबंध हासिल करने के कारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस संदेश को निर्वाचन क्षेत्र के लोगों तक पहुंचाया जाना है। यह आरोप लगाते हुए कि राजगोपाल रेड्डी केवल अनुबंध हासिल करने के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं, मंत्री ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार एक राजनीतिक व्यवसायी है। उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभा में भी वह ठेकेदारों के बिल के मुद्दे उठाते हैं और लोगों की समस्याओं के बारे में आवाज उठाने की कभी परवाह नहीं करते हैं। पूर्व में भाजपा प्रत्याशी ने लोगों से कई वादे किए थे, लेकिन उनमें से एक भी पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि अब, भाजपा द्वारा सुगम अनुबंधों से उत्पन्न कमीशन के पैसे के साथ, राजगोपाल रेड्डी मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बाइक, कार और अन्य कीमती सामान की पेशकश कर रहे है।

चैतन्यपुरी क्षेत्र में 21वीं ज्ञानशाला का शुभारंभ

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। परम पुज्य युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के निर्देशन से हैदराबाद में विराजित साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी आदि ठाणा 5 की मंगल प्रेरणा से श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा सिकन्दराबाद के तत्वावधान में हैदराबाद नगरत्रय में 21वीं ज्ञानशाला का शुभारंभ चैतन्यपुरी क्षेत्र में किया गया। नूतन ज्ञानशाला का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा सिकन्दराबाद के पदाधिकारी वर्ग में सहमंत्री राकेश सुराना, धर्मेन्द्र चौरडिया, ज्ञानशाला विभाग संयोजक सुनील बोहरा, नवीन दस्साणी व कमल बरमेचा तथा हुक्मीचन्द कोटेचा की विशेष उपस्थिति रही। चैतन्यपुरी समाज के गौतमचंद सुराणा, महिपाल भण्डारी, कमलसिंहजी संचेती, विमल सेठिया, सुनील सुराणा, संदीप गेलडा, सागर कुंडलिया, महेश दायमा, सुनील सिंघी, नवरत्न कोठारी, अशोक सेठिया, अनिल बोकाडिया, विनय संचेती, अणुव्रत सुराणा, रोशन सिसोदिया की उपस्थिति रही। वहाँ के महिला समाज की सदस्यों की बहुत ही अच्छी संख्या में उपस्थिति थी। आन्ध्रप्रदेश व तेलंगाना के आंचलिक संयोजक श्रीमती सीमा दस्साणी, तेलंगाना क्षेत्रीय संयोजक श्रीमती संगीता गोलछा, मुख्य प्रशिक्षक श्रीमती पुष्पा बरडिया, क्षेत्रीय सहसंयोजक श्रीमती कविता आच्छा, यशोदा कोठारी व हैदराबाद ज्ञानशाला के परामर्शक श्रीमती अंजू बैद ने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ चैतन्यपुरी ज्ञानशाला के बैनर का विधिवत विमोचन किया। इस नूतन ज्ञानशाला में 15 बच्चों ने ज्ञानार्थीयों के रुप में तथा 4 बहनों ने प्रशिक्षिकाओ के रूप में प्रवेश लिया।

भाकपा सचिव ने पीएम से किया एपी पुनर्गठन अधिनियम के वादे का सम्मान करने का आग्रह

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक और राज्य भाकपा सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के आश्वासन के अनुसार तेलंगाना के बयाराम में इस्पात संयंत्र की स्थापना के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। भाकपा नेता ने कहा कि हाल ही में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने एक बयान दिया था कि तेलंगाना राज्य के बयाराम में इस्पात संयंत्र की स्थापना की कोई व्यवहार्यता नहीं है, जिससे तेलंगाना और विशेष रूप से अविभाजित खम्मम जिले के लोगों को झटका लगा है, जहां लौह अयस्क है। यह आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम - 2014 का सरासर उल्लंघन है, जिसे संसद में सर्वसम्मति से पारित किया गया था, यहां तक कि दोनों सदनों में तत्कालीन विपक्षी भाजपा पार्टी द्वारा पूर्ण समर्थन के साथ भी। उस अधिनियम में, यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि तेलंगाना में यानी बयाराम में इस्पात संयंत्र स्थापित किया जाएगा। लेकिन, राज्य सरकार या संबंधित हितधारकों के साथ कोई चर्चा किए बिना, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने एकतरफा बयान दिया, जो तेलंगाना के लोगों को धोखा देने के अलावा और कुछ नहीं है।

दमरे महाप्रबंधक (प्रभारी) ने ट्रेन की गति बढ़ाने की प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक (प्रभारी), दक्षिण मध्य रेलवे, रेल निलयम, सिकंदराबाद में विभाग प्रमुखों के साथ जोन की सुरक्षा और प्रदर्शन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी छह मंडलों विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। अरुण कुमार जैन ने स्वर्णिम चतुर्भुज और स्वर्ण विकर्ण मार्गों पर गति को 130 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के लिए चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पूरे क्षेत्र में चिन्हित वर्गों पर अनुभागीय गति को 110 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने की प्रगति की भी समीक्षा की। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को चालू वित्त वर्ष (2022-23) के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी। इसके अलावा, उन्होंने जोन पर मौजूदा गति प्रतिबंधों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को सलाह दी कि जहां भी संभव हो, उन्हें आवश्यक कार्यों के साथ हटा दें, ताकि ट्रेनों की आवाजाही में और तेजी लाई जा सके।महाप्रबंधक ने क्षेत्र के सभी छह मंडलों में किए गए मेगा सुरक्षा अभियानों की स्थिति की भी समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को ड्राइव को और मजबूत करने और पूरे क्षेत्र में ट्रेन के संचालन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बिना किसी चूक के कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार क्षेत्र निरीक्षण करके पर्यवेक्षण को और बढ़ाएँ। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान यदि कोई कमी पाई जाती है तो उसकी सूचना दी जानी चाहिए और बिना किसी देरी के तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए.इसके अलावा, महाप्रबंधक ने लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों सहित सुरक्षा कर्मचारियों को दिए जा रहे नियमित प्रशिक्षण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने तनाव के स्तर को कम करने और ट्रेन के संचालन के दौरान पूरा ध्यान सुनिश्चित करने के लिए लोको पायलटों के लिए विशेष परामर्श और ध्यान सत्र लागू करने पर जोर दिया। ध्यान सत्र तनाव को दूर करेगा और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को मजबूत करने में मदद करेगा।

आयुर्वेद दिवस के महत्व के बारे में बताया गया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, 7वें आयुर्वेद दिवस-2022 के अवसर पर आज सरकारी हाईस्कूल मलकपेट में डॉ. साकेत राम अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने आयुर्वेद दिवस-2022 के महत्व पर प्रकाश डाला। जिसका विषय हर दिन हर घर आयुर्वेद थीम के साथ आयुर्वेद दिवस-2022 के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ अनुसंधान अधिकारी ने छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए और शिक्षकों में औषधीय पौधे जैसे कि अडासरा, तुलसी, जलाब्राह्मी, जम्मी, एलोवेरा, लौकी, रानाफला, वायु, पान, इंसुलिन के पौधे आदि वितरित किये। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य राजू और के.श्रीनिवास राव, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक ने भाग लिया।

तेलंगाना मुख्य चुनाव अधिकारी से मिला टीआरएस प्रतिनिधिमंडल

अधिकारी से कार की तरह दिखने वाले प्रतीकों को हटाने का किया आग्रह

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति ने सोमवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) से स्वतंत्र प्रतीकों की सूची से कुछ समान प्रतीकों को हटाने का आग्रह किया क्योंकि वे अपने आधिकारिक प्रतीक कार के समान दिखते हैं।

सरकारी सचेतक दस्यम विनय भास्कर, एमएलसी भानु प्रसाद, टीआरएस महासचिव सोमा भरत कुमार ने यहां अपने कार्यालय में तेलंगाना के मुख्य चुनाव अधिकारी विकास राज से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा जिसमें आठ प्रतीकों को हटाने की मांग की गई, जो टीआरएस के कार के आधिकारिक प्रतीक के समान दिखते हैं। कार पिछले दो दशकों से टीआरएस का आधिकारिक प्रतीक रही है और पार्टी ने इस चिह्न पर दो बार तेलंगाना में राज्य सरकार के गठन सहित कई चुनाव लड़े।

टीआरएस पार्टी वादों को पूरा करने में सफल रही है और राज्य में लोगों का विश्वास और स्नेह अर्जित किया है। हालांकि, हमारे विरोधी चुनाव में हमारी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए संदिग्ध तरीके अपना रहे हैं।

इस प्रक्रिया में पार्टी ने एक ज्ञापन में कहा कि ईवीएम मशीनों पर टीआरएस चिन्ह कार को मान्यता देते हुए विरोधी कैमरा, चपाती रोलर, डोली, रोड रोलर, सोप डिश, टेलीविजन, सिलाई मशीन और जहाज सहित समान प्रतीकों का लाभ उठा रहे हैं, जो मतदाताओं को चुनने में भ्रमित करने के लिए मुफ्त प्रतीकों की सूची में उपलब्ध हैं।

इसने आगे कहा कि अक्सर, इन समान प्रतीकों पर चुनाव लड़ने वाले इन उम्मीदवारों को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की तुलना में अधिक वोट मिले। कुछ उम्मीदवार टीआरएस पार्टी की जीत की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे हैं। टीआरएस नेताओं ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि कुछ और समान प्रतीकों में भी टीआरएस पार्टी के मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा करने की क्षमता है और वोटों को तथाकथित निर्दलीय उम्मीदवारों की ओर मोड़ दिया गया है। पार्टी ने चुनाव आयोग से निम्नलिखित समान प्रतीकों को मुक्त प्रतीकों की सूची से हटाने और स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से उपचुनाव कराने का आग्रह किया।

एनएमडीसी ने आईसीटी और डिजिटल समाधान के लिए रेलटेल के साथ समझौता किया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एनएमडीसी और रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने अपने कॉरपोरेट कार्यालयों और खनन परिसरों दोनों में एनएमडीसी की आईसीटी और डिजिटल परिवर्तन सेवाओं को कवर करते हुए एक करार किया है।

इस आशय के समझौता ज्ञापन पर एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब की उपस्थिति में एनएमडीसी के महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) एच. सुंदरम प्रभु और रेलटेल के कार्यकारी निदेशक मनोहर राजा ने सोमवार को हैदराबाद में एनएमडीसी के मुख्यालय में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कंपनी के निदेशक (वित्त) अमिताभ मुखर्जी, निदेशक (तकनीकी) सोमनाथ नंदी, निदेशक (उत्पादन) श्री दिलीप कुमार मोहंती और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। सुमित देब ने कहा कि यह साझेदारी संसाधनों के इष्टतम उपयोग और खनिज जवाबदेही के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे खनन क्षेत्र में एक मजबूत डिजिटल परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। भारत के अग्रणी खनिक के रूप में, एनएमडीसी स्वचालन और डिजिटलीकरण को शीघ्र अपनाने वाला संगठन है। रेलटेल के साथ हमारा सहयोग हमारी इस दिशा में पहले ही प्रारम्भ की गई यात्रा को गति देगा। अमिताभ मुखर्जी ने कहा, "रेलटेल परामर्श, परियोजना प्रबंधन और निष्पादन सेवाएं प्रदान करेगा जिससे दक्षता और पारदर्शिता बढेगी। एनएमडीसी को शीर्ष लीग में बनाए रखने के लिए यह एक बड़ा कदम है। यह समझौता ज्ञापन एनएमडीसी की पहले से ही राष्ट्रीय रेलवे टेलीकॉम के साथ साझेदारी को और सुदृढ बनाएगा जो पिछले 7 वर्षों से एनएमडीसी के 11 स्थानों पर एमपीएलएस वीपीएन और 7 स्थानों पर इंटरनेट लीज्ड लाइनें (आईएलएल) और हाई-डेफिनिशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समाधान प्रदान कर रहा है।

श्री सखी बाबा मठ, पुरानापुल में शरद पूर्णिमा के अवसर पर महंत ठाकुरदासजी महाराज के सान्निध्य में आयोजित श्री श्याम भजन संध्या में बतौर अतिथि उपस्थित समाजसेवी गोपाल बल्दवा का सम्मान करते हुए मठ के सदस्य तथा भजन कार्यक्रम का लाभ लेते हुए श्रद्धालु।

प्रसिद्ध धारावाहिक कौन बनेगा करोडपति के सेट पर फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए हैदराबाद के बृजेश बंग, सुमन बंग, वेणु बांगड व अन्य।

गृहमंत्री से की गई पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर क्षेत्र के नेताओं ने राज्य के गृहमंत्री मो. महमूद अली से मुलाकात की तथा यह शिकायत की कि निर्वाचन क्षेत्र में जब स्थानीय लोगों की समस्याओं को पुलिस अधिकारियों के ध्यान में लाया जाता है, तो पुलिस अधिकारी समस्याओं को सुलझाने पर कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने गृहमंत्री को बताया कि तेलंगाना सरकार बार-बार जनसमस्याओं को सुलझाने पर जोर दे रही है तथा सभी विभाग के अधिकारियों को समय-समय पर उचित निर्देश भी दे रही है। इसी स्थिति में पुलिस अधिकारियों का जनसमस्याओं को सुलझाने में रुचि नहीं दिखाया जाना चिंता की बात है। उन्होंने बताया कि कुछ पुलिस अधिकारियों, कुछ एसएचओ के आलस्य के कारण लोग पीड़ित हैं। आपातकाल के दौरान भी फोन उठाए बिना लापरवाही से काम करने की शिकायत की गई। इस अवसर पर स्थानीय टीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में कई लोगों ने गृह मंत्री महमूद अली को एक याचिका सौंपी। गृह मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और समस्या पर कार्रवाई करने का वादा किया। इस अवसर पर जामबाग बीसी संभाग के महासचिव जी. नंदू कुमार, अल्पसंख्यक अध्यक्ष अहमद, उपाध्यक्ष सलमान समेत अन्य ने भाग लिया।

मदनूर में कपास खरीदी का प्रारंभ किये जाने के अवसर पर जिनिंग मिल मालिक शशिकांत, गुरु सेठ चिद्रावार, काशी बाजार समिति अधिकारी निजी व्यापारियों के समक्ष स्थानिक किसानों से एक किंटल कपास 8429 रूपये में खरीदी गई। इस समय स्थानीय व्यापारी कृष्णा पोलावार, राजेश काकानी के साथ अनेक लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल डॉ. तामिलसाई सुंदरराजन से मुलाकात कर चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर में आगामी दीपावली पर आयोजित पूजा कार्यक्रम में भाग लेने का आमंत्रण सौंपती हुईं मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला व अन्य।

सोमवार को एटोमलॉजी विभाग के कर्मचारियों में पीपी किट्स वितरित करते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल। उपस्थित हैं जीएचएमसी के ईएफए दीलिप नाडे, के. रामकृष्णा व अन्य।

रिजवान ने कहा मुझे सूर्या बहुत पसंद

बोले- हम दोनों के बीच कोई तुलना नहीं हो सकती, मैं ओपनर वो मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को टी-20 वर्ल्ड रैंकिंग जारी की। बैटिंग रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाज महज कुछ अंकों के अंतर से पाकिस्तानी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान से पिछड़ गए और उन्हें रैंकिंग में दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा। मोहम्मद रिजवान और सूर्यकुमार यादव में 16 अंकों का अंतर था। एक तरह जहां रिजवान के 854 अंक थे वहीं सूर्या के 838 अंक रहे। दोनों के बीच टी-20 वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर 1 स्पॉट के लिए कड़ा मुकाबला है। अक्सर दोनों बल्लेबाजों के बीच तुलना होती रहती है।

इस मामले पर हाल ही में मोहम्मद रिजवान से उनकी राय पूछी गई थी। दरअसल, न्यूजीलैंड में चल रही पाकिस्तान-बांग्लादेश-न्यूजीलैंड ट्राई सीरीज में पाकिस्तान-बांग्लादेश मुकाबले में पाकिस्तान ने जीत हासिल की थी। रिजवान ने इस मैच में 50 गेंदों में 78 रनों की धुंआधार पारी खेली थी। जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में रिजवान से उनके और सूर्या के बीच हो रही तुलना को लेकर सवाल किया गया था।

रिजवान ने इसके जवाब में सूर्या की तारीफ की वहीं उन्होंने दोनों के बीच के अंतर को भी बताया। उन्होंने कहा, 'सूर्यकुमार यादव अच्छे खिलाड़ी हैं। जिस तरह से वो खेलते हैं मुझे बहुत पसंद है। लेकिन जहां तक दोनों की तुलना की बात है तो दोनों खिलाड़ियों के खेल में अंतर है। मैं ओपनर हूं और वो मिडिल ऑर्डर में खेलते हैं।'

लगातार रैंकिंग में नंबर 1 पर रहने की बात पर रिजवान का कहना है, 'कभी रैंकिंग में नंबर 1 बनने के लिए सोचा ही नहीं। पाकिस्तान टीम की जो जरूरतें हैं वही पूरी करने की कोशिश कर रहा हूं। नंबर 1 रैंकिंग और मैन ऑफ द मैच जैसी बातें खिलाड़ी को नेगेटिविटी की तरह ले जाती हैं पर मैं इन सब के बारे में नहीं सोचता।'

न्यूजीलैंड में जारी इस टी-20 सीरीज में पाकिस्तानी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है। रिजवान की लंबी पारी ने टीम को बांग्लादेश के खिलाफ जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ अखिरी मैच में बनाए केवल 6 रन

अगर सूर्यकुमार साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी करते तो वह रिजवान को पीछे छोड़ सकते थे। इंदौर में खेले गए आखिरी टी-20 में उन्होंने 6 गेंदों का सामना कर 8 रन बनाए। वहीं अगर ओवरऑल सीरीज की बात की जाए तो सूर्या ने 3 मैचों में 59.50 की औसत से 119 रन बनाए हैं। इसमें दो हाफ सेंचुरी भी शामिल है। उनका स्ट्राइक रेट 195.08 रहा।

साड़ी पहनकर कबड्डी खेलने उतरीं महिलाएं

छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक में गिल्ली-डंडा, पिट्टू जैसे पारंपरिक-लोकप्रिय खेल हो रहे

रायपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इन दिनों छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक चल रहा है। जो इस समय अपने लोकप्रिय और पारंपरिक खेलों के कारण चर्चा में है। गांव-गांव में आयोजित हो रहे इन खेलों से एक रोचक और मजेदार वीडियो सामने आया है। जिसमें कुछ महिलाएं साड़ी पहनकर कबड्डी खेलती नजर आ रही हैं। 2 दिन पहले पोस्ट हुए इस वीडियो को सोशल मीडिया में खूब पसंद किया जा रहा है।

3 महीने तक चलने वाले इन खेलों के तहत 14 पारंपरिक और लोकप्रिय खेलों का आयोजन हो रहा है। इनमें गिल्ली-डंडा, कबड्डी, पिट्ठूल, लंगड़ी दौड़, खो-खो, रस्साकसी और बाटी कंचा शामिल हैं।

इन खेलों की शुरुआत 6 अक्टूबर को हुई। जो 6 जनवरी 2023 तक चलेंगे। खेलों के तहत ब्लॉक लेवल पर महिलाओं-पुरुष टूर्नामेंट आयोजित हो रहे हैं।

प्रयास ऐसा...मानों इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेल रही हों

ये महिलाएं खेल में इतनी मशगूल हैं। जैसे वो किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेल रही हों। एक महिला रेड ले रही है। जबकि विपक्षी टीम की महिलाएं उसे घेरने की कोशिश करती हैं। और आखिर में उसे पकड़ लेती हैं। इस दौरान लोग महिलाओं का उत्साह भी बढ़ा रहे हैं।

2017 में मंडल में महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा के तहत 2 दिनी क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित हुआ था। इसके फोटो एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पोस्ट किए थे।

2017 में मंडल में महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा के तहत 2 दिनी क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित हुआ था। इसके फोटो एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पोस्ट किए थे।

जब सांसद ने खेली फुटबॉल

20 दिन पहले तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा साड़ी पहनकर फुटबॉल खेलती नजर आई थीं। ये फोटो कृष्णानगर एमपी कप टूर्नामेंट के फाइनल मैच के दौरान ली गई थीं। उन्होंने 16 अगस्त, 2022 को फुटबॉल खेलते हुए अपनी तस्वीरें शेयर की थीं, जब तृणमूल कांग्रेस ने खेला होबे दिवस मनाया था।

ऑस्ट्रेलियन बैट्समैन ने कैच पकड़ रहे इंग्लिश बॉलर को धकेला

ट्रोल हुए; कप्तान ने नहीं की ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड की अपील

पर्थ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट जगत में एक बार फिर ऑस्ट्रेलियंस को शर्मसार होना पड़ा है, जब पर्थ में रविवार को पहले टी-20 मुकाबले के दौरान मैथ्यू वेड ने कैच लेने का प्रयास कर रहे मार्क वुड को जानबूझकर धक्का मारा। हालांकि, वे आउट नहीं हुए, क्योंकि इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के तहत आउट की अपील नहीं की। वेड आउट तो नहीं हुए, लेकिन उन्हें ट्रोलिंग का सामना जरूर करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 17वें ओवर में मार्क वुड ने मैथ्यू वेड को बॉल डॉली और बॉल विकेट के ऊपर खड़ी हो गई। ऐसे में गेंद फेंकने के बाद मार्क वुड कैच पकड़ने के लिए दौड़े। वे बॉल तक पहुंचते उससे पहले ही वेड ने उन्हें धक्का मारा और उन्हें रोकने की कोशिश भी की। क्रिकेट में ऐसा करने की मनाही है। कोई भी बल्लेबाज फील्डिंग में बाधा नहीं डाल सकता है। इसे चीटिंग की श्रेणी में रखा गया है। इस घटना के बाद पूर्व क्रिकेटर और फैंस ने वेड को ट्रोल करना शुरू कर दिया।

यदि कोई बल्लेबाज जानबूझकर फील्डिंग में अवरोध पैदा करता है या फिर बॉल को डिफलेक्ट करता है, तो उसे ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के तहत आउट करार दिया जा सकता है। बशर्ते फील्डिंग कर रही टीम के कप्तान को उस बल्लेबाज के खिलाफ ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड की अपील करनी होगी। उसके बाद यदि फील्ड अंपायर को लगता है कि वाकई में बल्लेबाज ने जानबूझकर फील्डिंग में बाधा डाली है तो अंपायर संबंधित बल्लेबाज को आउट दे सकते हैं। ICC प्लेइंग कंडीशन के 37.1.1 में इसका उल्लेख किया गया है।

फैंस को आई वर्ल्ड कप फाइनल की याद

इस घटना ने फैंस को 2019 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल की याद दिला दी। जब आखिरी ओवर में गुप्टिल के थ्रो पर बॉल जोस बटलर के बल्ले से लगकर बाउंड्री की ओर चल गई थी और इंग्लैंड को फ्री के 6 रन एक्स्ट्रा मिल गए थे।

वर्ल्ड कप के पहले वॉर्मअप मैच में भारत की जीत

सूर्या ने 35 बॉल में बनाए 52 रन, अर्शदीप ने झटके 3 विकेट

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट को लेकर भारतीयों में अच्छा खासा क्रेज देखने को मिलता है। यही हाल 16 अक्टूबर से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भी है, जिसकी मेजबानी ऑस्ट्रेलिया कर रहा है। फैंस इस टूर्नामेंट और भारत की परफॉरमेंस को लेकर उत्साहित हैं। इंडियन क्रिकेट टीम भी फैंस की उम्मीदों पर खरा उतरने और 2007 के बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीतने को लेकर अपनी तैयारी में किसी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

इसी कड़ी में इंडिया ने सोमवार को अपना पहला अनऑफिशियल वॉर्मअप मैच खेला। मैच में इंडिया का टॉप ऑर्डर लड़खड़ाता नजर आया। ऋषभ पंत और रोहित शर्मा सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे, लेकिन दोनों कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। रोहित जहां 3 वहीं, पंत 9 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। दीपक हूड्डा भी 22 रन बनाकर आउट हो गए। 100 रनों से पहले ही अपने 4 विकेट गंवा चुकी टीम इंडिया के लिए हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव की साझेदारी फायदेमंद साबित हुई। हार्दिक पंड्या ने 27 रनों की पारी खेली वहीं सूर्यकुमार यादव ने महज 35 गेंदों में 52 रन बना दिए। इस दौरान उन्होंने 3 चौके और 3 ही छक्के जड़े। सूर्या का ये फॉर्म ही टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंडिया की उम्मीद के रूप में नजर आ रहा है। टीम इंडिया ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया को 158 रनों का टारगेट दिया।

टीम इंडिया के गेंदबाजों का बोलबाला

जहां ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खेली गई टी-20 सीरीज में इंडिया के बॉलिंग लाइनअप पर सवाल खड़े किए जा रहे थे वहीं इस वॉर्म अप मैच में भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन कर जीतने की उम्मीद एक बार फिर जगा दी है।

इस मैच में अर्शदीप ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके वहीं भुवनेश्वर कुमार ने भी 2 विकेट अपने नाम किए। युजवेंद्र चहल और हर्षल पटेल ने एक-एक विकेट लिया। अर्शदीप और भुवी की गेंदबाजी ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के टॉप ऑर्डर को धराशायी कर दिया। 3 ओवर में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया 4 विकेट खो कर 11 रन बना सका। इंडिया की अपोनेंट टीम 13 ओवर में 5 विकेट खोकर महज 82 रन बना सकी। भारतीय गेंदबाजों ने 8 विकेट के साथ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया को 145 रनों पर समेट दिया।

भारत बनाम थाईलैंड महिला

थाईलैंड को हरा भारत ने रच दिया इतिहास, तोड़ डाले सभी रिकॉड

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिलाओं के एशिया कप में सोमवार को भारतीय महिला टीम और थाईलैंड की महिला टीम के बीच लीग का 19वां मुकाबला खेला गया। इस मैच में भारत ने थाईलैंड को 9 विकेट से हरा दिया। इस मैच में भारत की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड की पूरी टीम 15.1 ओवर में ही 37 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारत ने 6 ओवर में ही 1 विकेट के नुकसान पर 40 रन बनाकर इस मैच को जीत लिया।

इस मुकाबले में भारत ने थाईलैंड को शुरुआत से ही संभालने नहीं दिया। मैच में थाईलैंड की शुरुआत बेहद धीमी रही। टीम ने पॉवरप्ले के 6 ओवर में एक विकेट खोकर सिर्फ 16 रन ही बनाए। कम रन रेट की वजह से टीम पर दबाव बनता गया और थाईलैंड ने लगातार विकेट गंवाना शुरू कर दिए। जिस वजह से थाईलैंड की पूरी टीम 37 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 3 वहीं दीप्ति शर्मा और राजेश्वरी गायकवाड़ ने 2-2 विकेट लिए।

38 रन के लो स्कोर का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की ओर मेघना और शेफाली वर्मा ने पारी की शुरुआत की।

वर्ल्ड कप में बुमराह की जगह शमी:सिराज भी जाएंगे ऑस्ट्रेलिया; सवाल- शमी ही क्यों?

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जसप्रीत बुमराह को छोड़कर पूरी टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है। पीठ की चोट के कारण बाहर हुए जसप्रीत की जगह मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज में से कोई एक ले सकता है। शमी की उम्मीद ज्यादा है। वजह जानें इससे पहले एक सवाल का जवाब दे दीजिए। बुमराह की जगह कौन लेगा? इस पर हमने बीसीसीआई अधिकारी से बात की तो उन्होंने अपना नाम ना बताने के शर्त पर कहा, 'मोहम्मद शमी वर्ल्ड कप में जसप्रीत बुमराह की जगह लेंगे। उनको एनसीए (नेशनल क्रिकेट एकेडमी) में भेज दिया गया है। वहां फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद वो ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो जाएंगे।

शमी की उम्मीद इसलिए ज्यादा है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की पिच सीम और बाउंस होती है। ऐसे में शमी वहां अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। इसके साथ ही सिराज की तुलना में वे ज्यादा अनुभवी हैं।

सिराज भी जाएंगे ऑस्ट्रेलिया

मोहम्मद शमी के अलावा मोहम्मद सिराज भी वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा बनेंगे। वो रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रहेंगे। अभी साउथ अफ्रीका के खिलाफ चल रही सीरीज में सिराज ने शानदार गेंदबाजी की है। उनके खिलाफ डेथ ओवर में रन बनाना बल्लेबाजों के लिए मुश्किल हो रहा है। वहीं, दीपक चाहर चोटिल होकर टीम से बाहर हो गए हैं। ऐसे में अगर वर्ल्ड कप में कोई तेज गेंदबाज चोटिल होता है तो सिराज सबसे बेहतर विकल्प होंगे।

बुमराह का न होना वर्ल्ड कप में कितना बड़ा घाटा

टी-20 वर्ल्डकप के लिए टीम के ऐलान के बाद से ही टीम इंडिया की टेंशन लगातार बढ़ रही है। पहले रवींद्र जडेजा चोट की वजह से वर्ल्ड कप से बाहर हुए और उन्हें स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया, फिर दीपक हुड्डा को भी हाल ही में चोट लग गई, जिसकी वजह से वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही टी-20 सीरीज से बाहर हो गए। अब जसप्रीत बुमराह के न होने से वर्ल्ड कप में भारत की परेशानी और बढ़ने वाली है।

टीम एशिया कप से ही डेथ ओवर में बहुत खराब बॉलिंग कर रही है। टीम के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 18वें और 19वें ओवर में बहुत महंगे साबित हो रहे हैं। ऐसे में उम्मीद थी कि बुमराह के आने से टीम की ये समस्या खत्म होगी, लेकिन चोट के कारण यह स्टार खिलाड़ी टूर्नामेंट से ही बाहर हो गया। ऐसे में शमी का अनुभव काम आएगा।

2021 के बाद नहीं खेलें हैं टी-20 मैच

मोहम्मद शमी ने टी-20 फॉर्मेट में आखिरी बार पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान नामीबिया के खिलाफ मैच खेला था। इस साल आईपीएल में इस खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया था और जीत भी दिलाई थी।

आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

रिजर्व खिलाड़ी: मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई, दीपक चाहर।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के श्रीमंत

नेशनल पैरा आर्म रेसलिंग में जीता था गोल्ड, अब तुर्की में दिखाएंगे पंजे का दमखम

रायपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पैरा खिलाड़ी श्रीमंत झा इस महीने वर्ल्ड पैरा आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। श्रीमंत ने इस साल जून में हुए राष्ट्रीय पैरा आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ी को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब वे तुर्की में हो रही प्रतियोगिता में अपने पंजे का दमखम दिखाएंगे।

आर्म रेसलिंग की यह वर्ल्ड चैंपियनशिप 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक तुर्की में होनी है। भारत के श्रीमंत झा वर्तमान में विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी हैं। एशिया में उनकी रैंकिंग पहली है। वे पिछले 12 साल से प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के लिए 40 मेडल जीते

उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के लिए 40 मेडल जीते हैं। इस प्रतियोगिता के लिए भी श्रीमंत झा ने कड़ी मेहनत की है। उन्हें इसमें पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। मूल रूप से भिलाई के रहने वाले श्रीमंत झा जिंदल स्टील एंड पावर में असिस्टेंट इंजीनियर के तौर पर कार्यरत हैं।

खेलो इंडिया गेम्स में नेशनल पैरा आर्म रेसलिंग में प्रदेश के खिलाड़ी श्रीमंत झा ने आर्म रेसलिंग में गोल्ड मेडल जीता था। श्रीमंत का फाइनल में मुकाबला हरियाणा के खिलाड़ी से हुआ, जिसमें श्रीमंत झा फाइनल में स्वर्ण पदक जीता था। केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने 4 जून से 13 जून तक पंचकूला हरियाणा में 4जी खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन किया था। इसमें छत्तीसगढ़ से 13 खेलों में कुल 122 खिलाड़ी ने हिस्सा लिया। 4 जून से 13 जून तक आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ को पहला स्वर्ण पदक छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने दिलाया। वहीं वेटलिफ्टिंग में राजा भारती ने कांस्य पदक जीता था।

रांची के फैंस ने ईशान किशन पर लुटाया प्यार

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची के फैंस ने रविवार को लोकल ब्वॉय ईशन किशन पर खूब प्यार लुटाया। इतना ही नहीं, एक फैन ने तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर के लिए स्पेशल मैसेज भी भेजा है।

मैच के बाद BCCI ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि 24 साल के ईशान किशन फैंस के बीच पहुंच गए। उन्होंने फैंस के साथ खूब सेल्फी खिंचवाई ऑर ऑटोग्राफ भी दिए। इतना ही नहीं, वे अपने परिचितों और रिश्तेदारों से उत्साह से मिले। उनका पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया। आखिर में एक फैन ने तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर के लिए स्पेशल मैसेज भी भेजा।

वीडियो में एक महिला (ईशान की दादी) ईशान से कहती हैं, 'मैंने कहा था न, जब आना तो इतना जोरदार शॉट खेलना कि मेरे घर का कांच टूट जाए, आज तुमने वैसा ही किया बेटा।' इस पर ईशान ने उनकी हां में हां मिलाई। फिर सभी लोग फोटो खिंचवाते हैं। चलते-चलते ईशान कहते हैं- 'दादी घर का खाना कब खिला रही हैं।' तो उन्हें जवाब में सवाल ही मिलता है- 'कब आ रहे हो?'

इस बातचीत के बीच एक फैन ईशान को एक कागज का टुकड़ा पकड़ा देता है और कहता है इसे शार्दूल को दे देना। इस कागज में 'शार्दूल ठाकुर 54' लिखा था। इस कागज को पढ़ते हुए ईशान कहते हैं, 'यहां पर सिर्फ मुझे ही प्यार नहीं मिल रहा है, क्रिकेट फैंस सभी को खूब प्यार दे रहे हैं।'

वे फैन द्वारा दिए कागज को दिखाते हुए कहते हैं- 'वह मुझसे बार-बार आग्रह कर रहा था कि प्लीज ये शार्दूल ठाकुर को दे दीजिएगा।

गलती की फिर अंपायर से भिड़े सिराज

मैच रेफरी टॉस का सिक्का भूले

रांची, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची में रविवार को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही तीन वनडे मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। साउथ अफ्रीका के सामने इंडिया अपनी बी टीम के साथ उतरी। इसके बावजूद भारत के युवाओं ने कमाल का प्रदर्शन किया। मैच में टॉस के दौरान मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ सिक्का देना भूल गए। सिराज की अंपायर से जोरदार भिड़ंत हो गई।

जवागल श्रीनाथ टॉस के समय सिक्का देना भूले

दूसरे वनडे के दौरान जब दोनों टीमों के कप्तान टॉस करने आए तो एक मजेदार घटना घटी। मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ टॉस के लिए सिक्का देना ही भूल गए। दोनों कप्तान मैदान के बीच में थे, लेकिन शिखर धवन के पास उछालने के लिए सिक्का ही नहीं था। ऐसे में कमेंट्री कर रहे संजय मांजरेकर ने पूछा कि सिक्का किसके पास है तो धवन मैच रेफरी श्रीनाथ की तरफ देखने लगे, जिसके बाद श्रीनाथ को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने तुरंत अपनी पॉकेट से सिक्का निकालकर दिया। धवन ने सिक्का मिलते ही हवा में उछाल दिया। केशव महाराज ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

सिराज ने दौड़ते हुए पकड़ा सुपरमैन कैच

मोहम्मद सिराज दूसरे वनडे में छाए रहे। उन्होंने शानदार गेंदबाजी के साथ फील्डिंग में भी कमाल किया।

एएफसी अंडर-17 एशियाई कप

भारत ने तीसरी बार किया अंडर17 एशियाई कप के लिये क्वालीफाई, सउदी अरब से हार के बावजूद मिला फायदा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम ने लगातार तीसरी बार एएफसी एशियाई कप अंडर 17 फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है। आखिरी क्वालीफिकेशन मैच में सउदी अरब से 1-2 से मिली हार के बावजूद भारतीय टीम अगले साल होने वाले अंडर-17 फुटबॉल टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई करने में सफल रही। इस हार के बावजूद भारतीय टीम दूसरे स्थान पर रही छह सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल थी और उसने एएफसी अंडर 17 एशियाई कप 2023 के लिये क्वालीफाई कर लिया। भारतीय टीम ने इससे पहले लगातार तीन जीत हासिल किए थे। टीम इंडिया ने माल्दीव को 5-0, कुवैत को 3-0 और मलेशिया को 4-1 से हराया था।

स्मार्ट सिटी के काम में तेजी लाएं अधिकारी : गंगुला

मंत्री ने दिया फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

करीमनगर, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने अधिकारियों को करीमनगर स्मार्ट सिटी के कार्यों में तेजी लाने और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है।

मंत्री ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में स्मार्ट सिटी परियोजना की प्रगति के साथ-साथ केबल ब्रिज के कार्यों पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की।

यह कहते हुए कि करीमनगर को एक खूबसूरत शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि शहर की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। नगर परिषद होने पर शहर की आबादी 2.5 लाख है। यह आंकड़ा अब 4 लाख को छू गया था। इसके अलावा, हर दिन लगभग 40,000 से 50,000 लोग शहर का दौरा कर रहे हैं।

हालांकि, आबादी में वृद्धि के बाद कुछ सड़कों पर अतिक्रमण कर लिया गया था, जिससे यातायात की समस्या पैदा हो गई थी, उन्होंने जोर देकर कहा कि सड़कें और फुटपाथ वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए थे। भारी ट्रैफिक की वजह से लोग टावर सर्किल इलाके में जाने से कतरा रहे थे। मंत्री ने कहा कि यदि कोई अप्रिय घटना होती है तो एंबुलेंस और दमकल की गाड़ियां भी क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर पाती हैं।

मंत्री ने अधिकारियों को फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्मार्ट सिटी के कार्यों को एक माह के भीतर पूरा करने का निर्देश देते हुए 31 दिसंबर तक केबल ब्रिज का काम पूरा करने को कहा. इससे पूर्व मंत्री के साथ मेयर वाई सुनील राव, कलेक्टर आर.वी. कर्णन, अपर कलेक्टर गरिमा अग्रवाल, नगर आयुक्त सेवा इस्लावथ और अन्य लोगों ने टावर सर्किल क्षेत्र में स्मार्ट सिटी के कार्यों का निरीक्षण किया।

मुनुगोड़े उपचुनाव : सोमवार को 11 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया

नलगोंडा, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोड़े विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार दोपहर तीन बजे तक 11 उम्मीदवारों ने रिटर्निंग ऑफिसर के पास अपना नामांकन दाखिल किया। भाजपा उम्मीदवार कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी, जो केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय के साथ एक रैली में मुनुगोड़े से चंदूर स्थित आरओ कार्यालय पहुंचे और अपना नामांकन दाखिल किया। रिटर्निंग ऑफिसर को उनकी ओर से उनके अनुयायियों से नामांकन के दो सेट भी मिले।

कांग्रेस प्रत्याशी पलवई श्रावंती की ओर से जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष के. शंकर नाइक ने रिटर्निंग ऑफिसर को नामांकन पत्र का एक सेट सौंपा। सात उम्मीदवारों ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। श्रावंती 11 अक्टूबर को चंदूर में रैली निकालने के बाद व्यक्तिगत रूप से रिटर्निंग ऑफिसर को नामांकन पत्र का एक और सेट जमा करेंगे।

केसीआर की नई पार्टी पर भारत का गलत नक्शा दिखाने का आरोप

बीआरएस के पोस्टर में आधा कश्मीर गायब, बीजेपी ने बताया देशद्रोही

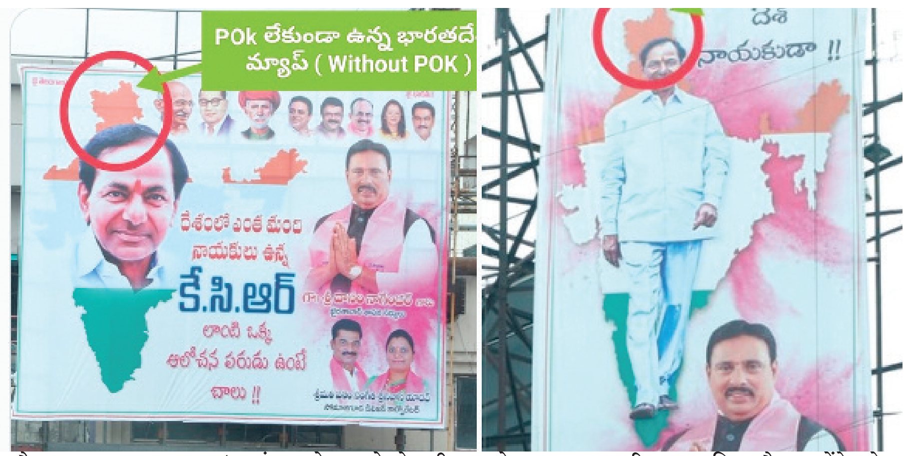

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और टीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की नई पार्टी 'भारत राष्ट्र समिति' विवादों में आ गई है। हाल ही में अपनी पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) से बदलकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) किया था, लेकिन अब बीआरएस पर भारत का गलत नक्शा दिखाने का आरोप लगा है। दरअसल, तेलंगाना के निजामाबाद से बीजेपी सांसद अरविंद धर्मपुरी ने ट्विटर पर पार्टी का पोस्टर शेयर किया है, जिसमें आधा कश्मीर गायब है। बीआरएस के पोस्टर में तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव भारत के नक्शे के बीच खड़े नजर आ रहे हैं। बीजेपी सांसद का आरोप है कि केसीआर की पार्टी ने भारत के नक्शे को गलत दिखाया है, यह हमारे भारत के संविधान और अखंडता का अपमान हैं।

बीजेपी ने केसीआर को बताया देशद्रोही

भाजपा सांसद ने लिखा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में देश का क्षेत्र परिभाषित किया गया है। पूरा जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा है, पीओके को भारत का नक्शा हटाकर केसीआर की पार्टी पाकिस्तान का समर्थन कर रही है। बीजेपी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. पार्थसारथी ने भी इस मसले पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, यह देश का नेता नहीं बल्कि देशद्रोही है।

शशि थरूर भी कर चुके यही गलती

इससे पहले कांग्रेस नेता शशि थरूर भी यही गलती दोहरा चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल करने गए थरूर ने घोषणापत्र में कई हिस्सों को गायब कर दिया था। उन्होंने जो मैप दिया, उसमें पीओके और अक्साई चिन नहीं था। इसको लेकर कांग्रेस नेता की जमकर आलोचना हुई, हालांकि बाद में उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की और तत्काल मैप में सुधार किया।

दिल्ली एक्साइज पॉलिसी स्कैम में तीसरी गिरफ्तारी

अभिषेक बोइनपल्ली हैदराबाद से अरेस्ट, सीबीआई ने कहा जांच में सहयोग नहीं कर रहा था

नई दिल्ली/हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली की एक्साइज पॉलिसी स्कैम के मामले में तीसरी गिरफ्तारी हुई है। सीबीआई ने अभिषेक बोइनपल्ली को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। सीबीआई अफसरों ने बताया कि वह पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा था। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। उसे रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। इस दौरान वह जरूरी सवालों से बच रहा था, जिसके बाद उसे देर रात हिरासत में ले लिया गया। सीबीआई के मुताबिक, अभिषेक कथित तौर पर दक्षिण भारत के कुछ शराब कारोबारियों के लिए काम करता था। उसे सोमवार को अदालत में पेशी होगी। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 28 सितंबर को दिल्ली के शराब कारोबारी समीर महेंद्रू को अरेस्ट किया था। वहीं 17 सितंबर को सीबीआई ने आप के संचार प्रभारी विजय नायर को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने 35 से ज्यादा लोकेशन छापेमारी की थी

ईडी ने शुक्रवार (7 अक्टूबर) को दिल्ली, पंजाब और हैदराबाद के 35 से ज्यादा लोकेशन पर छापेमारी की थी। इन राज्यों में शराब डिस्ट्रिब्यूटर्स, कंपनियों और उनसे जुड़ी संस्थाओं की तलाशी ली गई। दिल्ली की शराब नीति पिछले साल 17 नवंबर को लागू की गई थी। दिल्ली की एक्साइज पॉलिसी स्कैम में जुलाई महीने से ही सीबीआई जांच शुरू है। अब तक 103 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की जा चुकी है। दिल्ली की शराब नीति में हुए घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 16 सितंबर को देश के 6 राज्यों में एक साथ छापेमारी की थी। यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और दिल्ली में 40 जगहों पर की गई थी। इस मामले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर भी छापेमारी हो चुकी है। उनसे सीबीआई ने कई दौर की पूछताछ भी की है।

सीपी ने जागरूकता दौड़ में भाग लिया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रचकोंडा सीपी महेश भागवत ने आज प्योरथॉन में 2 के/5 के रन मे भाग लिया। प्योर एनजीओ की शायला तल्लूरी द्वारा मासिक धर्म/पीरियड्स के समय के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए वॉक का आयोजन किया गया था। सीपी ने नागरिकों से महिलाओं के कार्यस्थल और छात्रावासों पर सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन तथा सार्वजनिक शौचालय स्थापित करने की अपील की। कार्यक्रम में आरटीसी के एमडी वीसी सज्जनर, डीसीपी माधापुर शिल्पावली, गायिका गीता माधुरी, अभिनेता सत्यदेव, अंतर्राष्ट्रीय जिमनास्ट अरुणा रेड्डी, निदेशक मेहर रमेश और कलवाकुर्ती जेडपीटीसी भारत ने भाग लिया।

आंप्र के गवर्नर व सीएम एवं तेदेपा प्रमुख ने मुलायम के निधन पर जताया शोक

विजयवाड़ा, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर दुख और दुख व्यक्त किया। राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि मुलायम सिंह यादव लंबे समय तक सांसद रहे, उन्होंने तीन बार रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने कहा कि मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, लोकसभा सदस्य और समाजवादी पार्टी के संस्थापक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी के नाम से लोकप्रिय, उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हाशिए के वर्गों और अल्पसंख्यकों द्वारा पूजनीय थे, मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी मुलायम सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया। एक संदेश में, चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जी के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ।

सीएम केसीआर सहित कई नेताओं ने मुलायम सिंह के निधन पर जताया दुःख

मुलायम के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर गहरा दुख और दुख व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि धर्मनिरपेक्षतावादी मुलायम सिंह यादव प्रसिद्ध समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया और प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी राज नारायण जैसे महान नेताओं की प्रेरणा से राजनीति में आए। केसीआर ने याद किया कि सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में तीन बार मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री रहे मुलायम सिंह यादव ने जीवन भर गरीब और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए काम किया। आईटी मंत्री के टी रामाराव ने एक ट्वीट में अखिलेश यादव और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में भारतीय राजनीति में एक युग का अंत है।

इस बीच, विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, मंत्री येराबेली दयाकर राव, मोहम्मद महमूद अली, गंगुला कमलाकर, हरीश राव, कोप्पुला ईश्वर और इंद्रकरण रेड्डी, सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, और राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बोइनपल्ली विनोद कुमार ने भी मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुलायम सिंह यादव की और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उधर, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव मंगलवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। केसीआर मंगलवार दोपहर उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में मुलायम के पैतृक गांव सैफई पहुंचेंगे। वह यादव के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देंगे और बाद में अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

रेवंत व बंडी ने मुलायम के निधन पर शोक जताया

टीपीसीसी अध्यक्ष और सांसद रेवंत रेड्डी ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक, उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री और सांसद मुलायम सिंह यादव के सोमवार को असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उनका निधन दलित वर्गों के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करें।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और करीमनगर के सांसद बंदी संजय कुमार ने आज सुबह समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री और सांसद के निधन पर शोक व्यक्त किया।

आज मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, संजय कुमार ने कहा कि दिग्गज नेता मुलायम सिंह यादव ने आठ बार विधायक चुनकर एक रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि वह भगवान से मुलायम सिंह की आत्मा को शांति देने की प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने मुलायम सिंह के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी में झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

रेवंत अगर मेरी गलती साबित करते हैं तो राजनीति छोड़ने को तैयार : राजगोपाल रेड्डी

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने आज कहा कि अगर टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने अपनी गलतियां साबित कर दी तो वह राजनीति छोड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने रेवंत रेड्डी को भी चुनौती दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो अपनी गलतियों और भ्रष्टाचार का सबूत मीडिया को दिखाएं।

आज अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि दुब्बाका, हुजूराबाद और जीएचएमसी चुनावों के बाद भाजपा की ताकत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने राज्य में लोगों का विश्वास खो दिया है और तेलंगाना में इसे छोड़ने पर 12 विधायकों को खो दिया है। रेवंत रेड्डी को घटिया नेता बताते हुए उन्होंने कहा कि टीपीसीसी प्रमुख में उनके बारे में बात करने की योग्यता नहीं है।

]यह कहते हुए कि लोग प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर देख रहे हैं, राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि भाजपा अकेले तेलंगाना में टीआरएस पार्टी के भ्रष्ट शासन को समाप्त करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुनुगोडु उपचुनाव के फैसले से राज्य में बदलाव आएगा। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि मुनुगोडु के मतदाता आगामी उपचुनाव में न्यायसंगत फैसला देंगे और कहा कि उपचुनाव के बाद केसीआर का अंत शुरू होगा।

केन्द्रमंत्री जी. किशन रेड्डी, प्रदेश भाजपा प्रभारी तरुण चुघ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय के साथ चुनाव अधिकारी को अपना नामाकंन पत्र सौंपते हुए मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी।

रेप के आरोपी इंस्पेक्टर नागेश्वर राव को सेवा से बर्खास्त किया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस में इंस्पेक्टर रहे के. नागेश्वर राव पर एक महिला के साथ बलात्कार करने और उसके पति को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप लगाने के बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। सोमवार को यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बर्खास्तगी का आदेश हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने जारी किया, जिन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (बी) और (3) के प्रावधानों को लागू किया।

अंतिम सजा के कारणों का विवरण देते हुए, आनंद ने कहा कि इस बात की संभावना है कि के. नागेश्वर राव, पुलिस निरीक्षक (निलंबन) विभागीय जांच के नियमित पाठ्यक्रम के दौरान पीड़ित और उसके गवाहों को धमका सकते हैं और प्रभावित कर सकते हैं। उसके मन में आपराधिक प्रवृत्ति है और वह मामले में पीड़ित या गवाहों को प्रभावित या डरा सकता है। इस प्रकार बिना जांच के 'सेवा से बर्खास्तगी' पर एक बड़ा जुर्माना लगाना उचित है।

इंस्पेक्टर नागेश्वर राव को तब निलंबित कर दिया गया था जब उन पर एक महिला के घर में घुसकर बलात्कार करने का आरोप लगाया गया था और बाद में पीड़िता और उसके पति को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई थी। पीड़ित की शिकायत के बाद, पड़ोसी राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में वनस्थलीपुरम पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। कुछ दिन पहले वह जमानत पर छूट कर आया था। पुलिस उच्चाधिकारियों ने उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

अवैध रूप से दुकान हटाने के विरोध में युवक ने किया प्रदर्शन

आरटीसी डीपो कार्यालय के सामने खड़ी बस के सामने सोया

आसिफाबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी अधिकारियों द्वारा उसकी दुकान को अवैध रूप से हटाने और उसे फिर से स्थापित करने से इंकार करने पर एक युवक ने आसिफाबाद आरटीसी डीपो कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

बहादुर राठौड़ नाम के युवक ने कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र के कौटाला मंडल के केंद्र में आरटीसी परिसर में दुकान लगाने का टेंडर 2017 में भरा था और टेंडर में उसे दुकान आने के बाद उसने दुकान आरटीसी बस स्टेशन के परिसर में लगाई। करीब 2 साल तक दुकान चलाई और इसी बीच आरटीसी के अधिकारियों ने साफ-सफाई करने के बहाने बहादुर लाल की दुकान को बगैर नोटिस दिए 2019 में उसे खाली करवाई और उसे यह कह कर बरसात के मौसम में खाली करवाई थी कि साफ सफाई करने के बाद उसे फिर से दुकान बनवाकर दी जाएगी। लेकिन कुछ दिनों के बाद जब आरटीसी अधिकारियों से दुकान का पुनर्निर्माण करने की बात कही तब आरटीसी के अधिकारियों ने बहाना बनाकर पल्ला झाड़ दिया। युवक ने पहले स्थानीय आरटीसी डीएम से शिकायत की, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। तब उसने सोशल मीडिया ट्विटर के द्वारा आरटीसी के उच्च अधिकारी को इसकी शिकायत की। तब आरटीसी के उच्च अधिकारियों ने ट्विटर द्वारा इस समस्या का समाधान करने के लिए कहा। आरटीसी के उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है, यह आरोप लगाते हुए युवक ने सोमवार को आसिफाबाद आरटीसी डीपो कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन पर बैठ गया और उसने मांग की है कि उसे न्याय दिलाएं। बहादुर लाल राठौड़ ने सोमवार को आरटीसी डीपो कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो जाता, वह आंदोलन करना बंद नहीं करेंगे। आसिफाबाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर उसे वहां से उठाकर पुलिस स्टेशन ले गया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की संख्या अधिक होनी चाहिए : राज्यपाल

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने लड़कियों को विज्ञान में शोध करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अनुसंधान में लैंगिक अंतर को पाटने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की अधिक संख्या होनी चाहिए। राज्यपाल मुख्य अतिथि के रूप में यहां सीएसआईआर-आईआईसीटी में "महिला वैज्ञानिक कॉन्क्लेव: सेल्फ रिलायंस" को संबोधित कर रही थी। उन्होंने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों से लड़कियों को साइंस स्ट्रीम लेने और शोध में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि थोड़ी सी प्रेरणा और समर्थन के साथ, वे अपने चुने हुए क्षेत्रों में और विज्ञान और अनुसंधान में जादू पैदा करने में सक्षम होंगे।

हर कोई असीमित क्षमता से संपन्न है। डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने देश को अगले कुछ वर्षों के दौरान पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को साकार करने में मदद करने के लिए महिला वैज्ञानिकों के लिए बड़ी भूमिका की कल्पना की। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया और एकेडमी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित महिला वैज्ञानिक कॉन्क्लेव के हिस्से के रूप में, डॉ तमिलिसाई सौदरराजन ने टेसी थॉमस (मिसाइल टेक्नोलॉजी), डॉ. गीता वेमुगंती (स्टेम सेल थेरेपी), सुश्री सुमा वर्गीस (रक्षा), डॉ. संगीता मुखोपाध्याय (डीएनए फिंगर प्रिंटिंग), डॉ. तनुश्री सिन्हा दासगुप्ता (सुपर कंडक्टिविटी), और राज कुमारी इंदिरा देवी (विज्ञान प्रमोटर) को सम्मानित किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.